जबलपुर सोमवार 28 सितंबर 2026 > भाद्रपद शुक्ल पक्ष, द्वितीया

वर्ष 32 अंक 91 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ▶▶ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 30.7°C
न्यूनतम तापमान 21.8 °C
सूर्योदय - 6.01 | सूर्यास्त - 6.01

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

केशरवानी वैश्य समाज के प्रदेशाध्यक्ष शुभम ... ▶▶ 4

इश्क का गुलाम पर सौंदर्या शर्मा का डांस .. ▶▶ 7

1713 आंगनबाड़ी केंद्रों में गूंजा सेवा का संदेश ... ▶▶ 9

‘इंतजार का दौर खत्म, अब करारा जवाब’

प्रधानमंत्री ने सर्जिकल और बालाकोट एयर स्ट्राइक का किया जिक्र

नई दिल्ली (वार्ता)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत अब पूरी दृढता से जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है और यदि आतंकवादी भारत की ओर आंख उठाएंगे, तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। श्री मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेड़ियो कार्यक्रम मन की बात की 138वीं कड़ी में 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक का उल्लेख करते हुए कहा कि बालाकोट की एयर स्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक भारत ने बार-बार आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति स्पष्ट की है। साथ ही उन्होंने देशवासियों से जनगणना में भाग लेने को राष्ट्रीय दायित्व बताते हुए अपनी और अपने परिवार की सही जानकारी दर्ज कराने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसके अलावा विश्व हिन्दू परिषद के दिवंगत नेता अशोक सिंहल की जन्मशती, सोमनाथ और मोढेरा मंदिरों की विरासत, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, खेल प्रतिभाओं की खोज, स्थानीय उत्पादों, कुपोषण और गणेश उत्सव से जुड़े विषयों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। नियंत्रण रेखा के उस पार जाकर भारतीय जवानों की कार्रवाई ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का नया उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादी हमलों के कारण भारत ने लंबे समय तक दर्द झेला है। तेरह सितंबर, 2008 को दिल्ली में हुए सिलसिलेवार विस्फोट और उसके कुछ सप्ताह बाद मुंबई में हुए 26/11 हमले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पहले आतंकवादी हमलों के बाद पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग होती थी, लेकिन उस पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था। उन्होंने कहा कि आज भारत आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति लेकर चल रहा है और इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

जनगणना का पहला चरण लगभग पूरा

जनगणना के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसका पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है और 32 करोड़ से अधिक परिवारों की जानकारी दर्ज की जा चुकी है। लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के दुर्गम और बर्फीले इलाकों में भी यह काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि दो करोड़ 60 लाख से अधिक लोग मोबाइल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनगणना के लिए लोग मोबाइल फोन से अपनी और परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। यह सुविधा हिन्दी सहित 16 भाषाओं में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि सही जानकारी देश के भविष्य की सही तस्वीर तैयार करने में मदद करती है।

मोढेरा आज देश का पहला सूर्य गांव

सोमनाथ और मोढेरा सूर्य मंदिर का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 1026 में मोढेरा मंदिर पर हमला हुआ था और राजा भीमदेव प्रथम ने कुछ ही समय में उसका पुनर्निर्माण कराया। उन्होंने कहा कि मोढेरा आज देश का पहला सूर्य गांव बन चुका है और पूरी तरह सौर ऊर्जा से चलता है। स्वच्छता के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश में नदी की सफाई, आंध्र प्रदेश में बावड़ियों और कुओं की सफाई, मुंबई में समुद्र तटों की सफाई और दिल्ली में कचरा अलग रखने के लिए चल रहे जागरूकता प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बापू के प्रति अच्छी श्रद्धांजलि स्वच्छता है। पर्यावरण संरक्षण के बारे में उन्होंने असम में हाथियों के फिर लौटने और संकटग्रस्त छोटे जीव को बचाने के प्रयास का उल्लेख किया।

नशे से दूर रहने का संकल्प लिया

पश्चिम बंगाल के सुंदरबन में महिलाओं द्वारा लगाये जा रहे मैंग्रोव जंगलों को भी उन्होंने प्रकृति और आजीविका से जुड़ा प्रयास बताया। नशामुक्ति के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि नशा मुक्त युवा अभियान के तहत लाखों युवाओं ने नशे से दूर रहने और दूसरों को जागरूक करने का संकल्प लिया है। कुल 100 सप्ताह चलने वाले इस अभियान में युवा, विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय तथा सामाजिक और आध्यात्मिक संस्थाएं शामिल हैं। अभियान के तहत देशभर में हजारों संकल्प समारोह और जागरूकता कार्यक्रम हुए हैं। उन्होंने खेल प्रतिभाओं की खोज और उन्हें तराशने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए पंजाब के राजिंदर सिंह के प्रयासों की जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में आंवले से जुड़े स्थानीय उद्यमों और महिलाओं के काम का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्थानीय उत्पादों को आगे बढ़ाने की बात कही।

मुझे तूफानी समुद्र में तैरना पसंद है

एसआईआर विवाद के बीच राहुल गांधी का संदेश

नई दिल्ली। एसआईआर और चुनाव आयोग को लेकर जारी सियासी घमासान के बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की एक सोशल मीडिया पोस्ट चर्चा में आ गई है। रविवार को राहुल गांधी ने ‘तूफानी समुद्र’ में तैरने को लेकर एक संदेश शेयर किया और कहा कि मुश्किल परिस्थितियां इंसान को शांत रहना सिखा सकती हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी पोस्ट में सीधे तौर पर एसआईआर विवाद या चुनाव आयोग का कोई जिक्र नहीं किया। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, ‘मुझे तूफानी समुद्र में तैरना पसंद है। यह सिखाता है कि तूफानी होना भी शांति का ही एक रूप है।’ राहुल गांधी की यह पोस्ट ऐसे समय आई है जब मतदाता सूची में बदलाव और एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच लगातार सवाल-जवाब चल रहे हैं। हालांकि, पोस्ट में राहुल गांधी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनका संदेश मौजूदा राजनीतिक विवाद से जुड़ा है। राहुल गांधी इससे पहले मतदाता सूचियों में बदलाव को लेकर चुनाव आयोग की आलोचना कर चुके हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में कथित ‘धांधली’ का आरोप लगाया था और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी की थी। उन्होंने ‘वोट चोरी’, ‘कानून चोरी’ और ‘संस्था चोरी’ के बीच संबंध होने का भी आरोप लगाया था। राहुल गांधी की ये टिप्पणियां उन रिपोर्टों के बाद आई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े फैसलों और आदेशों पर कई बार आपत्ति जताई थी।

संदेश का सियासी मतलब क्या?

राहुल गांधी ने अपनी रविवार की पोस्ट में एसआईआर, मतदाता सूची या चुनाव आयोग का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया। लेकिन यह संदेश ऐसे वक्त आया है जब वह और कांग्रेस मतदाता सूची में बदलाव और चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर लगातार सवाल उठा रहे हैं। ऐसे में राहुल गांधी का ‘तूफानी समुद्र’ और ‘शांति’ वाला संदेश राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। वहीं, चुनाव आयोग लगातार यह स्पष्ट कर रहा है कि एसआईआर से जुड़े उसके प्रमुख फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं और फॉर्म 6 में बदलाव के बजाय अलग से एनेक्सर डी की व्यवस्था की गई है।

लद्दाख मामले में सरकार को 2 अक्टूबर की डेडलाइन

नई दिल्ली। लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग पर सोनम वांगचुक ने 2 अक्टूबर तक की डेडलाइन दी है। उन्होंने को दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि इस मामले में बहुत कम प्रगति हुई है। वांगचुक ने यह बात लेह में पिछले साल 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद एनएसए के तहत हिरासत में लिए जाने के एक साल पूरे होने पर कही। इस हिंसा में पुलिस कार्रवाई के दौरान चार लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर तक सरकार ने कोई फैसला नहीं लिया तो शांतिपूर्ण प्रदर्शन और आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

उग्र हुआ एलपीयू छात्रों का प्रदर्शन

जालंधर। सेल्फी प्वाइंट के बाहर प्रोटेस्ट कर रहे एलपीयू यूनिवर्सिटी के छात्रों के ऊपर पुलिस ने लाठी चार्ज किया। इसके तुरंत बाद छात्रों ने पत्थर मारना शुरू कर दिया। करीब 13 घंटे हाईवे बंद होने के बाद वहां पर माहौल एक बार फिर से तनावपूर्ण हो गया है। मौके पर पुलिसकर्मी और मीडियाकर्मी घायल हो गए हैं। पुलिस की गाड़ियों को आग लगा दी गई है। गाड़ियों में आगजनी के चलते धमाके हो रहे हैं।

जीएसटी अधिकारी के पास मिली 2.89 करोड़ की बेनामी संपत्ति

कोच्चि। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आय से अधिक संपत्ति के मामले की जांच के सिलसिले में कोच्चि में जीएसटी की एक संयुक्त आयुक्त के आवास पर छापेमारी के दौरान 14.10 लाख रुपए की बेहिसाब नकदी और 788 अमेरिकी डॉलर जब्त किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। वीएसीबी के अनुसार, आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच के तहत राज्य वस्तु एवं सेवा कर विभाग की संयुक्त आयुक्त प्रजनी राजन के पचालम स्थित आवास पर तलाशी ली गई। अधिकारियों ने बताया कि वीएसीबी की प्रारंभिक जांच में पाया गया कि राजन ने 2014 से 2024 के बीच अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से कथित तौर पर करीब 2.89 करोड़ रुपये अधिक की संपत्ति अर्जित की।

पटरी पर दौड़ी देश की पहली एलएनजी ट्रेन

टैंक फुल होने पर 2200 किमी चलेगी, एलएनजी और डीजल के बीच स्विच कर सकेगा इंजन

अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात में 1,542 करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने भारत की पहली एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) से चलने वाली ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2015-16 में रेलवे ने 293 करोड़ लीटर डीजल की खपत की। यह आंकड़ा 2024-25 में घटकर 108 करोड़ लीटर रह गया है और 2030 तक हम इसे शून्य तक ले आएंगे, जिससे भारतीय मुद्रा की बचत होगी। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जिस पर अक्सर ध्यान नहीं जाता। उन्होंने आगे कहा कि यह ट्रेन पर्यावरण संबंधी चिंताओं का समाधान करती है, यात्रियों की सुविधा बढ़ाती है और सुरक्षा को मजबूत करती है। यह ट्रेन पूरी तरह से एलएनजी बेस्ड होगी। हालांकि, इसका इंजन एलएनजी और डीजल दोनों पर चल सकता है। यानी कि फ्यूल की मात्रा के हिसाब से इंजन एलएनजीऔर डीजल के बीच स्विच कर सकता है। ट्रेन की खास बात यह है कि यह एक बार पूरी तरह से भरे टैंक में 2200 किलोमीटर तक की लंबी दूरी तय कर सकती है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 1400 एचपी क्षमता वाले दो ड्राइविंग पावर कार को एलएनजी ड्यूल-फ्यूल प्रणाली में ट्रांसफॉर्म किया गया है। ट्रेन का 2,000 किलोमीटर से अधिक का सफल फील्ड ट्रायल पूरा किया जा चुका है। गुजरात के मेहसाणा और साबरमती के बीच करीब 8 महीनों तक ट्रेन का ट्रायल हुआ। आने वाले समय में 8 से 10 और ट्रेनों में एलएनजी तकनीक को अपनाने की योजना है। अहमदाबाद के डीआरएम वेद प्रकाश ने बताया कि एलएनजी डीजल से सस्ता होने के कारण ट्रेन चलाने की कुल लागत कम हो जाती है। एलएनजी ईंधन से प्रदूषण में भी भारी कमी आएगी। इससे कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और धूल के कण जैसे हानिकारक तत्व कम मात्रा में उत्पन्न होंगे। इससे रेलवे ट्रैक के आसपास की हवा भी शुद्ध रहेगी। इसके साथ ही, ईंधन की लागत में भी काफी बचत होगी। वेद प्रकाश ने आगे बताया कि एलएनजी ईंधन प्रणाली के साथ इंजन की पॉवर में कोई कमी नहीं आती। इंजन की पॉवर डीजल इंजन के समान ही बनी रहती है। एक एलएनजी टैंक से डीपीसी ट्रेन लगभग 2200 किलोमीटर तक चल सकती है, इसलिए बार-बार फ्यूल भरने की जरूरत नहीं होती।

दलित-आदिवासी समस्या पर कांग्रेस की बैठक कल

नई दिल्ली। कांग्रेस दलित तथा आदिवासी समुदायों से जुड़े मुद्दों और उनकी विभिन्न समस्याओं पर विचार के लिए 29 सितंबर को यहां महत्वपूर्ण बैठक आयोजित करेगी। कांग्रेस सांसद डॉ. मल्लू रवि, मनोज कुमार, तनुज पूनिया, करमवीर बौद्ध, हमदुल्लाह सईद, भजन लाल जाटव तथा आदिवासी कांग्रेस की प्रमुख विक्रांत भूरिया ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में कांग्रेस के लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद, पूर्व सांसद, कांग्रेस शासित राज्यों के मंत्री, विधायक और देशभर से पार्टी के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

4 साल में 111 सांसद विधायकों ने बदली पार्टी

सबसे ज्यादा दल-बदलुओं को लेने वाली पार्टी बनी बीजेपी

नई दिल्ली

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के एक विश्लेषण से पता चला है कि 2022 और 2026 के बीच 111 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने अपनी पार्टी बदल ली। इनमें से 26 प्रतिशत को बीजेपी ने अपनी पार्टी में शामिल किया और इसके साथ ही वह दूसरे नंबर पर रही। एडीआर और नेशनल इलेक्शन वॉच के एक नए एनालिसिस के अनुसार चुने जाने के बाद कम से कम 111 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने अपनी राजनीतिक पार्टियां बदल लीं। इस स्टडी में 2022 और 2026 के बीच हुए चुनावों और उपचुनावों को शामिल किया गया है और इसमें 26 लोकसभा सांसद, सात राज्यसभा सांसद और 78 विधायक शामिल हैं। इन 111 जनप्रतिनिधियों में से 29 (जो कुल 111 का 26 प्रतिशत है) बीजेपी में शामिल हो गए, जिससे पार्टी उन जनप्रतिनिधियों को शामिल करने के मामले में दूसरे नंबर पर आ गई जिन्होंने अपनी पार्टियां बदली थीं।

कौन सी पार्टी नंबर-1

इस लिस्ट में टॉप पर नगालैंड की स्थानीय पार्टी नागा पीपल्स फ्रंट रही। उसे सबसे ज्यादा यानी 32 विधायक मिले, जो कुल संख्या का 29 प्रतिशत है। हालांकि, यह नतीजा 2025 में हुए विलय की वजह से था न कि अलग-अलग विधायकों के पाला बदलने की वजह से। 24 सितंबर को जारी रिपोर्ट से पता चलता है कि 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पार्टियों को बदलने की घटनाएं हुईं।

कौन सा राज्य टॉप पर

- 32 विधायकों के साथ नागालैंड सबसे आगे।
- दूसरे नंबर पर 20 संख्या के साथ पश्चिम बंगाल।
- दल-बदल (9) के मामले में तीसरे नंबर पर तेलंगाना।
- चौथे नंबर पर संख्या 8 के साथ गोवा और पंजाब रहे।

भारत आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की ‘स्ट्राइक’ के लिए तैयार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी पाकिस्तान को चेतावनी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि अगर पड़ोसी देश अपनी ‘आतंकवाद की सरकारी नीति’ जारी रखता है, तो भारत आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत किसी भी हाल में राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत किसी दूसरे देश से टकराव या उसका इलाका नहीं चाहता, लेकिन शांति और कायरता के बीच अंतर होता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत बातचीत में विश्वास करता है, लेकिन बातचीत की गुंजाइश तब खत्म हो जाती है जब कोई देश भारत के खिलाफ आतंकवाद को समर्थन और पनाह देता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत दुनिया के किसी भी देश की जमीन पर कब्जा नहीं करना चाहता। भारत किसी को धमकाना भी नहीं चाहता। लेकिन शांति और कायरता में फर्क होता है और पूरी दुनिया को यह बात समझनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भारत शांति चाहता है, लेकिन किसी भी हालत में अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि भारत बातचीत में यकीन रखता है। भारत बातचीत में यकीन रखता है, लेकिन अगर कोई देश भारत के खिलाफ आतंकवाद को पनाह देता है, तो बातचीत की गुंजाइश वहीं खत्म हो जाती है।

‘बदल रहा है युद्ध का स्वरूप’

थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने दी सैन्य सोच और रणनीति बदलने की सलाह

नई दिल्ली

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल देश में हथियार और सैन्य उपकरण बनाना नहीं है। भारत के पास ऐसी क्षमता होनी चाहिए जिससे वह लंबे समय तक चलने वाले युद्ध में अपनी सैन्य ताकत को बनाए रख सके। रविवार को यह बात थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने कही। उन्होंने कहा कि ऐसी क्षमता होनी चाहिए जिससे बदलती जरूरतों के अनुसार सैन्य ताकत को ढाल सके और लगातार मजबूत कर सके। उन्होंने आज के युद्धों को ‘रुक-रुक कर होने वाले युद्ध’ बताया है। ‘बदलते युद्ध के दौर में आत्मनिर्भरता’ विषय पर बोलते हुए थल सेनाध्यक्ष ने कहा कि युद्ध का स्वरूप, तकनीक और उसकी अवधि तेजी से बदल रही है। इसलिए सैन्य क्षमता के विकास और आत्मनिर्भरता की हमारी सोच को भी लगातार बदलना होगा। साल 1971 में ढाका में हुए ऐतिहासिक आत्मसमर्पण का जिक्र करते हुए जनरल सेठ ने कहा, पिछली सदी के युद्धों की एक स्पष्ट समाप्ति होती थी। 1971 की वह तस्वीर ऐसा ही एक क्षण थी, जब यह साफ था कि युद्ध समाप्त हो गया है। लेकिन आज के युद्धों में ऐसी स्पष्ट समाप्ति दिखाई नहीं देती। संघर्ष लंबे समय तक चलते हैं और बीच-बीच में भीषण लड़ाई होती रहती है। तकनीक

लड़ाइयों की अवधि कम कर सकती है, लेकिन जरूरी नहीं कि वह युद्धों की अवधि भी कम करे। ये ‘रुक-रुक कर होने वाले युद्ध’ हैं। उन्होंने कहा कि सैन्य क्षमता को तैयार करने, विकसित करने, परखने और सेना में शामिल करने में कई वर्ष लगते हैं, जबकि तकनीक बहुत कम समय में बदल जाती है। इसलिए चुनौती केवल स्वदेशी हथियार बनाने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की भी है कि सेना में शामिल होने तक वह तकनीक उपयोगी और आधुनिक बनी रहे।

जरूरत के अनुरूप हों क्षमताएं

उन्होंने कहा, हर परिस्थिति के लिए एक ही समाधान कारगर नहीं हो सकता। भारतीय सेना समुद्र तल से लेकर अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों तक और अत्यधिक गर्मी से लेकर शून्य से काफी नीचे के तापमान तक काम करती है। इसलिए हमारी सैन्य क्षमताएं भारत की अपनी भौगोलिक परिस्थितियों, अलग-अलग इलाकों और सैन्य जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए। कुछ सौ डॉलर की कीमत वाला ड्रोन लाखों डॉलर की कीमत वाले सैन्य प्लेटफार्म के लिए खतरा बन सकता है। कम कीमत वाली, स्मार्ट और बड़े पैमाने पर उपलब्ध तकनीक अब बेहद महंगे सैन्य हथियारों और उपकरणों के लिए भी खतरा बन सकती है।

पुराने हथियारों को बदलना नहीं

उन्होंने कहा, आज के युद्ध दिखा रहे हैं कि पुरानी प्रणालियां भी नई तकनीक के साथ बेहद प्रभावी हो सकती हैं। दशकों पहले विकसित की गई एयर डिफेंस तोपें आधुनिक सेंसर और अग्नि नियंत्रण प्रणाली के साथ ड्रोन और ड्रोन समूहों के खिलाफ प्रभावी हो सकती हैं। इसलिए भविष्य की सैन्य क्षमता का अर्थ हमेशा पुराने हथियारों को बदलना नहीं है। कई बार पुरानी और भरोसेमंद प्रणालियों को नई तकनीक से जोड़कर उन्हें और प्रभावी बनाया जा सकता है।

कमिश्नर एवं अपर कलेक्टर ने ग्राम घोघरी स्थित राइस मिल का किया निरीक्षण

शहडोल (स्वतंत्र मत)

कमिश्नर सुरभि गुप्ता एवं अपर कलेक्टर शिवम् प्रजापति द्वारा ग्राम घोघरी में पी एम एफ एम ई योजना के तहत् चल रहे संचालक श्रीकांत शर्मा के राइस मिल का निरीक्षण किया ,निरीक्षण के दौरान संचालक से योजना के तहत कितना ऋण मिला, मिले हुए ऋण का उपयोग कैसे किया गया इन प्रश्नों पर बड़ी विनम्रता से राइस मिल के संचालक द्वारा बताया गया कि इसका उपयोग राइस मिल, तेल मिल, आटा चक्की, हल्दी, मसाला वा आम पाउडर (अमचूर) के मशीन स्थापित कर यह उद्योग चलाया जा रहा है, ग्राहकों द्वारा फोन करने पर डोरे टू डोर जाकर राइस मिल की गाड़ी से धान गेहूं सरसों तिल लाकर संबंधित कार्य पूरा होने के बाद राइस मिल में ग्राहक आएं या नहीं पूर्ण ईमानदारी व गुणवत्ता पूर्ण कार्य कर उनके घर तक पहुंचाया जाता है जो पूर्णतः निः शुल्क है जिस पर वहां उपस्थित ग्राहकों से पूछे जाने पर ग्राहकों द्वारा संचालक वा वहां के कर्मचारियों के व्यवहार से पूर्णतः संतुष्ट होने की बात बताई गई उपस्थित ग्राहकों व जन समुदाय द्वारा संचालक द्वारा दिए जाने वाले सुविधा चाहे वो कृषि कार्य हेतु कृषि उपकरणों के प्रयोग व राइस मिल के संचालन में अपनी पूर्ण संतुष्टि बताई गई ,इस दौरान संभाग आयुक्त द्वारा इसके बदले में ग्राहकों से लिए जाने वाले शुल्क के बारे में पूछे जाने पर संचालक द्वारा बताया गया कि धान दराई का कार्य पूर्णतः निःशुल्क है इसके बदले में धान से निकलने वाले भूसा वा कना लिया जाता है शेष तेल मसाला वा आटा का कार्य निर्धारित मापदंड के अनुसार शुल्क लिया जाता है जो मशीनों के रख रखाव बिजली बिल वा इसमें लगे हुए 25से अधिक कर्मचारियों के वेतन में खर्च करने के बाद जो भी बचा उससे उद्योग को आगे बढ़ाने के बारे में लगाया जाता है ।इस बीच संभाग आयुक्त सुरभि गुप्ता द्वारा मिल से निकलने वाले चावल को देखकर गुणवत्ता की वा राइस मिल की साफ सफाई की सराहना की गई । इस बीच उद्योग में आने वाले व्यवधान के बारे में पूछने पर संचालक द्वारा बिजली की आपूर्ति सही ढंग से नहीं होने पर राइस मिल के संचालन में वा ग्राहकों को होने वाली परेशानी की बात कही, जिस पर सुधार करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया, इसी दौरान इस क्षेत्र में आने वाले समस्या के बारे में पूछने पर वहीं उपस्थित राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने वर्तमान समय में किए जा रहे कृषि कार्य में धान की फसल में विभिन्न तरह के बीमारियों के वा उनका सही उपचार नहीं हो पाने से अब आगे से ग्राम घोघरी के किसान धान की खेती छोड़ने के लिए विवश हो रहे उसका कारण आयुक्त महोदया वा अपर कलेक्टर द्वारा पूछे जाने पर श्री मिश्रा द्वारा बताया गया कि किसान इतने मंहगे बीज उससे भी महंगा खाद खरीद कर फिर कृषि कार्य के उपयोग होने वाले ट्रैक्टर का खर्च बढ़ी हुई मजदूरी वा शासन द्वारा धान के खरीदी रेट में कोई बढ़ोत्तरी नहीं होने, कृषि विभाग के अधिकारियों का क्षेत्र में दौरा न किए जाने वा किसानों से सम्पर्क नहीं किए जाने से रोग उपचार कि सही दवाई की जानकारी नहीं होने के कारण स्थानीय किसानो द्वारा दुकानों में उपलब्ध दवाई लेकर उपयोग किया जाता है जो वे असर रहता है। इस पर अपर कलेक्टर वा आयुक्त द्वारा सुधारात्मक कार्यवाही हेतु कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान जैतपुर विधान सभा के लोकप्रिय विधायक जय सिंह मरावी, संयुक्त कमिश्नर मुद्रिका पटेल जैतपुर एसडीएम दीपक मांडवी मंडल अध्यक्ष सचिन सेठिया वरिष्ठ भाजपा नेता राम विशाल शर्मा, सरपंच ग्राम पंचायत घोघरी प्रवीण सिंह, उद्यानिकी विभाग के अधिकारी वा जिले के अधिकांश विभाग के अधिकारी गण वा क्षेत्र के बहुत से नागरिक गण उपस्थित रहे ।

श्रीराम हेल्थ सेंटर में कोहनी की अत्यंत दुर्लभ 'टेरिबल ट्रायड' चोट का सफल उपचार

शहडोल (स्वतंत्र मत)

श्रीराम हेल्थ सेंटर, शहडोल में कोहनी की एक अत्यंत दुर्लभ और जटिल चोट का सफल उपचार किया गया। चिकित्सकीय भाषा में 'टेरिबल ट्रायड इंजरी' कही जाने वाली इस चोट का उपचार डॉ. अमोल प्रभाकर पांडे द्वारा किया गया। इस प्रकार की चोट में कोहनी की तीन गंभीर समस्याएं एक साथ होती हैं। इनमें कोहनी का अपनी जगह से खिसकना, रेडियल हेड यानी अग्रबाहु की प्रमुख हड्डी के ऊपरी सिरे का टूटना तथा कोरॉनोइड हड्डी के हिस्से का टूटना शामिल है। यह चोट कोहनी की स्थिरता को गंभीर रूप से प्रभावित करती है और इसके उपचार के लिए जटिल शल्य चिकित्सा की आवश्यकता पड़ सकती है। चिकित्सकीय आंकड़ों के अनुसार कोहनी का अपनी जगह से खिसकना भी अपेक्षाकृत कम होने वाली चोट है। प्रति एक लाख लोगों में प्रतिवर्ष लगभग 5 से 6 मामले सामने आते हैं। इनमें भी 'टेरिबल ट्रायड' चोट केवल लगभग 3 से 4 प्रतिशत मामलों में पाई जाती है। इस लिहाज से यह अत्यंत दुर्लभ चोट मानी जाती है। मरीज की कोहनी की स्थिरता वापस लाने के लिए जटिल शल्य चिकित्सा की गई। इसमें रेडियल हेड का कृत्रिम प्रत्यारोपण किया गया। इसके साथ ही लैसो विधि से कोरॉनोइड हड्डी के टूटे हिस्से को स्थिर किया गया तथा टॉमी जॉन विधि के माध्यम से कोहनी के महत्वपूर्ण स्नायुबंधन का पुनर्निर्माण किया गया। टॉमी जॉन विधि में कोहनी के अंदरूनी हिस्से में मौजूद महत्वपूर्ण स्नायुबंधन, जिसे अल्नर कोलेटरल लिगामेंट कहा जाता है, का पुनर्निर्माण किया जाता है। इसमें शरीर के किसी अन्य हिस्से से लिए गए मजबूत स्नायु ऊतक की सहायता से क्षतिग्रस्त स्नायुबंधन को दोबारा बनाया जाता है। इस प्रक्रिया का नाम प्रसिद्ध अमेरिकी बेसबॉल खिलाड़ी टॉमी जॉन के नाम पर पड़ा, जिन पर यह शल्य प्रक्रिया सफलतापूर्वक की गई थी। इस प्रकार की जटिल चोट में केवल टूटी हुई हड्डियों को जोड़ना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि पूरी कोहनी को दोबारा स्थिर करना आवश्यक होता है। कृत्रिम रेडियल हेड का उचित आकार निर्धारित करना, कोरॉनोइड के टूटे हिस्से को मजबूती से जोड़ना, स्नायुबंधन का सही तनाव बनाए रखना तथा कोहनी के आसपास मौजूद महत्वपूर्ण नसों की सुरक्षा, सभी प्रक्रियाओं में विशेष सावधानी और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। श्रीराम हेल्थ सेंटर, शहडोल में किया गया यह सफल उपचार इस बात का उदाहरण है कि अब जटिल हड्डी एवं जोड़ संबंधी चोटों का उपचार स्थानीय स्तर पर भी विशेषज्ञता के साथ किया जा सकता है। ऐसी चोटों में समय पर जांच, अनुभवी अस्थि रोग विशेषज्ञ द्वारा उचित शल्य चिकित्सा तथा इसके बाद नियमित व्यायाम एवं भौतिक चिकित्सा से हाथ की गति और कार्यक्षमता को बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सकती है। चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि कोहनी की गंभीर चोट, हड्डी टूटने या कोहनी के अपनी जगह से खिसकने की स्थिति को हल्के में न लें। ऐसी स्थिति में तत्काल विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना जरूरी है, ताकि समय पर सही उपचार शुरू किया जा सके।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर विचार गोष्ठी का हुआ आयोजन

शहडोल (स्वतंत्र मत)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय, सोहागपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं प्रस्तावना विकासखंड समन्वयक प्रिया सिंह बघेल द्वारा प्रस्तुत की गई। उन्होंने मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित कक्षाओं एवं गतिविधियों की जानकारी दी।

इसके बाद परामर्शदाता राहुल द्विवेदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन, विचारों एवं सामाजिक योगदान पर विषय-प्रवर्तन किया। उन्होंने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्म 25 सितंबर 1916 को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के नगला चंद्रभान गांव में हुआ था। वे भारतीय राजनीतिज्ञ एवं दार्शनिक थे तथा भारतीय जनसंघ के प्रमुख संस्थापक नेताओं में शामिल रहे। उन्होंने समाज के उत्थान एवं राष्ट्र निर्माण के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में परामर्शदाता शिवम तिवारी, जयप्रकाश काछी, शतीश तिवारी, राहुल द्विवेदी एवं श्याम बाई सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में परामर्शदाता जयप्रकाश जी द्वारा सभी अतिथियों, परामर्शदाताओं एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का समापन सफलतापूर्वक हुआ।

बलराम कृषि महोत्सव में किसानों की सफलता की कहानियों ने बढ़ाया उत्साह

10 प्रगतिशील किसान और 10 प्रतिभाशाली छात्र हुए सम्मानित

शहडोल (स्वतंत्र मत)

आईटीआई प्रांगण में बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के किसान, जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, फसल विविधीकरण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत और नवाचार से खेती को और बेहतर तथा लाभकारी बनाया जा सकता है। सरकार किसानों को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगातार सहयोग कर रही है। कार्यक्रम में जिले के किसानों ने अपने अनुभव और सफलता की कहानियां भी साझा कीं। ग्राम मझिगवां की बिरमतिया बाई ने अन्न की खेती के अपने अनुभव बताए। उन्होंने बताया कि पारंपरिक खेती के साथ अन्न की खेती को अपनाकर किसान अपनी आय के नए साधन विकसित कर सकते हैं। बुढार तहसील के ग्राम खरला की सोनू चौधरी ने प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने प्राकृतिक तरीके से खेती को अपनाकर इसके लाभों को अनुभव किया है। गोहपारू क्षेत्र के किसान ने हल्दी उत्पादन के साथ उसकी प्रोसेसिंग के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कृषि उपज की प्रोसेसिंग और मूल्य संवर्धन से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त करने के अवसर मिलते हैं। किसानों की इन कहानियों ने कार्यक्रम में मौजूद अन्य किसानों का भी उत्साह बढ़ाया। बलराम कृषि महोत्सव के दौरान कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले जिले के 10 प्रगतिशील किसानों तथा किसानों के परिवारों के 10 प्रतिभाशाली छात्रों को अतिथियों द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित किसानों और छात्रों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। इस अवसर पर अतिथियों ने किसानों और छात्रों को आगे भी बेहतर कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

कमिश्नर ने पेपर रोल प्लेट निर्माण इकाई का किया निरीक्षण

शहडोल (स्वतंत्र मत)। कमिश्नर सुरभि गुप्ता एवं विधायक जयसिंह मरावी ने जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पंचायत पकरिया के ग्राम जल्दी टोला में स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे पेपर रोल प्लेट निर्माण इकाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने स्व सहायता समूह से जुड़ी अनु केवट से पेपर रोल प्लेट निर्माण इकाई के संचालन की गतिविधियों एवं इस कार्य से होने वाले आए के संबंध में जानकारी प्राप्त की। अनु केवट ने बताया कि मैं वर्ष 2018 में स्नेहा स्व सहायता समूह से जुड़ी और वर्ष 2021 में मुझे स्व सहायता समूह के माध्यम से लोन प्राप्त हुआ जिससे मैं पेपर रोल प्लेट थाली दोना निर्माण इकाई स्थापित की धीरे-धीरे अपने व्यवसाय को बढ़ाया और अभी तक मैं स्व. सहायता समूह के माध्यम से 6 लाख रुपए तक का ऋण प्राप्त कर चुकी हूं। उन्होंने बताया कि इस व्यवसाय के माध्यम से मैं पांच महिलाओं को रोजगार भी दे रही हूं और यहां पर बनाए जा रहे दोना पत्तल को शहडोल जिले के केशवाही, बुढार, शहडोल सहित मांगानुसार विक्रय करते हैं जिससे हमें महीने का 20 से 30 हजार रुपए की आय अर्जित हो जाती है। कमिश्नर ने स्व सहायता समूह की अनु केवट से दोना पत्तल में लगने वाले पदार्थ के क्रय करने संबंधी भी जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, संयुक्त आयुक्त विकास मुद्रिका सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दीपक मांडवी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवादल का ध्वजवंदन कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्र मत)। माह के अंतिम रविवार को होने वाले कांग्रेस सेवा दल के ध्वजवंदन कार्यक्रम को परंपरागत रूप से जिला मुख्यालय स्थित गांधी चौक में आयोजित किया गया। कार्यक्रम पूर्व विधायक अजय सिंह जी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। ध्वजवंदन के पश्चात राष्ट्रगान एवं कांग्रेस सेवा दल के ध्येय गीत का गायन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अजय सिंह जी ने सेवा दल के कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा और अनुशासन पर मार्गदर्शन दिया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष संतोष सिंह, उदय प्रताप सिंह, अमृत लाल यादव, मयंक सिंह, निरंजन प्रताप सिंह, शकुंतला धुर्वे, मुकेश सिंह, अशोक गोटिया, राजीव सिंह, विजेंद्र

सिंह, अब्बू, अयाज खान, ओम प्रकाश सोनी, मुन्ना, अफजल शेख, मंगल सिंह, किशोरी लोधी, करण सिंह, राजाराम, शिव शर्मा, पीर मोहम्मद, पहलाद यादव, संदीप यादव, भगवान दास, लोटन पाल, आनंद सिंह, भोला यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत भवन और पक्की सड़क विहीन पटेहरा निवासी अब मुख्यमंत्री और सांसद से कर रहे हैं इनकी मांग..!

मानपुर (स्वतंत्र मत) ।कार्यालय भवन, पक्की सड़क और बड़े पूल निर्माण में आगे रहने वाले भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही सड़क न होने से यदि कोई ग्राम पंचायत घिर चुका हो तो उस पंचायत के विकास और स्वास्थ्य शिक्षा के स्तर का क्या दसा होगा.? जी हां मप्र उमरिया जिला के मानपुर तहसील क्षेत्रांतरगत बड़े आवादी वाला एक पटेहरा नाम का ग्राम पंचायत है द्य यहां आदिवास्यों की बड़ी आवादी है द्य यहां की दसा पिछले वर्षों से बड़ी दयनीय और जटिल है। यहां का ग्राम पंचायत पुराना ग्राम पंचायत भवन दशकों से जर्जर पड़ा है जहां से इस कार्यालय को मंगल भवन में संचालित किया जा रहा है। यहां के बार्डर तक पीएमजीएसवाई के सड़क टच तो कर रहेहैं जो बहुत पहले ही जरजर हो चुके हैं। लखनौटी से कुठिलिया होते हुये पटेहरा और पटेहरा से भड़ारी तक तकरीबन 8 - 9 किमी

लम्बी सड़क इसके अलावा बस्ती के अंदर की तकरीबन 4 - 5 किमी की सड़क पूरी तरह कीचड़ युक्त रहती है, पिछले कई पंचवर्षी पहले इन सड़कों का मरम्मत ग्राम पंचायत द्वारा करवाया गया था वह भी बहपत कम बजट से मुरुम व गिट्टी बोल्डर मुरुम से जो बहुत पहले नष्ट हो चुके हैं। इस समय इन सड़कों में कीचट् के अलावा कहीं ठोस मिट्टी भी नहीं दिखती है। ऐसे हालात में इस क्षेत्र के स्कूली बच्चे, किसान और मरीजों के सांथ क्या गुजरता होगा ? जिस जिटिल समस्या के निवारण के लिये पटेहरा नागरिक अब शाहडोल सांसद और मप्र के मुखिया मुख्यमंत्री जी से गुहार लगाने लगे हैं। अपने कथन में अजय सिंह सरपंच जी का कहना है कि इन सड़कों को बनवाने के लिये हमारे पंचायत में पर्याप्त राषि और कोई ऐसा बजट नहीं है जिससे हम ग्राम पंचायत के नये भवन और यहां के सड़कों का निर्माण क्या मरम्मत भी करवा सकें, यहां के सड़क निर्माण के लिये पंचायत द्वारा लोकनिर्माण विभाग, जनपद और जिला पंचायत को एवं पीएमजीएसवाई को मांगपत्र भेजा जा चुका है पर कार्यवाही जीरो के बराबर है, तब अब हमारे क्षेत्रीय जंता यहां के पंचायती भवन और सड़क बनवाने के लिये शहडोल सांसद एवं मुख्यमंत्री जी से सादर मांग कर रहे हैं।

विश्व हिंदी ओलंपियाड का सफल आयोजन, 82 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया उत्साहपूर्वक हिस्सा

उमरिया (स्वतंत्र मत)

हिंदी भाषा के प्रति विद्यार्थियों में रुचि, जागरूकता एवं भाषाई दक्षता विकसित करने के उद्देश्य से रविवार 27 सितंबर को आईसेक्ट प्रधानमंत्री कौशल केंद्र, क्षेत्रीय कार्यालय उमरिया द्वारा विश्व हिंदी ओलंपियाड का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए हिंदी भाषा के प्रति अपनी प्रतिभा और ज्ञान का प्रदर्शन किया। ओलंपियाड में प्राथमिक स्तर से लेकर कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों के साथ-साथ महाविद्यालयीन विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में 82 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विभिन्न स्तरों के विद्यार्थियों को हिंदी भाषा से जुड़े प्रश्नों के माध्यम से उनकी समझ, सामान्य ज्ञान, अभिव्यक्ति क्षमता एवं भाषाई दक्षता को परखा गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ-साथ उनकी छिपी हुई भाषाई प्रतिभा को पहचानना और उसे आगे बढ़ाने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना रहा। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतिभागियों ने पूरे मनोयोग के साथ प्रश्नों को हल किया और अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान शाखा प्रबंधक अशोक बारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए हिंदी भाषा के बदलते स्वरूप और वर्तमान समय में इसके बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा, तकनीक, संचार और रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। विद्यार्थियों को हिंदी के साथ-साथ आधुनिक तकनीक और बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी भाषाई एवं व्यावहारिक दक्षताओं को भी विकसित करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उनकी प्रतिभा को सामने लाने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में प्रतिभागी विद्यार्थी, उनके अभिभावक तथा आईसेक्ट परिवार के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। आयोजन के सफल संचालन में आईसेक्ट परिवार के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति रुचि और सीखने की भावना को बढ़ावा मिला।

राज्य स्तरीय शालेय हैंडबाल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के अंदर विजय जोशी ने भरा जोश

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय तीन दिवसीय 14 वर्षीय बालक हैंडबाल प्रतियोगिता में रविवार को शुभारंभ मैच के दौरान खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि समाजसेवी विजय कुमार जोशी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर विजय कुमार जोशी ने खिलाड़ियों को अनुशासन एवं खेल भावना के साथ मैदान में उतरने की सीख देते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन करें और पूरे आत्मविश्वास के साथ खेलें। उन्होंने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

स्पोर्ट्स ऑफिसर शेख सलीम ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान हुए मुकाबलों में इंदौर ने उज्जैन को 12-1 से, ग्वालियर ने भोपाल को 15-7 से तथा शहडोल संभाग ने मध्यप्रदेश जनजातीय विभाग की टीम को 14-5 से पराजित किया। वहीं रीवा ने सागर को 11-4 से हराया। एक अन्य मुकाबले में जबलपुर ने इंदौर को 10-1 गोल से शिकस्त दी। समाजसेवी विजय कुमार जोशी ने जिलेवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएं और रोमांचक मुकाबलों का आनंद लें।

राज्य स्तरीय शालेय हैंडबॉल प्रतियोगिता का आज होगा समापन

70वीं राज्य स्तरीय शालेय हैंडबॉल प्रतियोगिता-2026 का समापन समारोह 28 सितंबर को प्रातः 10 बजे अमर शहीद भगत सिंह स्टेडियम उमरिया में आयोजित होगा। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के सभी 10 संभागों के 14 वर्ष आयु वर्ग के बालक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न मुकाबलों के बाद रीवा, शहडोल, ग्वालियर एवं जनजातीय कार्य विभाग मध्यप्रदेश की टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं। 27 सितंबर को सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शहडोल एवं ग्वालियर संभाग की टीमों ने फाइनल में प्रवेश किया। दोनों टीमों के बीच फाइनल मुकाबला 28 सितंबर को प्रातः 10 बजे अमर शहीद भगत सिंह स्टेडियम उमरिया में खेला जाएगा। फाइनल मुकाबले के पश्चात प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित होगा तथा खिलाड़ियों का सम्मान किया जाएगा।

काल के प्रकार और उपभेदः परीक्षा में ऐसे करें पहचान

हिंदी व्याकरण में काल का अर्थ है, क्रिया के होने के समय का बोध। किसी वाक्य में काम कब हुआ, कब हो रहा है या कब होगा, यह काल से पता चलता है। हिंदी में काल के तीन मुख्य भेद हैं, वर्तमान काल, भूतकाल और भविष्यत् काल। इनके अलग-अलग उपभेद भी होते हैं, जिन्हें समझना परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

1 वर्तमान काल

जिस क्रिया से वर्तमान समय में कार्य होने का पता चले, उसे वर्तमान काल कहते हैं। इसके प्रमुख उपभेद हैं-

(क) सामान्य वर्तमान काल - जिससे सामान्य रूप से कार्य करने का बोध हो। उदाहरण, रवि प्रतिदिन विद्यालय जाता है।

(ख) अपूर्ण वर्तमान काल - जिससे पता चले कि कार्य अभी जारी है। उदाहरण, रवि विद्यालय जा रहा है।

(ग) पूर्ण वर्तमान काल - जिससे पता चले कि कार्य अभी-अभी पूरा हुआ है। उदाहरण, रवि विद्यालय जा चुका है।

(घ) संदिग्ध वर्तमान काल - जिससे वर्तमान में कार्य होने के बारे में संदेह प्रकट हो।उदाहरण, रवि विद्यालय गया होगा।

2 भूतकाल

जिस क्रि या से बीते हुए समय में कार्य होने का पता चले, उसे भूतकाल कहते हैं। इसके प्रमुख उपभेद हैं-

(क) सामान्य भूतकाल - कार्य के बीते समय में पूरा होने का बोध। उदाहरण, रवि कल

विद्यालय गया।

(ख) आसन्न भूतकाल - कार्य अभी-अभी समाप्त हुआ हो। उदाहरण, रवि अभी विद्यालय से आया है।

(ग) पूर्ण भूतकाल - भूतकाल में किसी कार्य के पहले ही पूरा हो जाने का बोध। उदाहरण, रवि के आने से पहले मोहन जा चुका था।

(घ) अपूर्ण भूतकाल - भूतकाल में कार्य जारी था। उदाहरण, रवि विद्यालय जा रहा था।

(ङ) संदिग्ध भूतकाल - बीते समय में कार्य होने का अनुमान या संदेह हो। उदाहरण, रवि विद्यालय गया होगा।

(च) हेतुहेतु भूतकाल - भूतकाल में कोई कार्य किसी शर्त के कारण पूरा नहीं हो सका हो। उदाहरण, यदि रवि मेहनत करता, तो वह परीक्षा में सफल होता।

3 भविष्यत काल

जिस क्रिया से आने वाले समय में कार्य होने का पता चले, उसे भविष्यत् काल कहते हैं। इसके प्रमुख उपभेद हैं-

(क) सामान्य भविष्यत् काल - भविष्य में कार्य होने का सामान्य बोध। उदाहरण, रवि कल विद्यालय जाएगा।

(ख) संभाव्य भविष्यत् काल - भविष्य में कार्य होने की संभावना या अनुमान हो। उदाहरण, रवि कल विद्यालय जाए।

(ग) हेतुहेतु भविष्यत् काल - भविष्य में किसी शर्त के पूरा होने पर कार्य होने का बोध। उदाहरण, यदि रवि मेहनत करेगा, तो वह परीक्षा में सफल होगा।

परीक्षा में काल पहचानने की आसान विधि

1 सबसे पहले वाक्य की क्रिया पहचानें और पूछें, कार्य कब हुआ? अभी या सामान्य रूप से तो वर्तमान काल, पहले हो चुका हो तो भूतकाल और आगे होगा तो भविष्यत् काल होगा।

2 इसके बाद यह देखें कि कार्य पूरा है, जारी है, संभावित है या किसी शर्त पर निर्भर है। इससे उपभेद पहचानने में आसानी होगी।

परीक्षा में विशेष ध्यान रखें

- काल पहचानते समय केवल सहायक क्रिया पर निर्भर न रहें।
- पूरे वाक्य का अर्थ समझें।
- काल परिवर्तन करते समय कर्ता और क्रिया के रूप में भी बदलाव करें।
- 'होगा' शब्द देखकर हमेशा भविष्यत् काल न मानें; संदर्भ के अनुसार यह संदिग्ध वर्तमान या भूतकाल का संकेत भी हो सकता है।
- उपभेदों के नाम के साथ एक-एक उदाहरण अवश्य याद करें।

हिंदीः एक भाषा, अनेक संस्कार

हिंदी को केवल शब्दों और व्याकरण की भाषा मानना उसके व्यापक स्वरूप को सीमित करना होगा। हिंदी एक जीवंत भाषा है, जिसमें भारत के अलग-अलग क्षेत्रों का भूगोल, लोकजीवन, संस्कृति और अनुभव दिखाई देते हैं। यही कारण है कि हिंदी एक होते हुए भी अलग-अलग क्षेत्रों में अलग रंग और अंदाज में सुनाई देती है।

आज की हिंदी एक दिन में विकसित नहीं हुई। भारतीय भाषाओं के लंबे विकासक्रम में संस्कृत से प्राकृत, फिर अपभ्रंश और आगे विभिन्न लोकभाषाओं और बोलियों का विकास हुआ। उत्तर भारत में ब्रज, अवधी, बुंदेली, बघेली, भोजपुरी और हरियाणवी जैसे भाषा-रूपों ने अपने-अपने क्षेत्र के जीवन और संस्कृति को अभिव्यक्ति दी। इसलिए हिंदी को समझना केवल मानक हिंदी को समझना नहीं है। इसके पीछे भाषाओं और बोलियों का एक विशाल परिवार मौजूद है। भारत में भाषा की सीमाएं हमेशा स्पष्ट नहीं होतीं। कुछ दूरी पर ही उच्चारण, शब्द और बोलने का तरीका बदल सकता है। ब्रज में प्रेम और भक्ति की मिठास है, अवधी में लोकजीवन और रामकथा की परंपरा है, जबकि बुंदेली और बघेली में क्षेत्रीय जीवन की अपनी खुशबू दिखाई देती है। इन बोलियों में पीढ़ियों का अनुभव, लोकज्ञान और सामाजिक स्मृतियां सुरक्षित हैं। हिंदी की बड़ी विशेषता उसकी ग्रहणशीलता है। संस्कृत, अरबी, फारसी, उर्दू और अंग्रेजी सहित अनेक भाषाओं से आए शब्द हिंदी के दैनिक प्रयोग का हिस्सा बन चुके हैं। हिंदी इन शब्दों को केवल अपनाती ही नहीं, बल्कि उन्हें अपने स्वभाव के अनुसार ढाल भी लेती है। हिंदी का संसार केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। लोकगीत, कहावतें, मुहावरे और लोककथाएं भी इसकी समृद्ध विरासत हैं। समय के साथ हिंदी ने रेडियो, टेलीविजन, समाचार-पत्र, इंटरनेट, सामाजिक मीडिया, ब्लॉग, पॉडकास्ट और वीडियो मंचों तक अपनी जगह बनाई है। हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि अनेक क्षेत्रों, बोलियों, संस्कृतियों और अनुभवों को जोड़ने वाली जीवंत धारा है। हिंदी की खूबसूरती उसकी विविधता में है। वह अनेक संस्कारों को अपने भीतर समेटकर भारतीय समाज की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करती है।

आफरीन खान

शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,
देवताल, गढ़ा, जबलपुर।

संस्कृत में बसती है भारतीय संस्कृति की आत्मा

संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान और संस्कृति की महत्वपूर्ण विरासत है। 'संस्कृत' शब्द का अर्थ परिष्कृत, शुद्ध और संस्कारयुक्त माना जाता है। इसे 'देववाणी' भी कहा जाता है। आधुनिक समय में भले ही दुनिया में अनेक भाषाओं का प्रयोग बढ़ रहा हो, लेकिन भारतीय संस्कृति, साहित्य और ज्ञान-परंपरा को समझने में संस्कृत का विशेष महत्व है।

ज्ञान-विज्ञान का अनमोल खजाना

संस्कृत को केवल पूजा-पाठ की भाषा मानना सही नहीं है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और श्रीमद्भगवद्गीता जैसी महत्वपूर्ण रचनाएं संस्कृत में उपलब्ध हैं। आयुर्वेद, दर्शन, व्याकरण, गणित, खगोल और वास्तु से जुड़े अनेक प्राचीन ग्रंथ भी संस्कृत में लिखे गए। पाणिनि के व्याकरण, आर्यभट के गणित एवं खगोल संबंधी कार्य और चरक-सुश्रुत की चिकित्सा परंपरा भारतीय ज्ञान-विरासत की समृद्धि को दर्शाती है।

संस्कारों और जीवन-मूल्यों की भाषा

भारतीय संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बकम और 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' जैसे विचार मानव कल्याण का संदेश देते हैं। संस्कृत साहित्य में सत्य, अहिंसा, दया, कर्तव्य, परोपकार और प्रकृति के प्रति सम्मान जैसे जीवन-मूल्यों पर विशेष जोर मिलता है। जन्म से लेकर विवाह और अन्य संस्कारों तक अनेक भारतीय परंपराओं में संस्कृत मंत्रों और श्लोकों का प्रयोग आज भी किया जाता है। इससे भाषा का संबंध हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं से बना हुआ है।

भारतीय भाषाओं से गहरा संबंध

हिंदी, मराठी, गुजराती, बंगाली, ओड़िया सहित अनेक भारतीय भाषाओं में संस्कृत के शब्द मिलते हैं। दक्षिण भारतीय भाषाओं में भी संस्कृत से आए अनेक शब्दों का प्रयोग होता है। इस प्रकार संस्कृत ने भारत की भाषाई और सांस्कृतिक परंपरा को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आधुनिक युग में संस्कृत

आज संस्कृत केवल प्राचीन ग्रंथों तक सीमित नहीं है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में इसके अध्ययन-अध्यापन का कार्य जारी है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से संस्कृत के ग्रंथ और अध्ययन सामग्री दुनिया भर के विद्यार्थियों तक पहुंच रही है। भाषा की स्पष्ट व्याकरणिक संरचना के कारण संस्कृत का अध्ययन भाषाविज्ञान और कंप्यूटेशनल भाषा-अध्ययन में भी किया जाता है।

भविष्य के लिए संस्कृत का महत्व

नई पीढ़ी को संस्कृत से जोड़ना केवल पुरानी भाषा को बचाना नहीं, बल्कि अपनी ज्ञान-परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को समझना भी है। संस्कृत के अध्ययन से विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य, दर्शन, इतिहास और जीवन-मूल्यों को समझने का अवसर मिलता है।

अर्चना गुप्ता

प्राचार्य
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,
जोंसगंज, जबलपुर।

रहीम के दोहेः शब्द छोटे, सीख बड़ी

हिंदी साहित्य में रहीम के दोहों का विशेष स्थान है। अब्दुर्रहीम खानखाना, जिन्हें रहीम के नाम से जाना जाता है, अपनी सरल भाषा और गहरी जीवन-दृष्टि के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके दोहे आकार में छोटे हैं, लेकिन उनमें जीवन के बड़े अनुभव और महत्वपूर्ण सीख छिपी है। यही कारण है कि रहीम के दोहे आज भी विद्यार्थियों और समाज के लिए उपयोगी हैं।

प्रेम और संबंधों की सीख
रहीम कहते हैं -
रहिमन धागा प्रेम का,
मत तोड़ो चटकाय।
टूटे से फिर ना जुड़े,
जुड़े गांठ पड़ जाय।।

इस दोहे में रहीम ने प्रेम और रिश्तों की नाजुकता समझाई है। क्रोध या अहंकार में रिश्ते तोड़ना आसान है, लेकिन टूटे रिश्तों को पहले जैसा बनाना कठिन होता है। विद्यार्थियों को भी मित्रों, परिवार और शिक्षकों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना चाहिए।

मीठी वाणी का महत्व- रहीम के अनुसार हमारी वाणी का प्रभाव दूसरों पर पड़ता है। मधुर और विनम्र शब्द लोगों के मन में सम्मान पैदा करते हैं, जबकि कठोर शब्द रिश्तों में दूरी ला सकते हैं। बोलने से पहले शब्दों पर विचार करना जरूरी है।

छोटी चीजों को कम न समझें - रहीम का प्रसिद्ध दोहा है,

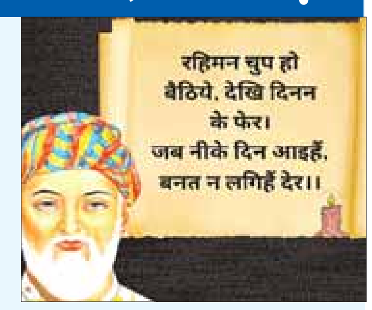

रहिमन देखि बड़ेन को,
लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आवे सुई,
कहा करे तरवारि।।

इसमें वे बताते हैं कि किसी छोटे व्यक्ति या वस्तु को बेकार नहीं समझना चाहिए। हर व्यक्ति और वस्तु की अपनी उपयोगिता होती है। विद्यार्थी इससे दूसरों का सम्मान करना सीख सकते हैं।

धैर्य और समय की सीख- रहीम के दोहे जीवन में धैर्य रखने की प्रेरणा देते हैं। कठिन परिस्थितियों में घबराने के बजाय शांत रहकर प्रयास करते रहना चाहिए। सफलता के लिए मेहनत के साथ धैर्य भी आवश्यक है।

विद्यार्थी जीवन में उपयोगिता- रहीम के दोहे केवल साहित्य की पाठ्य-पुस्तक का हिस्सा नहीं हैं। इनमें मित्रता, विनम्रता, प्रेम, सम्मान, धैर्य और व्यवहार से जुड़े ऐसे संदेश हैं, जिन्हें विद्यार्थी अपने दैनिक जीवन में अपना सकते हैं।

Build Your Vocabulary, Boost Your Confidence

Vocabulary plays an important role in learning English. The more words students know and understand, the easier it becomes to read, write, speak, and understand English. For students of Classes 8–10, a strong vocabulary is useful not only for examinations but also for everyday communication. Instead of simply memorising words, students should understand their meanings and use them in sentences.

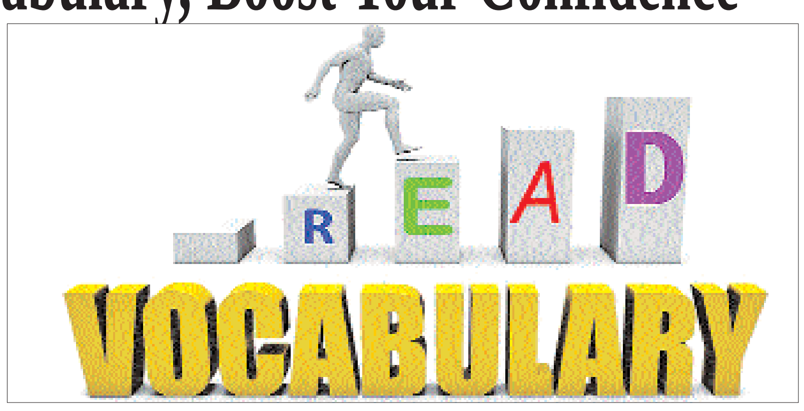

Learn Five New Words Every Day

One of the easiest ways to improve vocabulary is to learn five new words every day. Maintain a small vocabulary notebook and write the word, its meaning, and one example sentence.

Examples:

- Brave — A person who is not afraid to face difficulties.
  He is a brave boy.
- Honest — A person who always tells the truth.
  Ravi is an honest student.
- Improve — To make something better.
  I want to improve my English.
- Useful — Helpful for a particular purpose.
  Books are useful for students.
- Success — Achievement of a desired goal.
  Hard work brings success.

Use New Words in Sentences

Learning only the meaning of a word is not enough. Try to make at least one sentence with every new word. This helps students understand the correct use of the word and remember it for a longer time.

Learn Synonyms and Antonyms

Synonyms are words with similar meanings, while Antonyms are words with opposite meanings.

Examples:

- Happy — Glad — Sad
- Big — Large — Small
- Begin — Start — End
- Easy — Simple — Difficult

Learning related words together makes vocabulary building easier and faster.

Develop a Reading Habit

Read your English textbook, simple stories, children's magazines, newspapers, or age-appropriate articles regularly. Whenever you find a new word, underline it and find its meaning in a dictionary. Then try to use it in your own sentence. Reading also improves spelling, pronunciation, sentence structure, and comprehension.

Learn Through Word Families

Students can learn several words from one root word.

Example:
Help ? Helpful ? Helpless ? Helper
Similarly:
Beauty ? Beautiful ? Beautify

This method helps students increase their vocabulary without having to memorise every word separately.

Make Revision a Daily Habit

Spend at least 10 minutes every day revising vocabulary. At the end of the week, test yourself on the words you have learned. Practise their meanings, spellings, synonyms, antonyms, and sentence formation.

Remember:

Read ? Learn ? Write ? Speak ? Revise

Darpan Conclusion

Building vocabulary is a gradual process. Students do not need to learn hundreds of words at once. Learning a few useful words every day, using them in sentences, reading regularly, and revising them can make a big difference. A strong vocabulary improves not only examination performance but also confidence in speaking and writing English.

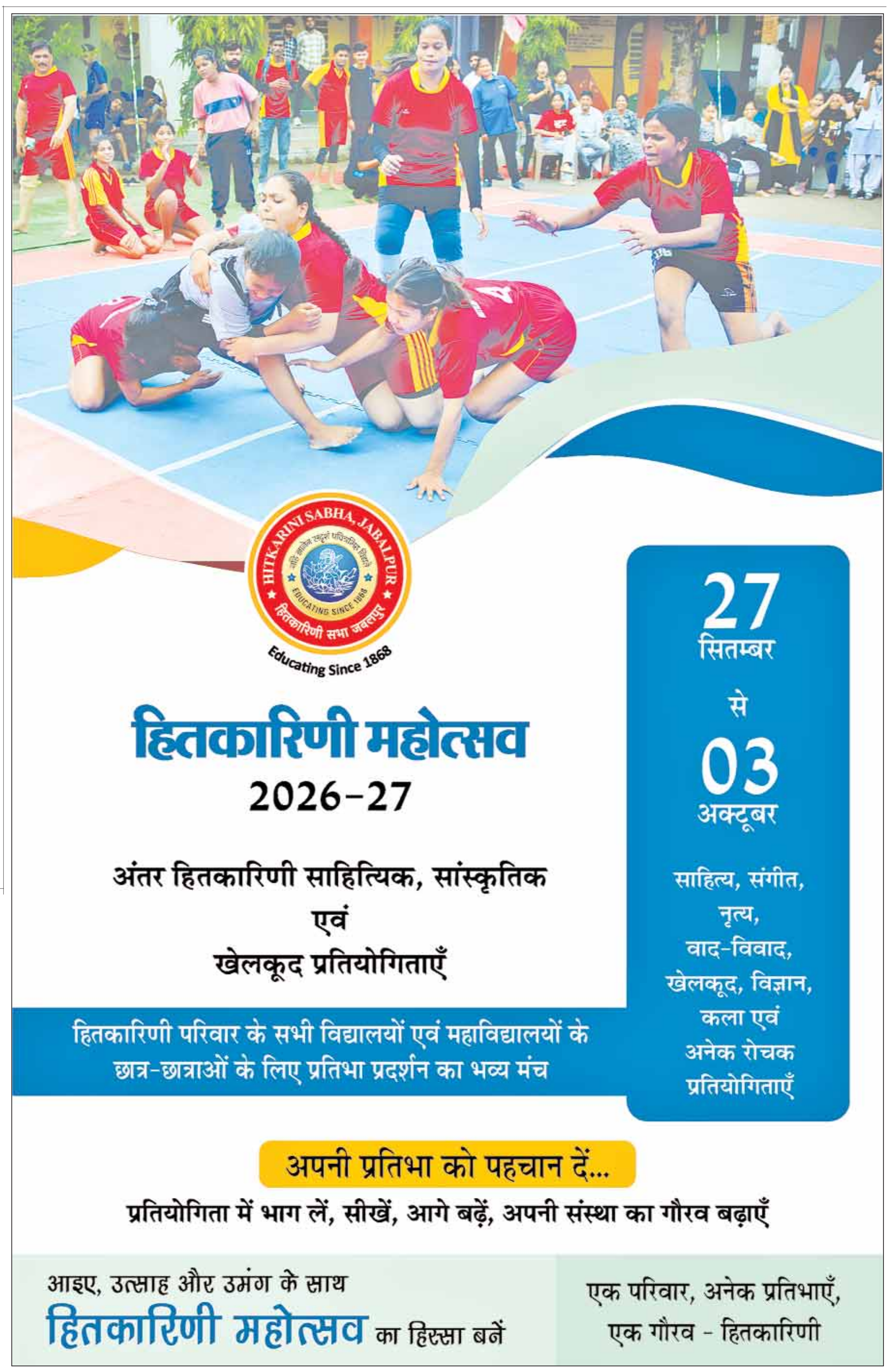

शब्द पहेली - 8988

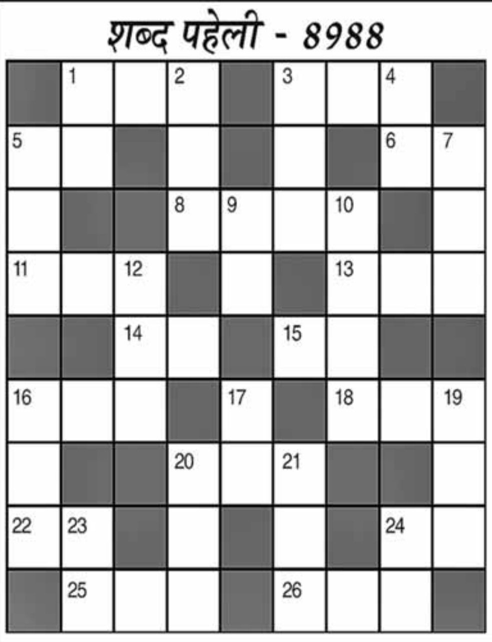

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -8987 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मुख्यमंत्री के नरसिंहपुर दौरे पर जिला कांग्रेस रखेगी जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे

पूर्व घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट, किसानों की समस्याओं और शहर की बदहाल व्यवस्थाओं पर मांगा जाएगा जवाब

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। आगामी 30 सितंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नरसिंहपुर दौरे को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल ने जिले की जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने की तैयारी की है। अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल ने अपनी जारी विज्ञप्ति कहा कि मुख्यमंत्री का दौरा केवल औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित न रहे, बल्कि जिले की वास्तविक समस्याओं और पूर्व में की गई घोषणाओं के धरातलीय क्रियान्वयन पर स्पष्ट जवाब मिले। इसी तरह विज्ञप्ति में जिला कांग्रेस के संगठन प्रभारी दीवान शैलेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री जी से मुलाकात कर पूर्व में की गई घोषणाओं एवं स्वीकृत योजनाओं की प्रगति, बजट, कार्य की वर्तमान स्थिति और पूर्णता की समय-सीमा की जानकारी मांगेगा। इसी क्रम में जिला कांग्रेस के मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता आशीष गुप्ता एवं अजय दुबे ने कहा कि नरसिंहपुर की जनता अब केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि उनके धरातल पर परिणाम देखना चाहती है। मेडिकल, कृषि एवं इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थिति स्पष्ट हो,कांग्रेस नेताओं ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान नरसिंहपुर में मेडिकल कॉलेज, कृषि महाविद्यालय एवं इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना को लेकर वादे किए गए थे। सरकार यह स्पष्ट करे कि इन घोषणाओं की वर्तमान स्थिति क्या है, बजट एवं स्वीकृति कहां तक पहुंची है तथा इन संस्थानों के लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है। जिले के युवाओं को उच्च शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए इन संस्थानों की स्थापना की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

गन्ना किसानों को बोनस और लंबित भुगतान मिले

कांग्रेस ने गन्ना किसानों के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाने की बात कही है। नेताओं ने कहा कि चुनाव के दौरान भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा द्वारा गन्ना किसानों को 50 प्रति क्विंटल बोनस देने की बात कही गई थी। सरकार इस संबंध में अपनी स्थिति स्पष्ट करे और बोनस देने का वादा पूरा करे।

फसल नुकसान पर तत्काल राहत मिले

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिले के अनेक क्षेत्रों में अतिवृष्टि, आंधी-तूफान एवं मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से उड़द, सोयाबीन सहित अन्य फसलों को नुकसान हुआ है। सरकार तत्काल सर्वे कराकर पात्र किसानों को फसल बीमा राशि एवं नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराए। सर्वे और राहत वितरण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं समयबद्ध होनी चाहिए।

सीवर परियोजना से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत हो

नरसिंहपुर शहर में सीवर लाइन परियोजना के कारण अनेक सड़कें एवं गलियां क्षतिग्रस्त हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि सीवर परियोजना से प्रभावित सभी सड़कों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पुनर्निर्माण कराया जाए तथा अधूरे कार्य शीघ्र पूरे किए जाएं। कांग्रेस ने शहर में कचरा उठाव, नालियों की सफाई एवं सार्वजनिक स्वच्छता की स्थिति सुधारने की भी मांग की। उनका कहना है कि नियमित सफाई व्यवस्था सीधे जनस्वास्थ्य से जुड़ी है, इसलिए नगर की स्वच्छता व्यवस्था की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए।

जिला अस्पताल एवं स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की पदस्थापना हो

कांग्रेस ने जिला अस्पताल नरसिंहपुर में स्वीकृत विशेषज्ञ चिकित्सकों के रिक्त पदों को तत्काल भरने तथा प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वीकृत पदों के अनुरूप डॉक्टर एवं आवश्यक स्वास्थ्यकर्मियों की पदस्थापना की मांग की है। ग्रामीण मरीजों को बेहतर उपचार के लिए अनावश्यक रूप से बाहर जाने की स्थिति से राहत मिलनी चाहिए।

घोषणाओं की नहीं, समयबद्ध क्रियान्वयन की जरूरत-आशीष गुप्ता एवं अजय दुबे ने कहा कि कांग्रेस मुख्यमंत्री जी के समक्ष राजनीतिक विरोध के लिए नहीं, बल्कि नरसिंहपुर की जनता की समस्याओं और जनहित के मुद्दों को लेकर अपनी बात रखेगी।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर विकासखंड स्तरीय संगोष्ठी

एकात्म मानव दर्शन, अंत्योदय एवं सामाजिक समरसता के विचारों पर हुआ विमर्श

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर नरसिंहपुर विकासखंड स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन मप्र जन अभियान परिषद के अंतर्गत मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की कक्षा में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्री शिवकुमार रायकवार, मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा, गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गनेश कुमार सोनी, संस्कृत आचार्य श्री शशिकांत मिश्र, श्री पुरुषोत्तम विश्वकर्मा, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, वार्ड एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि तथा सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। मुख्यवक्ता डॉ. गनेश कुमार सोनी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन, संघर्ष एवं संगठनात्मक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय का जीवन सादगी, त्याग, संगठननिष्ठा और राष्ट्रसेवा का उदाहरण है। विशिष्ट अतिथि संस्कृत आचार्य श्री शशिकांत मिश्र ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चिंतन के संदर्भ में चतुष्पुरुषार्थ- धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री पुरुषोत्तम विश्वकर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए पं. दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता श्री अंकित पटेल ने तथा आभार प्रदर्शन परामर्शदाता श्रीमती वृंदा ढीमोली ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर नशामुक्ति एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

सनातन वैदिक अनुष्ठान समापन पर हुई भक्तों के कल्याण की कामना

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में 12 दिवसीय पावन गणेश महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ हुआ। इस अवधि के दौरान प्रतिदिन शास्त्रोक्त मर्यादाओं के अनुरूप सनातन वैदिक अनुष्ठान का विधि-विधान पूर्वक आयोजन चलता रहा।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चि दुःख भाग्भवेत॥

भक्तजनों के सुख, आरोग्य और शांति की मंगलकामना के पवित्र भाव से यह अनुष्ठान आचार्य कृष्णकांत उदेनिया एवं पं विनोद मिश्रा के सान्निध्य में हुआ। आचार्यद्वय ने यजमानों से मंत्रोच्चार के बीच विधिपूर्वक पूजन-अर्चन और आहुतियां संपन्न कराईं।

श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में वैदिक अनुष्ठानों के साथ 12 दिवसीय गणेशोत्सव संपन्न

श्रद्धालुओं को भेंट किए गए अनंत सूत्र

अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर परंपरा का निर्वहन करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को रक्षा एवं समृद्धि के प्रतीक अनंत सूत्र भेंट किए गए। इस दौरान सभी भक्तों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि की प्रार्थना की गई। आयोजन के सहयोगी संस्थान %गणनायक फाउंडेशन% की अध्यक्ष श्रीमती रमा पुरोहित ने धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने के लिए सभी सहयोगियों, आचार्यों एवं श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया।

भ्रष्टाचारी रोजगार सहायक पर 13.58 लाख की निकली रिकवरी ,गाज गिरनी तय

सोहावल जनपद की बाबूपुर पंचायत का मामला ,जांच में हुआ था खुलासा

सतना, स्वतंत्र मत। ग्राम पंचायतों के विकास के लिए सरकार अपनी प्रतिबद्धता दर्शाती है। तमाम योजनाओं के माध्यम से गांवों को अग्रसर करने का भरसक प्रयास होता है । मगर कुछ ऐसे तथाकथित जिम्मेदार पद पर बैठे लोग केवल अपना विकास करना चाहते हैं और तमाम योजनाओं पर पानी फेरते हुए केवल अपनी जेब भरने का काम करते हैं। जिससे सरकार का पैसा तो बर्बाद होता ही है और गांव विकास की बाट जोहते हुए पीछे चला जाता है। कुछ ऐसा ही मामला सतना जिले के सोहावल जनपद की बाबूपुर पंचायत का है जहां चार निर्माण कार्यो को मंजूरी दी गई जिसके चलते कुछ तो ग्राम पंचायत का विकास होगा मगर निर्माण कराना तो दूर कार्यो पर पलीता लगाते हुए बड़ा भ्रष्टाचार कर दिया गया है और निर्माण की राशि को हजम कर लिया गया जो जन जन में चर्चा का विषय बना हुआ है और यह कारनामा यहां के रोजगार सहायक जीआरएस अनिल दुबे ने बड़े ही शातिराना अंदाज में कर दिखाया। और मामला उजागर होने पर इन्ही रोजगार सहायक पर 13.58 लाख की रिकवरी निकाली गई है। चूंकि अब मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंच गया है। माना जा रहा है कि इस जीआरएस पर गाज गिरनी तय है। नवागत सीईओ सपना त्रिपाठी जिला पेचायत सतना से उमीद की गई है इस मामले में सत्य कार्यवाही शुरू की जाये और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाये।

वसूली का प्रस्ताव- बताया गया कि सोहावल जनपद की बाबूपुर पंचायत में चार निर्माण कार्यों में हुए भ्रष्टाचार पर जनपद सीईओ ने मामले को संज्ञान में लेते हुए वसूली प्रस्ताव अपने उच्चअधिकारियों को भेजा है। और इसी वसूली प्रस्ताव पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जीआरएस को जवाब के साथ तलब किया है। और प्रस्तुत होकर समाधान कारक जवाब नहीं देने पर नियमों के तहत कार्यवाही की जाएगी।

जांच में सहयोग नहीं कर रहा जीआरएस- जनपद सीईओ ने रिकवरी प्रस्ताव में जीआरएस अनिल दुबे पर जांचा में सहयोग नहीं करने का भी आरोप लगाया है साथ ही संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने और पंचायत सचिव जय ड्क्षसह को प्रभार नहीं सौंपने व जनपद स्तरर पर जारी नोटिसों का भी जवाब नहीं देने का आरोप लगाया है। ऐसे में जीआरएस की मनमानी भी सामने आ रही है।

जुलाई 2017 से दिसंबर 2022 तक था वित्तीय प्रभार- जनपद सीईओ ने अपने वसूली प्रस्ताव में स्पष्ट किया है कि बाबूपुर पंचायत के जीआरएस अनिल दुबे के पास जुलाई 2017 से दिसंबर 2022 तक पंचायत सचिव का वित्तीय प्रभार था। इसी दौरान रोजगार सहायक ने अपने अधिकारों का दुरूपयोग करते हुए चार निर्माण कार्यो में 13 लाख 58 हजार रूपए की वित्तीय अनियमितता की। उक्त शिकायत मिलने पर जनपद सीईओ ने उपयंत्री रमेश सिंह से जांच कराई और ऑनलाइन रिपोर्ट और भौतिक सत्यापन के आधार पर रोजगार सहायक अनिल दुबे को दोषी पाते हुए रिकवरी प्रस्तावित की गई। जिसे गंभीरता से लेते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सीईओ ने जवाब प्रस्तुत करने तलब किया है इस संबंध में जिला सीईओ संजना जैन का कहना है कि यह घोर लापरवाही व अनियमितता है। रिकवरी प्रस्ताव के अधार पर रोजगार सहायक को समाधान कारक जवाब के साथ उपस्थित होने का नोटिस जारी किया गया हैएउचित जवाब नहीं देने पर नियमों के तहत कार्यवाही की जाएगी।

पितृपक्ष पर पितरों को किया जा रहा तर्पण

पितृपक्ष में तर्पण और श्राद्ध का विशेष महत्व

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। अपने दिवंगत पितरों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्तछ करने के लिए पितृपक्ष के दौरान तर्पण, श्राद्ध एवं पिंडदान किए जाते हैं। इसी धार्मिक परंपरा के तहत गाडरवारा मे भी पितृपक्ष के अवसर पर पितरों को तर्पण देने का क्रम जारी है । गाडरवारा के छिड़ाव घाट पर श्रद्धालुओं ने पहुंचकर विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक अपने पितरों को जल अर्पित किया। इस अवसर पर पंडित महेंद्र भार्गव के मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ तर्पण की शुरुआत कराई । श्रद्धालुओं ने पवित्र जल में खड़े होकर अपने पितरों का स्मरण किया तथा उनकी आत्मिक शांति एवं सद्गति के लिए प्रार्थना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृपक्ष वह विशेष

अवधि है, जब परिवार के लोग अपने दिवंगत पूर्वजों का स्मरण कर उनके निमित्त तर्पण, श्राद्ध और दान-पुण्य करते हैं। माना जाता है कि इन दिनों पितरों के प्रति श्रद्धा से किए गए धार्मिक कर्मों का विशेष महत्व होता है। यही कारण है कि पितृपक्ष शुरू होते ही बड़ी संख्या में लोग नदी, घाट और तीर्थ स्थलों पर पहुंचकर तर्पण करते हैं। छिड़ाव घाट पर भी सुबह से श्रद्धालुओं की आवाजाही देखने को मिल रही है। लोगों ने स्नान एवं अन्य धार्मिक प्रक्रियाओं के बाद कुश, तिल और जल के माध्यम से पितरों को तर्पण अर्पित किया। मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने अपने परिवार के दिवंगत सदस्यों एवं पूर्वजों को याद करते हुए उनकी शांति के लिए प्रार्थना की। पितृपक्ष के दौरान श्रद्धालु अपनी परंपरा और सामर्थ्य के अनुसार पितरों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, ब्राह्मण भोज एवं दान-पुण्य करते हैं। जिन तिथियों में परिवार के किसी सदस्य का निधन हुआ हो, उस तिथि पर विशेष श्राद्ध करने की परंपरा भी है। वहीं जिन लोगों को अपने पितरों की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं होती, उनके लिए सर्वपितृ अमावस्या का विशेष महत्व माना जाता है। छिड़ाव घाट पर पितृपक्ष के प्रारंभ के साथ ही तर्पण का यह धार्मिक क्रम शुरू हो गया है।

पितृपक्ष केवल धार्मिक अनुष्ठान का अवसर ही नहीं, बल्कि परिवार की पिछली पीढ़ियों को याद करने और उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का भी समय माना जाता है। इस दौरान लोग अपने पूर्वजों को स्मरण करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और मंगल की कामना करते हैं।गाडरवारा के छिड़ाव घाट पर पितृपक्ष पर इसी आस्था और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिल रहा है । मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं द्वारा पितरों को अर्पित किया गया जल वातावरण में धार्मिक भाव और श्रद्धा को दर्शाता रहा।

सनातन धर्मशाला में चतुर्थ मासिक महाआरती संपन्न

सतना, स्वतंत्र मत। सतना जिले की सनातन धर्मशाला में चतुर्थ को परम पूज्य गुरुदेव शक्तिपुत्र महाराज के आशीर्वाद से मासिक महाआरती का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माता एवं गुरुवर के साथ शंखध्वनि से किया गया। इसके पश्चात श्री दुर्गा चालीसा पाठ तथा माँ एवं गुरुवर की आरती संपन्न हुई। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी दुर्गेश गर्ग द्वारा साधना क्रम एवं साधना पद्धति के संबंध में उपस्थित साधकों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर सागर संभाग के संभागीय संगठन मंत्री राकेश तिवारी ने परम पूज्य गुरुवरकी विचारधारा को रखते हुए कहा कि हमें धर्म रक्षाए मानवता की सेवा एवं राष्ट्र रक्षा के लिए स्वयं आगे बढ़कर कार्य करना होगा। उन्होंने

आगामी 19,20 एवं 21 अक्टूबर को आयोजित होने वाले शक्ति चेतना जनजागरण शिविर की जानकारी देते हुए सभी साधकों एवं श्रद्धालुओं को शिविर में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। राकेश तिवारी ने अपने जीवन में घटित सड़क दुर्घटना का अनुभव साझा करते हुए बताया कि गुरुदेव की कृपा से वे एक बड़ी दुर्घटना से सुरक्षित बच गए। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के समय उनके गले में रक्षाकवच धारण किया हुआ था। फोर व्हीलर वाहन द्वारा टक्कर मारे जाने के बावजूद बड़ी दुर्घटना होने से बच गई और उन्हें जीवनदान प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने गुरु एवं अपने इष्ट पर सदैव विश्वास रखना चाहिए। गुरु की कृपा से बड़ी से बड़ी समस्या भी छोटी होकर निकल जाती है।

सर्किट हाउस में सांसद ने ली बैठक, शहर के गड्ढों की तस्वीरें दिखाकर अधिकारियों को कराया अवगत

सतना, स्वतंत्र मत। सर्किट हाउस में सांसद गणेश सिंह ने अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। इस दौरान उन्होंने शहर की जर्जर सड़कों और गड्ढों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। बताया जा रहा है कि सांसद ने खुद शहर के विभिन्न वार्डों और मुख्य मार्गों की गड्ढों वाली तस्वीरें अधिकारियों को दिखाई और जमीनी हकीकत से अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द सड़कों की मरम्मत और पैचवर्क कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

केशरवानी वैश्य समाज के प्रदेशाध्यक्ष शुभम गुप्ता नियुक्त

सतना, स्वतंत्र मत। केसरवानी वैश्य प्रादेशिक सभा मध्यप्रदेश के द्वारा

सर्वसम्मति से युवा समाजसेवी शुभम गुप्ता अमरपाटन को युवा इकाई का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया । उनकी इस नियुक्ति पर समाज के लोगों ने एवं युवा साथियों ने मित्र मंडली ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की और हर्ष व्यक्त किया । शुभम गुप्ता ने सागरचंद गुप्ता, गंगा प्रसाद प्रदेश अध्यक्ष ,रावेंद्र गुप्ता ,धर्मदास गुप्ता ओमप्रकाश गुप्ता, मिथलेश गुप्ता ,प्रदेश महामंत्री रामलखन गुप्ता,मुन्नालाल गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता ,रामसुज़ान ,लालमणि गुप्ता ,राजेंद्र गुप्ता पतौरा, सचिन गुप्ता ,बनारसी लाल गुप्ता ,केदार गुप्ता के साथ वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का सातवां पड़ाव रामपुर बघेलान विकासखण्ड में

जनसुनवाई में 71 आवेदनों की हुई सुनवाई, सीएम हेल्पलाइन के लंबित 6101 प्रकरणों का निराकरण

सतना, स्वतंत्र मत। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत सातवां कार्यक्रम शनिवार को रामपुर बघेलान जनपद पंचायत के सभागार में जन संवाद, जनसुनवाई, उद्योग संवाद की गतिविधियों के साथ आयोजित किया गया। इस मौके पर प्रत्यक्ष जनसुनवाई में 71 आवेदकों की समस्यायें सुनी गई तथा विकासखण्ड में पूर्व की लंबित 8159 कुल सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में से 6101 शिकायतों का मौके पर निराकरण किया गया। इसके पूर्व जिला मुख्यालय सतना के कलेक्ट्रेट परिसर से कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, डीएफ्ओ मयंक चांदीवाल, अपर कलेक्टर विकास सिंह सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी एक वाहन (ट्रेवलर) में बैठकर रामपुर बघेलान के लिए रवाना हुए। रामपुर बघेलान पहुंचकर जनपद पंचायत के सभाकक्ष में कलेक्टर, एसपी और डीएफ्ओ सहित विभाग प्रमुख अधिकारियों ने अपने विभाग से संबंधित सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया तथा स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई में आये लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कार्यक्रम में विधायक रामपुर बघेलान श्री विक्रम सिंह, जनपद अध्यक्ष रावेन्द्र सिंह, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल सिंह सहित एसडीएम संदीप श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते, एसडीओपी श्री दीक्षित, टीआई संदीप चतुर्वेदी, सीएमएचओ डॉ. मनोज शुक्ला, एलडीएम गौतम शर्मा, परियोजना अधिकारी जिला पंचायत गौरव शर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत रामपुर बघेलान के

कार्यक्रम में कलेक्टर ने हितग्राही मूलक स्वरोजगार और रोजगार की योजनाओं की विभागीय अधिकारी तथा बैंकर्स के साथ संपन्न हुई बीएलबीसी बैठक के निर्णयों की समीक्षा की। विभागों को लक्ष्यानुसार प्रकरणों में ऋण स्वीकृत और वितरण की कार्यवाही करने के निर्देश दिये। एलडीएम गौतम शर्मा ने बताया कि उद्यम संवाद के दौरान रामपुर बघेलान क्षेत्र में 15 नये बैंक कियोस्क स्थापित करने की सहमति बनी है। जिला उद्योग केन्द्र के मैनेजर आरएल पाण्डेय ने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के क्रम में सेमरा-वीदा गांव में 10 हेक्टेयर भूमि का चिन्हांकन किया गया है। मुख्यमंत्री उद्यम योजना में 18 हितग्रहियों को लाभांवित किया गया है। उद्यम संवाद के उपरांत कलेक्टर ने विभाग प्रमुख अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण के लिए भेजकर अधीनस्थ संस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि निरीक्षण के दौरान वस्तु स्थिति और पाई गई कमियों के बारे में संबंधित विभागीय अधिकारी अपना प्रतिवेदन सोमवार की दोपहर तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। अभियान के दौरान सभी विभागों ने उनके यहां लंबित सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का मौके पर संतुष्टिपूर्ण निराकरण की कार्यवाही की। जनसुनवाई में 71 आवेदकों की समस्यायें सुनी गई और 6101 सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों द्वारा किया गया। शिविर के पूर्व विकासखण्ड रामपुर बघेलान में सभी विभागों की कुल 8159 सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें लंबित थी। जिनमें 6101 शिकायतों की मौके पर निराकरण के पश्चात 2058 शिकायतें शेष रही है। सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में रामुपर बघेलान तहसील का प्रदेश स्तर पर 22वां स्थान रहा है।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन परियोजना कार्यो का किया निरीक्षण-मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत रामपुर तहसील कार्यालय के सभागार में आयोजित शिविर के उपरांत विधायक श्री विक्रम सिंह के साथ कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने संबंधित अधिकारियों के साथ निर्माणाधीन सर्किट हाउस, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के 100 बिस्तरीय अस्पताल के निर्माणाधीन कार्यों और सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण किया। इस मौके पर जनपद अध्यक्ष श्री रावेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, डीएफ्ओ मयंक चांदीवाल, अपर कलेक्टर विकास सिंह सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने अधीनस्थ संस्थाओं का किया निरीक्षण-मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत रामपुर बघेलान में जिला अधिकारियों ने अपनी अपनी अधीनस्थ संस्थाओं का निरीक्षण किया।इसी क्रम में जिला प्रबंधक लोकसेवा ॠुराज मिश्रा ने लोक सेवा केंद्र रामपुर बघेलान का निरीक्षण किया। इसी प्रकार सहायक संचालक श्याम किशोर द्विवेदी और सीडीपीओ श्वेता जुनेजा ने आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 14 रामपुर बघेलान का निरीक्षण किया।

मंडला में नकली कीटनाशक और कृषि रसायनों का बढ़ता कारोबार, किसान परेशान, नौ सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

किसानों की विभिन्न समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग को लेकर कुर्मी समाज विकास संगठन द्वारा मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने किसानों की वर्तमान समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शासन-प्रशासन से त्वरित कार्यवाही मांग की है। ज्ञापन में विशेष रूप से धान की खड़ी फसल में कीट प्रकोप से हो रहे नुकसान का सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की मांग प्रमुखता से रखी गई है। संगठन ने ज्ञापन में बताया कि जिले में धान की खड़ी फसल में कीट प्रकोप की समस्या उत्पन्न हो गई है। इसके कारण धान की फसल पीली पड़कर पूरी तरह सूख रही है। किसानों को फसल उत्पादन में भारी नुकसान की आशंका है। संगठन ने मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में धान की फसल का संयुक्त रूप से सर्वे कराया जाए तथा नुकसान के आधार पर किसानों को उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। ज्ञापन में धान के समर्थन मूल्य को लेकर भी मांग उठाई गई है। संगठन ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी धान का समर्थन मूल्य 3500 रुपये प्रति क्विंटल किया जाए ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके। साथ ही मांग की गई कि भावांतर योजना को बंद कर समर्थन मूल्य पर ही धान की खरीदी की जाए। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने के लिए कृषि यंत्रों पर अनुदान का कोटा बढ़ाने की मांग भी ज्ञापन में की गई है। इसी क्रम में क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत कराने की मांग की गई है। संगठन ने कृषि कार्यों में उपयोग होने वाले सभी यंत्रों रासायनिक दवाइयों और बीजों पर जीएसटी की दर न्यूनतम करने की मांग भी रखी है ताकि खेती की बढ़ती लागत को कम किया जा सके। ज्ञापन में दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन देने की मांग भी शामिल है। संगठन ने कहा कि पशुपालन और दुग्ध उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है इसलिए इसे बढ़ावा देने के लिए शासन स्तर से आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। वहीं जिले में खरीफ सीजन के दौरान किसानों द्वारा कीटनाशक खरपतवारनाशक और अन्य कृषि रसायनों की खरीद बढ़ गई है। इसी बीच नकली कृषि रसायनों की बिक्री को लेकर चिंता सामने आई है। किसानों का आरोप है कि कुछ स्थानों पर नामी कंपनियों के उत्पादों के नाम और पैकिंग का इस्तेमाल कर नकली अथवा घटिया कृषि रसायन बाजार में खपाए जा रहे हैं। यदि इन आरोपों की पुष्टि होती है तो इसका सीधा असर किसानों की फसलों की लागत उत्पादन और आय पर पड़ सकता है। एक किसान ने बताया कि प्रमाणित कंपनी की 500 ग्राम की कीटनाशक बोतल की कीमत करीब 310 रुपये होती है जबकि इसी तरह के उत्पाद को कथित तौर पर करीब 280 रुपये में उपलब्ध कराने की बात कही जाती है। किसान को कम कीमत का लालच देकर उत्पाद खरीदने के लिए प्रेरित किया जाता है। घटिया अथवा नकली कृषि रसायन की 500 ग्राम बोतल को किसानों को करीब 300 रुपये में बेचने पर विक्रेता को लगभग 120 से 150 रुपये तक का लाभ होने की बात सामने आई है कृषि रसायनों के मामले में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सामान्य किसान के लिए असली और नकली उत्पाद की पहचान करना आसान नहीं होता। पैकिंग पर कंपनी का नाम लेबल और अन्य विवरण होने के कारण किसान इसे वास्तविक उत्पाद समझ सकता है।

किसानों का कहना है कि फसल में कीट अथवा बीमारी दिखाई देने पर वे तत्काल कीटनाशक खरीदते हैं। ऐसे समय में दुकानदार द्वारा बताए गए उत्पाद पर ही उन्हें भरोसा करना पड़ता है। यदि उत्पाद नकली या मानक से कम गुणवत्ता वाला निकलता है तो उसका असर फसल पर दिखाई देने तक काफी देर हो चुकी होती है। एक बार खेत में छिड़काव होने के बाद यह पता लगाना भी कठिन हो जाता है कि नुकसान फसल की स्थिति मौसम कीट प्रकोप या इस्तेमाल किए गए रसायन की गुणवत्ता के कारण हुआ है। जानकारों के अनुसार कृषि रसायनों की गुणवत्ता की जांच के लिए अधिकृत व्यवस्था मौजूद है। किसी उत्पाद के संदिग्ध होने की स्थिति में उसका नमूना लेकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत परीक्षण कराया जा सकता है। प्रयोगशाला जांच में उत्पाद के सक्रिय तत्व मात्रा और निर्धारित गुणवत्ता मानकों की स्थिति स्पष्ट हो सकती है रिपोर्ट में यह भी सवाल उठाया गया है कि कृषि रसायनों और बीजों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार विभागीय अमले द्वारा नियमित रूप से नमूने लिए जाने और उनकी जांच की व्यवस्था कितनी प्रभावी है। यदि मंडला जिले के बाजार में नकली अथवा घटिया कृषि रसायनों की शिकायतें सामने आ रही हैं तो कृषि विभाग को संबंधित दुकानों और विक्रेताओं की जांच के साथ संदिग्ध उत्पादों के नमूने लेने की आवश्यकता है। विशेष रूप से खरीफ सीजन में धान सहित अन्य फसलों में कीट एवं रोग नियंत्रण के लिए किसान बड़ी मात्रा में कृषि रसायनों का उपयोग करते हैं। ऐसे में बाजार में बिकने वाले उत्पादों की गुणवत्ता की निगरानी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

असिस्टेंट प्रोफेसर बने भास्कर कुलस्ते

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)। कहते हैं अगर इरादों में दम हो तो अभाव भी आशीर्वाद बन जाते हैं। इस कहावत को सच कर दिखाया है मंडला जिले के अत्यंत पिछड़े गांव हर्राटुकुर भावल के लाल भास्कर कुलस्ते ने अत्यंत पिछड़े परिवार में जन्मे भास्कर के पिता सालिक राम पेशे से एक शिक्षक हैं और माता एक गृहणी हैं जिन पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी ऐसे माहौल में जहां बच्चों को पढ़ाई छुड़वाकर जल्दी मजदूरी में लगा दिया जाता है वहां भास्कर की आंखों में शिक्षा से अपनी तकदीर बदलने का सपना पल रहा था भास्कर की प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही सरकारी स्कूल में टूटी-फूटी छत के नीचे हुई विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने पढ़ाई नहीं छोड़ी मेहनत रंग लाई और उनका चयन नवोदय विद्यालय में हो गया जहां से उनके भविष्य को नई दिशा मिली। कॉलेज की पढ़ाई के लिए जब वे शहर आए तो आर्थिक तंगी आड़े आई लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और ट्यूशन पढ़ाकर अपनी फीस और खर्च निकाला। उन्होंने समाजशास्त्र विषय में एमए में गोल्ड मेडल हासिल किया और कठिन एमपीपीएससी की परीक्षा भी पास की असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का सफर कांटों भरा था। और जब मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने समाजशास्त्र विषय का अंतिम परिणाम घोषित किया तो भास्कर का नाम सूची में देखकर पूरे गांव की आंखें खुशी से भर आईं।

सोनम सिंगौर चित्रकला में प्रथम

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर चल रहे मेरे सपनों का भारत अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में ग्राम सर्री निवासी शिक्षक राजेश सिंगौर की सुपुत्री एवं अपोलो इंटरनेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल जहरमऊ की कक्षा 7वीं की छात्रा सोनम सिंगौर ने कनिष्ठ वर्ग में अपनी अद्भुत प्रतिभा एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय सहित ग्राम सर्री का नाम गौरवान्वित किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, डॉ. संजय कुशराम एवं श्रीमती मुन्नी वरकड़े द्वारा सोनम सिंगौर को सम्मानित किया गया। सोनम की इस शानदार सफलता पर अपोलो इंटरनेशनल के प्राचार्य शिक्षकगण एवं ग्रामवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सोनम को बधाई दीं।

नम आंखों से दी बप्पा को विदाई

मण्डला/अंजनियां(स्वतंत्रमत)। अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर अंजनियां में गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। घर प्रतिष्ठान व सार्वजनिक पंडालों में विराजे गणपति बप्पा को श्रद्धालुओं ने नम आंखों से विदाई दी। आकर्षक साज-सज्जा के साथ वाहनों में गणपति प्रतिमाएं रखकर श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और बैंड की धुन पर विसर्जन चल समारोह निकाला गया। धर्मप्रेमी गायत्री मंदिर बड़े तालाब और झिगराघाट स्थित सुरपन नदी पहुंचे। इस दौरान गणपति अपने गांव चले कैसे हमको कैसे चैन पड़े जयकारे गूंजते रहे। विसर्जन स्थल पर आरती और पूजन के बाद विधि-विधान से प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थानीय प्रशासन भी विसर्जन स्थल पर मौजूद रहा। बिछिया से लगे करीब 40 गांवों में गणेशोत्सव के दौरान घरों पंडालों और प्रतिष्ठानों में गणपति प्रतिमाओं की स्थापना की गई थी। दस दिनों तक विधि विधान से गणपति बब्बा की पूजा-अर्चना के बाद अनंत चतुर्दशी के अवसर पर बारिश के बावजूद भी श्रद्धालुओं ने विसर्जन चल समारोह निकालकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया वहीं शनिवार को भी कई स्थानों पर विसर्जन का सिलसिला जारी रहा।

मवेशियों की अवैध तस्करी, 9 गिरफ्तार

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)।

अवैध एवं क्रूरतापूर्वक मवेशियों के परिवहन के खिलाफ बिछिया पुलिस ने देर रात बड़ी कार्यवाही करते हुए पांच पिकअप वाहनों से कुल 15 मवेशियों को बरामद किया है। पुलिस ने मवेशियों और वाहनों समेत करीब 36 लाख 35 हजार रुपए का मशरूका जब्त किया है मामले में छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के रहने वाले कुल नौ आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की गई है पुलिस के अनुसार यह कार्यवाही शनिवार की दरमियानी रात नियमित गश्त और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई पुलिस टीम ने नेशनल हाईवे पर सघन वाहन चेकिंग शुरू की इसी दौरान अलग-अलग पिकअप वाहनों को संदेह के आधार पर रोककर उनकी जांच की गई जांच में पांच वाहनों में मवेशियों का अवैध एवं क्रूरतापूर्वक परिवहन किया जाना सामने आया इसके बाद पुलिस ने सभी वाहनों को कब्जे में लेकर उनमें लदे 15 मवेशियों को सुरक्षित बरामद किया कार्यवाही पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के निर्देशन में एसडीओपी बिछिया सौरव तिवारी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी बिछिया रंजीत सिंह सैयाम के नेतृत्व में की गई पुलिस ने मामले में मुकेश ओंगरे 23, शाहिक पार्ते 20, अरविन्द डेहरिया 25, महेन्द्र पार्ते 18, होरीलाल 36, विजयकुमार पार्ते 21, चन्द्रभान देवाकर 23, सुनील कुमार जोगी 19 और अमर खुंते 21 वर्ष के विरुद्ध थाना बिछिया में अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस के मुताबिक सभी आरोपी छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के निवासी हैं प्रकरण में पशुक्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(घ), मध्यप्रदेश कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6 एवं 10 तथा संबंधित वाहनों के संबंध में मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66/196 के तहत कार्यवाही की गई है पुलिस द्वारा बरामद किए गए सभी 15 मवेशियों को सुरक्षित रूप से कांजीहाउस बिछिया में रखवाया गया है। इस कार्यवाही में सउनि कलीराम उइके, प्रधान आरक्षक अनिल मर्सकोले, प्रधान आरक्षक जितेन्द्र, प्रधान आरक्षक देवराज वाडिवा, प्रधान आरक्षक विवेक दुबे, आरक्षक अमृत मेरावी, आरक्षक नीरज मिश्रा एवं एसएसयू बल की भूमिका रही।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम सम्पन्न

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत मध्यप्रदेश में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विकासखण्ड के सभी आंगनवाड़ी केंद्रो में कार्यक्रम हुए विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम की शुरुआत हुई पहले दिन आंगनबाड़ी केन्द्रों में पौधरोपण किए गए। वहीं बच्चों के लिए खेल कहानी चित्रकला एवं सफाई के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए कार्यक्रम में 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों की माताओं गर्भवती एवं धात्री माताओं से संवाद कर प्रधानमंत्री का संदेश का वाचन किया गया बच्चों व महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर फल एवं मिठाई का वितरण किया गया आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आशा बहनों का सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री के पत्र का वाचन क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य शिव पुषाम द्वारा किया गया बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आंगनबाड़ी को जनसहभागिता और सम्मान का केन्द्र बना रहे हैं इसी दौरान सुपरवाइजर संगीता मरावी द्वारा उपस्थित मातृ शक्तियों एवं बच्चों एवं ग्रामीणों को सरल भाषा मे योजनाओं की जानकारी दी गई।

अग्रवाल महिला मंडल का कार्यक्रम आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

अग्रवाल महिला मंडल ने श्रीकृष्ण लीला कार्यक्रम का आयोजन किया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर उनकी बाल लीलाओं प्रेम करुणा धर्म तथा अधर्म पर विजय की कथा पर कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति दी।कार्यक्रम की शुरुआत देवकी विवाह और श्रीकृष्ण जन्म की प्रस्तुति से हुई।

इसके बाद पूतना वध, बाल कृष्ण-शिव मिलन और नटखट बाल लीला का सुंदर मंचन किया गया श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के माध्यम से भक्ति के साथ-साथ उनके दिव्य स्वरूप और बाल सुलभ चंचलता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। विभिन्न नृत्य प्रस्तुतियों ने आयोजन में सांस्कृतिक रंग भर दिया अंतिम चरण में मौसल लीला की प्रस्तुति के साथ श्रीकृष्ण की लीलाओं की श्रृंखला का भावपूर्ण समापन हुआ। इस दौरान अग्रवाल समाज महिला मंडल की पदाधिकारी सदस्य एवं सामाजिक महिलाएं मुख्य रूप से उपस्थित रही।

विद्युत विभाग के अधिकारियों की मनमानी से कृषक परेशान

स्मार्ट मीटरों की रीडिंग की जांच की मांग

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। विद्युत विभाग द्वारा कृषि पंप कनेक्शनों पर लगाए गए स्मार्ट मीटरों को लेकर क्षेत्र के कृषकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। कृषकों ने जेई रीतेश कुमार वनवारी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए स्मार्ट मीटरों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। कृषकों द्वारा बताया जा रहा है कि खेत में मोटर पंप नहीं लगे होने के बाद भी 500 से 1500 यूनिट की खपत स्मार्ट मीटर रीडिंग बता रहा है जिसके बिल कृषकों भूगतान करने दिया गया है। जिसकी जांच करने जेई से शिकायत दर्ज कराई गई परंतु जांच करने के बजाय जेई द्वारा समाधान न निकालते कृषकों को मीटर कनेक्शन काटने की धमकी दे रहे है। कृषकों के अनुसार मीटर लगाते समय तत्कालीन रीडिंग की जानकारी कृषकों को नहीं दी गई। कृषकों का एक और आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के दौरान पुराने/तत्कालीन मीटर की रीडिंग उन्हें मौके पर नहीं बताई गई और न ही रीडिंग का कोई प्रमाण उपलब्ध कराया गया। इससे पुरानी एवं नई रीडिंग के मिलान को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्पष्ट जानकारी जेई के द्वारा नहीं दी जा रही है।

स्मार्ट मीटरों की जांच और रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की मांग-कृषकों ने मांग की है कि संबंधित कृषि कनेक्शनों के स्मार्ट मीटरों की तकनीकी जांच कराई जाए तथा मीटर लगाने के समय की प्रारंभिक रीडिंग, वर्तमान रीडिंग और बिलिंग रिकॉर्ड का मिलान कराया जाए। कृषकों का कहना है कि जांच निष्पक्ष एजेंसी अथवा वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में हो, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके । जिसका नियमित भुगतान कृषकों द्वारा किया जा सके।

मुख्यमंत्री द्वारा जारी अटल किसान ज्योति योजना के लाभ से किसान वंचित-अटल किसान ज्योति योजना एवं फ्लैट रेट से किसानों वंचित कर वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा मनमानी करते हुए टेरिफ की श्रेणी बदल कर एल व्ही 5 -4 के बदले एल व्ही 5 -1ए लागु कर रीडिंग बिल बनाकर दिया जा रहा है। शासनादेशो के अन्तर्गत विधुत खपत पर मिलने बाली 93 प्रतिशत सब्सिडी से भी संचित कर अपने पीढ थपथपाने मनमानी वसूली की जा रही है । जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पर विपरीत असर पड़ रहा है। प्रबंध निदेशक म.प्र. पूर्व क्षेत्र वितरण कम्पनी लिमिटेड जबलपुर से किसानों द्वारा अपेक्षा जताई जा रही है।

नगरपालिका अध्यक्ष पद के दावेदारों की कवायद तेज

भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित निर्दलीय दावेदार आमने-सामने आने की तैयारी में

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

आगामी नगरपालिका अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर नगर में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित निर्दलीय दावेदारों ने मतदाताओं के बीच अपनी सक्रियता बढ़ाने की कवायद शुरू कर दी है। संभावित दावेदार नगर की समस्याओं और मतदाताओं की अपेक्षाओं को लेकर संपर्क साधने में जुटे हैं। हालांकि नगरवासियों के बीच यह चर्चा भी है कि अभी तक प्रमुख राजनीतिक दलों की ओर से नगर के गंभीर और लंबे समय से लंबित मुद्दों को लेकर स्पष्ट एवं ठोस एजेंडा सामने नहीं आया है। ऐसे में आगामी चुनाव में स्थानीय समस्याएं मतदाताओं के लिए महत्वपूर्ण विषय बन सकती हैं।

भाजपा के सामने प्रमुख मुद्दे

नगर की नियमित एवं पर्याप्त जलापूर्ति व्यवस्था। विद्युत व्यवस्था में बार-बार होने वाले व्यवधान का समाधान। सड़कों, नालियों और सफाई व्यवस्था में सुधार। बेरोजगार स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना। बाजार क्षेत्र में साप्ताहिक एंव दैनिक बाजार की बैठक व्यवस्था यातायात एवं स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर करना। नगरपालिका के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना।

कांग्रेस के सामने प्रमुख मुद्दे

नागरिकों को समय पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना। पेयजल व्यवस्था में सुधार और पूरे महीने नियमित जलापूर्ति। नगर की खराब सड़कों एवं जलभराव की समस्या का समाधान। मच्छरों और गंदगी से निपटने के लिए प्रभावी सफाई एवं फॉगिंग व्यवस्था। नगरपालिका में स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर देने का मुद्दा। नगरपालिका के कार्यों एवं खर्च में पारदर्शिता की मांग।

आम आदमी पार्टी के सामने प्रमुख मुद्दे

नगर की जलापूर्ति व्यवस्था को प्राथमिकता देना। बिजली कटौती एवं विधुत अधिकारियों की मनमानी अनिश्चित विद्युत व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को उठाना। शिक्षा, स्वास्थ्य और नागरिक सुविधाओं को लेकर ठोस कार्ययोजना रखना। नगरपालिका के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता का मुद्दा।वार्ड स्तर पर नागरिको की समस्याओं के त्वरित निराकरण की व्यवस्था। स्थानीय युवाओं और छोटे व्यापारियों से जुड़े मुद्दों को चुनावी एजेंडे में शामिल करना। इसके अलावा ओवरब्रिज का सटीक एंव उपयुक्त निर्माण करना।

निर्दलीय दावेदार के लिए स्थानीय मुद्दे अहम

दलीय प्रत्याशियों के अलावा निर्दलीय दावेदार भी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे प्रत्याशियों के सामने नगर की वार्डवार समस्याओं को सीधे उठाने और उनके समाधान की स्पष्ट कार्ययोजना मतदाताओं के सामने रखने की चुनौती होगी। अब मुद्दों पर होगी नजर नगरपालिका अध्यक्ष पद के संभावित चुनाव में मुकाबला केवल राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि नगर के विकास के मुद्दों और प्रत्याशियों की कार्ययोजना के आधार पर भी चर्चा का विषय बन सकता है। मतदाता यह जानना चाहेंगे कि कौन सा दावेदार जलापूर्ति, बिजली, सड़क, सफाई, रोजगार और अन्य नागरिक सुविधाओं को लेकर क्या ठोस योजना सामने रख पाएंगे ।

इनकी रेहगी दावेदारी

भाजपा से पूर्व नपा अध्यक्ष नरेश चन्दौल, भगवंती श्रीधर, राजाराम शर्मा, शंकर सायरानी, अखलेश शुक्ला, भाजपा एंव निर्दलीय नितिन ठाकुर, कांग्रेस से अंकित मिन्टु शर्मा, धर्मेश तिवारी, प्यूस खंडेलवाल, जयंत रंगारी के अलावा आम आदमी पार्टी के भी प्रत्याशी होना सम्भावित है। इनके अलावा मात्रशक्तियों के नाम भी चर्चाओं में हैं।

संपादकीय

लोकतंत्र-समर्थक लामबंदी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ राष्ट्रीय जन-आंदोलन का माहौल बन गया है। कांग्रेस ने राज्यों की राजधानियों में विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक भी 29 सितंबर को तय हुई है। शायद कोई बड़ा निर्णय सामने आएगा! 'राजनीतिक कॉकरोचों' ने भी सीईसी का इस्तीफा मांगते हुए आंदोलन की धमकी दी है। विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं ने सीईसी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने और जेल में डालने की पुरजोर मांग की है। हालांकि दिसंबर 2023 में चुनाव आयोग संबंधी कानून में संशोधन कर सीईसी, पूर्व सीईसी और चुनाव आयुक्तों को किसी भी तरह के केस और जेल भेजने की सजा से 'कानूनी छूट' दी गई थी। उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती। यह संशोधन संसद में पारित किया गया था। फिर भी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को यकीन है कि ऐसे 'अपराधी' को सजा जरूर मिलनी चाहिए। विपक्ष का कथित 'इंडिया ब्लॉक' संसद के दोनों सदनों में, सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ, 'महाभियोग' प्रस्ताव लाने पर भी विचार कर रहा है। इसी साल मार्च-अप्रैल में भी 'महाभियोग' का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति ने खारिज कर दिया था। लेकिन आसार पुख्ता होते जा रहे हैं कि शहर, कस्बा, गांव और गली-गली के स्तर पर देश का आम नागरिक 'विशेष गहन पुनरीक्षण' का ही बहिष्कार कर दे! चूंकि उनके वोट काटे जा रहे हैं, लिहाजा संविधान में दिए मताधिकार का उल्लंघन किया जा रहा है। यदि संविधान का ही उल्लंघन होता रहा, तो लोकतंत्र किस काम का..? लोकतंत्र की बुनियाद ही आम मतदाता का वोट और जनादेश है। यदि वोट से संसद, विधानसभा, सरकारें नहीं चुनी जा सकतीं, तो वोट ही बेमानी किया जा रहा है। जन-आंदोलन इस मताधिकार को हासिल करने और एसआईआर की आड़ में 'चुनावी साजिश' को पराजित करने को लेकर उग्र और देशव्यापी होगा। अब यह लोकतंत्र-समर्थक लामबंदी की ही अग्नि-परीक्षा है कि वे आम नागरिक को कितना समझा पाते हैं कि 'वोट चोरी' के जरिए चुनाव जीते जा रहे हैं? राहुल गांधी और विपक्षी नेता अभी तक 'वोट चोरी' के आरोप लगा रहे थे, लिहाजा उन्हें 'क्षुद्र राजनीति' माना जा रहा था। अब चुनाव आयोग के ही दो संवैधानिक चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों और सवालों से लगभग पुष्टि हो रही है कि 'वोट चोरी' ही नहीं, वोट देने का मौलिक अधिकार भी छीना जा रहा है। एक अभियान के तहत करीब 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काट देना कोई सामान्य घटना नहीं है। गोवा जैसे छोटे-से राज्य का उदाहरण सार्वजनिक हुआ है कि 97 मतदाताओं के नाम और ब्यौरे 'सही' पाए गए, लेकिन राज्य का मुख्य चुनाव अधिकारी 8 बार ई-मेल कर और फोन पर ब्रीफ करने के बावजूद उन 97 नामों को मतदाता-सूची में जुड़वा नहीं सका। इसका स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया है। उन मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार छिन गए, वे वोट नहीं दे सकेंगे, ऐसे लोकतंत्र का क्या करेंगे हम? यह कैसी प्रशासनिक और संवैधानिक व्यवस्था है कि राज्य के सीईओ की भी आयोग के आईटी सिस्टम तक पहुंच नहीं है! यकीनन अब यह मुद्दा प्रधानमंत्री मोदी तक भी जाएगा। मुद्दा यह नहीं है कि सीईसी के पद पर ज्ञानेश का चयन प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने किया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की 'असहमति' को किनारे कर दिया गया। सरकारें ऐसे ही काम करती हैं और चयन प्रधानमंत्री के स्तर पर ही होता रहा है। यदि देश भर में जन-आंदोलन फैलता है, तो प्रधानमंत्री कब तक सीईसी को बचा पाएंगे? यह भाजपा-कांग्रेस की राजनीतिक लड़ाई नहीं है, देश के आम नागरिक के मताधिकार का सवाल है और यह राष्ट्रीय सरोकार का मुद्दा बन सकता है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट

राजनीतिक क्षेत्र में दूर की कौड़ी है लैंगिक समानता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

विश्व आर्थिक मंच या यों कहें कि वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की स्थापना 1971 में हुई और 2006 से डब्बूईएफ ने दुनिया के देशों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जेंडर लैंगिक गैप का सालाना सर्वे करना शुरु किया। 145 देशों में कराये गये हालिया सर्वे की रिपोर्ट में भारत की रेंक 131 वीं है।

विश्व आर्थिक मंच डब्बूईएफ द्वारा इसी 16 सितंबर, 2026 को जारी 20 वीं ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप रिपोर्ट 2026 से एक बात तो साफ हो गई है कि राजनीति में अभी तो सत्ता में महिलाओं की पुरुषों के समान भागीदार दूर की कोड़ी ही है। जेंडर गैप की हालिया रिपोर्ट में सबसे रौचक और चिंताजनक जानकारी यह सामने आई है कि संसद में भले ही महिलाओं की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत हो गई हो पर मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी केवल 5.9 प्रतिशत रह गई है। सबसे मजे की बात यह है कि 2019 की तुलना में मंत्रिमंडल में महिलाओं की उच्चतम स्तर 30 प्रतिशत की भागीदारी की तुलना में बहुत कम हो गई है। यह सब तो तब है जब केन्द्र सरकार 2023 में महिला आरक्षण बिल लेकर आई है। हांलाकि यह भी अभी तो राजनीति की भेंट ही चढ़ा हुआ है। यह इसलिए भी एलार्मिंग हो जाती है कि लैंगिक समानता की बात दुनिया के देशों द्वारा विभिन्न मंचों पर बढ़-चढ़ कर कितनी भी की जाएं परिणाम अभी तक अधिक सकारात्मक प्राप्त नहीं हुए हैं। आइसलैंड, फिनलैंड, नार्वे आदि अवश्य लैंगिक गैप को कम करने में कुछ हद तक सफल रहे हैं। निराश होने की बात इसलिए नहीं है कि शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में लैंगिक गैप में लगातार सुधार देखा जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी में सुधार देखा जा रहा है। नएस्थान तलाशें

विश्व आर्थिक मंच या यों कहें कि वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की स्थापना 1971 में हुई और 2006 से डब्बूईएफ ने दुनिया के देशों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जेंडर लैंगिक गैप का सालाना सर्वे करना शुरु किया। 145 देशों में कराये गये हालिया सर्वे की रिपोर्ट में भारत की रेंक 131 वीं है। हांलाकि बीस सालों में रेंक में सुधार हुआ है। संस्था द्वारा जेंडर लैंगिक स्थिति का अध्ययन के लिए चार मानक बनाए हुए हैं। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य और सरवाइवल, आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं भागीदारी और राजनीति सशक्तिकरण चार ऐसे क्षेत्र है जिनके माध्यम से दुनिया के देशों में महिलाओं की वैश्विक स्थिति का अध्ययन किया जाता है। जहां तक भारत की बात है देखा जाएं तो जेंडर लैंगिक गैप की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल के क्षेत्र में भारत में स्थिति बेहतर है। शिक्षा के क्षेत्र में यह 96.6 प्रतिशत और स्वास्थ्य और उत्तरजीवितता में 95.6 प्रतिशत का आंकड़ा है। इसे निश्चित रुप से सकारात्मक माना जाता है। इसका साफ साफ अर्थ यह हो जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल क्षेत्र में लैंगिक गैप में सकारात्मकता है और महिलाओं और पुरुषों के बीच अंतर को लगभग पाट सा दिया है। जहां तक महिलाओं की आर्थिक क्षेत्र में भागीदारी की बात है तो इसमें समग्र रुप से 41.2 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। यानी अभी भी लैंगिक गैप का अंतर 50 फीसदी से भी अधिक बना हुआ है। हांलाकि आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में लगातार सुधार देखा जा रहा है।

कुल कामकाजी महिलाओं की हिस्सेदारी 39.9 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 42 फीसदी हो गई है। आर्थिक मोर्चे पर लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है पर जिस तेजी से बढ़ोतरी होनी चाहिए थी या जिस तरह से लैंगिक गैप कम होना चाहिए था वह अभी नहीं हो पाया है।

तस्वीर का सबसे निराशाजनक पहलू राजनीतिक भागीदारी को लेकर हैं। खासतौर से मंत्रीमण्डल में तो महिलाओं की हिस्सेदारी में बहुत अधिक कमी देखने को मिल रही है। यह सब तो तब है जब सरकार राजनीति में महिला आरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने की पक्षधर है। एक बात जो सबसे महत्वपूर्ण है वह यह कि पिछले कुछ सालों के चुनावों पर नजर ड़ाली जाएं चाहे वे विधानसभाओं के हो या लोकसभा के सभी में मतदान से लेकर सरकार बनवाने में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। कम से कम आंकड़े तो यही कह रहे हैं। हांलाकि फ्री बीज जैसी लुभावनी योजनाओं में महिलाओं को अपने पक्ष में करने के वादे सभी राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में देखने को मिल जाएगा।

संतोष की बात यह है कि 145 देशों की समग्र ग्लोबल जेंडर गैप 2026 का जेंडर गैप पेरिटी स्कोर 69.2 प्रतिशत है जबकि भारत की 131 वीं रेंक होने के बावजूद इस रिपोर्ट में भारत का ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप पेरिटी स्कोर 64.5 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट के समग्र अध्ययन से यह साफ हो जाता है कि भारत के सामने सबसे अधिक चुनौती राजनीतिक स्तर पर गैप को कम करना है तो आर्थिक मोर्चे पर भी अभी बहुत कुछ किया जाना जरुरी हो गया है। देश में बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं जैसे अभियानों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पंचायतों, निकाओं आदि में महिलाओं के आरक्षण से राजनीति में जो भागीदारी देखी जा रही है वह संभव हो पाई हैं। निर्णय के स्तर पर भी महिलाएं अधिक स्वतंत्र हुई है और चुनाव नतीजे इस बात को पुष्ट भी करते हैं। अब महिलाएं अपने मताधिकार का प्रयोग स्वविवेक से करने लगी है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट में 93 प्रतिशत के स्कोर के साथ आइसलैंड भले ही शीर्ष पर हो पर दुनिया के अधिकांश इस दौड़ में अभी बहुत पीछे हैं। शत-प्रतिशत स्कोर की तो अभी कल्पना करना बेमानी ही होगा। पर सकारात्मक पक्ष यह है कि लैंगिक गैप में अब काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य का क्षेत्र इसका बड़ा उदाहरण है। आर्थिक मोर्चों पर भी महिलाओं की भागीदारी भले ही कम हो पर शीर्ष स्तर पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी देखी जा सकती है। इसलिए चुनौती अवश्य है पर हालात सकारात्मकता की और संकेत कर रहे हैं।

चुनाव आयोग भेदभाव तो करता है! आम और व्हीआईपी वोटर्स के साथ अलग-अलग सलूक क्यों?

नीरज कुमार दुबे

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

नई दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रही कवायद के बीच एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने पूरी प्रक्रिया पर फिर से बहस तेज कर दी है। हम आपको बता दें कि जिन प्रमुख और चर्चित मतदाताओं के नाम पर एसआईआर के दौरान नोटिस जारी हुए थे, उनमें से अधिकांश के विवरण और दस्तावेजों का सत्यापन अब पूरा कर लिया गया है और उन्हें अंतिम मतदाता सूची में शामिल किए जाने के लिए हरी झंडी मिल गई है। इनमें पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी जैसे चर्चित नाम शामिल हैं। प्रचारअभियान और चुनाव

इसके अलावा विदेश सचिव विक्रम मिस्री, पूर्व नीति आयोग के उपाध्यक्ष रहे अरविंद पनगढ़िया, भाजपा विधायक कैलाश गहलोत, पूर्व सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद और दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग सहित कई अन्य प्रमुख लोगों को भी एसआईआर के दौरान नोटिस मिला था। चुनाव अधिकारियों के अनुसार इन मामलों की व्यक्तिगत रूप से जांच की गई और संबंधित मतदाताओं से आवश्यक जानकारी तथा दस्तावेज हासिल किए गए। सत्यापन पूरा होने के बाद इनके नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किए जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है।

दरअसल, इन चर्चित नामों को नोटिस मिलने के बाद सवाल उठने लगे थे कि आखिर ऐसे लोगों के नाम भी एसआईआर की जांच के दायरे में कैसे आ गए? चुनाव अधिकारियों का कहना है कि मतदाता विवरण में कुछ तार्किक विसंगतियां मिली थीं या फिर मौजूदा विवरण पिछली गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया से जुड़े अभिलेखों से मेल नहीं खा रहा था। इसी आधार पर संबंधित मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए। अधिकारियों के मुताबिक नोटिस मिलना अपने आप में मतदाता सूची से नाम काटे जाने का संकेत नहीं है, बल्कि यह संबंधित व्यक्ति को अपना पक्ष रखने और जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने का अवसर देता है। लेकिन असली सवाल यहीं से पैदा होता है। दिल्ली में एसआईआर के तहत करीब 33 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाने की बात सामने आई है। यानी यह प्रक्रिया केवल कुछ चर्चित चेहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर लाखों आम मतदाताओं पर पड़ रहा है। नोटिस जारी होने के बाद आम मतदाता को निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी पात्रता और विवरण साबित करने के लिए दस्तावेज जुटाने पड़ रहे हैं। दूसरी तरफ चर्चित और प्रभावशाली लोगों के मामलों में अधिकारियों द्वारा संपर्क कर दस्तावेज जुटाने और सत्यापन पूरा करने की प्रक्रिया सामने आई है।

यही अंतर अब एसआईआर की पूरी कवायद के केंद्र में आ गया है। कुछ रिपोर्टों में आरोप लगाया गया है कि दिल्ली के एसआईआर में अधिकारियों के स्तर पर वीआईपी मतदाताओं की पहचान कर उनके सत्यापन के लिए अलग तरह की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इन रिपोर्टों के अनुसार सामान्य मतदाताओं को जहां नोटिस के बाद सुनवाई और दस्तावेजी प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है, वहीं प्रभावशाली मतदाताओं के मामलों में प्रक्रिया अपेक्षाकृत आसान रही। यह आरोप चुनावी प्रक्रिया की समानता और पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है।

हालांकि चुनाव अधिकारियों का आधिकारिक पक्ष यह है कि नोटिस जारी करने का आधार मतदाता के पद या प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि एसआईआर के दौरान सामने आई विसंगतियां हैं और सभी मामलों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत सत्यापन किया जा रहा है। हम आपको बता दें कि अंतिम मतदाता सूची चार नवंबर को प्रकाशित की जानी है, जबकि नोटिसों के निस्तारण की प्रक्रिया 29 अक्टूबर तक पूरी की जानी है।

इस पूरे घटनाक्रम में फिलहाल सबसे अहम बात यही है कि जिन चर्चित मतदाताओं के नाम एसआईआर के दौरान सवालों के घेरे में आए, वे सत्यापन के बाद अंतिम सूची में जगह पाने की स्थिति में हैं। अब निगाह इस बात पर रहेगी कि लाखों आम मतदाताओं के मामलों का निस्तारण किस गति और किस समान प्रक्रिया के तहत होता है और चार नवंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम सूची एसआईआर को लेकर उठे सवालों का कितना स्पष्ट जवाब देती है। बहरहाल, इतना तो दिख ही रहा है कि चुनाव आयोग की ओर से आम और खास में फर्क किया जा रहा है।

दुर्घटना और सख्त कार्रवाई

संतोष उत्सुक

दुर्घटना के बाद शक्तिशाली अधिकारी द्वारा, महंगी कुर्सी पर बैठकर बहुत सख्त कार्रवाई के आदेश दिए जाते हैं। उनके पीछे दीवार पर महान आत्माओं की तस्वीरें, पुराने उदास फ्रेम में जड़ी और लटकी होती हैं। जिसके नीचे पीतल से बने अक्षरों में 'सत्यमेव जयते' लिखा होता है। इससे ज्यादा और क्या हो सकता है कि सख्त कार्रवाई करने के आदेश देने वालों को लापरवाही बिलकुल पसंद नहीं होती। दुर्घटना के मामले में सार्वजनिक परेशानी हो तो सख्त कार्रवाई करने के आदेश ज़रूरी होते हैं। गलतियों की समीक्षा तुरंत किए जाने की ज़रूरत भी होती है। नियम और सख्त कर दिए जाते हैं।

सुरक्षा व्यवस्था के ढांचे की धूल अच्छी तरह झाड़ दी जाती है। सुरक्षा व्यवस्था, दुर्घटना स्थल से जुड़े सुधारात्मक कदमों का विवरण कुछ ही घंटे के भीतर मांग लिया जाता है। कुछ लोगों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया जाता है ताकि वे निलंबन बहाल होने के जुगाड़ में अविलम्ब व्यस्त हो सकें। ऐसे किसी भी मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति दिखाते रहना बेहद कामयाब रहता है जिसकी प्रशंसा सभी करते हैं। ऐसे आदेश सबका मुंह सिल देते हैं। वास्तव में असली नुक्सान तो बीमा कम्पनी का होना होता है अगर बीमा क्लेम भुगतान होने की आशंका हो। क्लेम देने के मामले में बीमा कम्पनी को भी सख्त कार्रवाई करनी होती है। सख्त कार्रवाई के अंतर्गत आदेश दिए जाते हैं कि दुर्घटना आशंकित क्षेत्रों में उचित पर्याप्त चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। अच्छी किस्म की रिफ्लेक्टर लाईट, चमकीले टेप लगाए जाएं। क्षेत्र की बार्केडिंग दोबारा अच्छे से की जाए। धूल से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम शुरू की जाए। पैदल रास्ते भी सुरक्षित किए जाएं। सीसीटीवी नियमित रूप से चालू रखे जाएं। ट्रैफिक परिवर्तन की समुचित व्यवस्था हो। सम्बंधित कार्यालयों से इन कार्यों के निर्देश सार्वजनिक होते ही, काम करवाने वाले ठेकेदार टेंडर भरने की प्रतीक्षा करने लगते हैं। कुछ सख्त निर्देश ऐसे भी रहते हैं जो कार्यालय वालों ने सिर्फ पढ़ने होते हैं, जैसे यदि दुर्घटना हो जाए तो अविलम्ब मेडिकल सुविधा उपलब्ध हो। उचित मुआवजा देने का प्रावधान हो। फरार होने वालों को अविलम्ब पकड़वाया जाए ताकि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई अविलम्ब शुरू हो। जांच बारीकी से हो ताकि खड़े होने वाले सवालों को बिठाया जा सके।

दुर्घटना के संदर्भ में चश्मदीद गवाह का रोल बहुत संजीदा होता है। व्यवस्था और अर्थ व्यवस्था उसके पीछे पड़ सकती है ताकि उसका रोल बदला जा सके। शासकीय निरीक्षण के दौरान सभी विभाग समन्वय, सदभाव और सहयोग बनाए रखने के सख्त निर्देशों का पालन करते हुए अजीब लगते हैं। घटना के वास्तविक कारणों की तकनीकी, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक जांच की जाएगी, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ बहुत ज्यादा सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी कीमत पर, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। ईमानदार और पारदर्शी एजेंसी से ऑडिट भी करवाया जाएगा। ऐसे शोरदार बयान उचित तरीके से जारी किए जाते हैं। कार्रवाई के दौरान बेचारा सिस्टम आम तौर पर पस्त, निरस्त और ध्वस्त रहता है। मेहनती कर्मचारियों को आराम करने का मौक़ा मिलता है। यह बात दीगर है कि हर फाइल को पता होता है कि कुछ समय बाद उसे बंद होना ही है। दुर्घटना के बाद सख्त कार्रवाई, बहुत मुश्किल या आसान लेकिन ज़रूरी काम होता है।

सच होती भविष्यवाणी - हमारा अदृश्य शत्रु : शोर

जनमानस और प्रशासन के लिए यह आवश्यक है कि जन स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए ध्वनि प्रदूषण के दुष्प्रभावों को जन-जन तक पहुंचाएं और प्रदूषणकर्ता पर सख्त कार्यवाही कर देश को खुशहाल और स्वस्थ बनाएं द्य इस अदृश्य खतरे से बचने के लिए हम सबको अपने-अपने स्तर पर आवाज़ उठानी ही होगी।

डॉ. वंदना पाण्डेय दुबे

नोबेल पुरस्कार विजेता प्रसिद्ध जर्मन माइक्रोबायोलॉजिस्ट रॉबर्ट कोच ने 1910 में ही ध्वनि प्रदूषण के संबंध में भविष्यवाणी कर दी थी, उन्होंने कहा था कि एक दिन ऐसा आएगा जब मनुष्य को स्वास्थ्य के सबसे बड़े शत्रु के रूप में निर्दयी शोर से इस प्रकार लड़ना होगा जैसे महामारियों से लड़ा जाता है। रॉबर्ट कोच के इस कथन का तात्पर्य भविष्य में अत्यधिक अनियंत्रित शोर (ध्वनि प्रदूषण) का मानव के संपूर्ण स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों से था जो आज सच हो रहा है। गत कुछ दिनों में गणेशोत्स्व के चलते तेज डी जे से कुछ लोगों की मृत्यु की खबर भी सामने आई है। नगरवासी जानते हैं कि विभिन्न धार्मिक आयोजन में न केवल भव्य प्रकाश व्यवस्था की जाती है वरन अत्यधिक तेज आवाज के साउंड सिस्टम का भी प्रयोग किया जाता है । नगर-प्रशासन के साथ-साथ प्रबुद्ध वर्ग एवं आयोजन समिति के सदस्यों को भी विचार करना होगा।

ध्वनि प्रदूषण के कारण सुनने की क्षमता में कमी (टिनिटस)अनिद्रा, तनाव, हृदय रोग आदि के साथ अन्य कई शारीरिक एवं मानसिक रोग देखे जा रहे हैं। वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लू. एच.ओ.) ध्वनि प्रदूषण को स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बताया है। यूरोपियन सोसायटी आफ कार्डियोलॉजी, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने 4 से 6 मिलियन हृदय संबंधी रोगों का कारण पर्यावरण विशेष कर ध्वनि और वायु प्रदूषण को बताया है। यूरोप अकेले में 66000 मौतें प्रतिवर्ष ध्वनि प्रदूषण से हो रही है। यह अकाट्य सत्य है कि ध्वनि प्रदूषण स्वास्थ्य जोखिमों का को बढ़ाता है। आंकड़े बताते हैं भारत में हर वर्ष 12000 से अधिक मौतें इसी कारण हो रही हैं और 48000 नए हृदय रोगी प्रतिवर्ष सामने आ रहे हैं। 6.3 करोड़ (63 मिलियन) भारतीय श्रवण बाधित सुनने की गंभीर समस्या से पीड़ित है।

ध्वनि प्रदूषण की बात करने से पहले समान्य ध्वनि स्तर उसका मापन और हानिकारक ध्वनि स्तर की जानकारी सभी के लिए आवश्यक है जिससे गंभीरतापूर्वक इस गंभीर समस्या को समझ कर नियंत्रण एवं निवारण की दिशा में प्रयास किया जा सकेद्य वस्तुत: सभी प्रकार की ध्वनि, ध्वनि प्रदूषण नहीं है डब्लू.एच.ओ. के अनुसार 65 डिसीबल से अधिक स्तर वाली ध्वनि, ध्वनि प्रदूषण के अंतर्गत आती है।

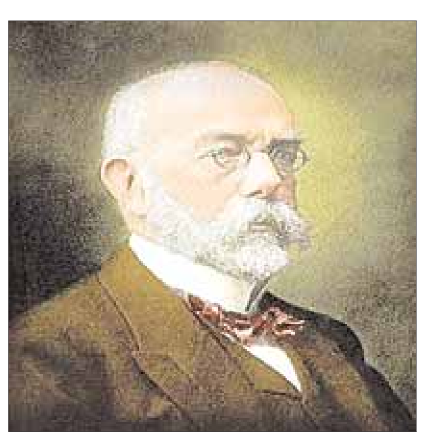

डेसिबल हानिकारक और 120 डेसिबल खतरनाक। ध्वनि विशेषज्ञ, ध्वनि का स्तर दिन में 65 डिबी एवं रात्रि में 30 डिबी से कम रखने का सुझाव देते हैं यह सत्य है कि सभी ध्वनि शोर नहीं होती लेकिन सभी शोर ध्वनि है। ध्वनि एक सामान्य.. प्रीतिकर सुखद सुकून देने वाला श्रव्य अनुभव है जबकि शोर अनचाही, अवांछित तीव्र कर्कश परेशान करने वाली आवाज है जो कि कानों को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ अन्य कई शारीरिक मानसिक तकलीफें देती हैं। विशेष बात यह है कि ध्वनि और शोर दोनों वायुमंडलीय कंपन है जब यह कंपन कानों में सुकून देता है तो ध्वनि माना जाता है और जब अशांति असुविधा बढ़ा देता है तो शोर की श्रेणी में आ जाता है।

ध्वनि प्रदूषण के अनेक कारण हैं कुछ ऐसे जिन्हें नियंत्रित करना मुश्किल और असम्भव सा है और कुछ ऐसे जिसका पूर्ण नियंत्रण हमारे स्वयं के पास है। ध्वनि प्रदूषणों के मुख्य कारण यातायात, वाहनों से उत्पन्न ध्वनि, औद्योगिक निर्माण कार्य से उत्पन्न ध्वनि, संयंत्रों से उत्पन्न ध्वनि, प्राकृतिक एवं जैविक ध्वनि और इन सब के अतिरिक्त सार्वजनिक सामाजिक पारिवारिक और धार्मिक आयोजनों में लगाए जाने वाले ध्वनि विस्तारक यंत्र हैं द्यवर्तमान समय में विभिन्न पारिवारिक सामाजिक और धार्मिक आयोजनों, जलसों-जुलूसों में कार्यक्रम को भव्य और प्रभावशाली प्रदर्शित करने हेतु तीव्र ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग प्रचलन में बढ़ा है जो कि दुखद है कई बार तो यह आवाज़ इतनी तेज होती है कि इस ध्वनि कंपन से विचलन अनुभव होने लगता है। यह अनावश्यक अनुचित अस्वस्थकर शोर जनमानस को मंद विष की तरह विभिन्न बीमारियों के मुखद्वार की तरफ ले जा रहा है । ध्वनि प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों में जो चौंकाने वाले आंकड़े आ रहे हैं वह भयावह है अत: समय रहते सचेत होना आवश्यक है। यद्दपि सरकार के द्वारा ध्वनि प्रदूषण विनियम और नियंत्रण के तहत विभिन्न नियम एवं सख्त कानून बनाए गए हैं जिसके अंतर्गत एक नियम यह भी है कि विभिन्न क्षेत्रों में निर्धारित मानक स्तर पर ही ध्वनि होनी चाहिए और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का भी प्रयोग निर्धारित समय पर हो। ज्ञात हो कि रात्रि 10:00 बजे से प्रात: 6:00 बजे तक इन पर पूर्ण प्रतिबंध है द्य जानकारी, जागरूकता की कमी के कारण और गैर जिम्मेदार प्रशासनिक व्यवस्था के कारण यह नियंत्रित नहीं हो पा रहा है। जनमानस और प्रशासन के लिए यह आवश्यक है कि जन स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए ध्वनि प्रदूषण के दुष्प्रभावों को जन-जन तक पहुंचाएं और प्रदूषणकर्ता पर सख्त कार्यवाही कर देश को खुशहाल और स्वस्थ बनाएं। इस अदृश्य खतरे से बचने के लिए हम सबको अपने-अपने स्तर पर आवाज़ उठानी ही होगी।

प्राचार्य - चंचल बाई महाविद्यालय , जबलपुर

रूस ने यूक्रेन के रसद केंद्रों, बंदरगाह अवसंरचना पर किया हमला

मॉस्को, (स्पुतनिक/वार्ता)। रूसी सेना ने यूक्रेनी सेना की मदद करने वाले रसद केंद्रों, बंदरगाह एवं परिवहन अवसंरचनाओं, संचार केंद्रों और समुद्री जहाजों पर मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) से पूरी रात हमले जारी रखे। यह जानकारी स्पुतनिक ने रविवार को दी। इसमें कहा गया है कि कीव में वोडाफोन के डेटा प्रोसेसिंग केंद्र पर हमला किया गया। यह उन सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है जो यूक्रेनी सशस्त्र बलों को मोबाइल संचार एवं हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाएं देती हैं, जिसमें खुफिया डेटा का प्रेषण भी शामिल है। वहीं कीव इलाके में, क्रासिलोव्का में ज़ालमर ग्रुप के रस केंद्र को निशाना बनाया गया, जहां यूक्रेनी सेना के लिए पश्चिमी सैन्य मदद का भंडारण एवं वितरण किया जाता है। निकोलायेव में दो गोदामों पर हमला किया गया जिनमें मानवरहित हवाई वाहन और उनके हथियार रखे हुए थे। ओडेसा क्षेत्र में, इलिचोव्का में ड्रोन कालिनश रसद केंद्र पर हमला किया गया, जहां एफपीवी इंटरसेप्टर रखे गए थे। किलिया बंदरगाह पर, यूक्रेनी नौसेना के वोस्तोक नौसैनिक अड्डे के मुख्यालय, यूक्रेन की राज्य सीमा सेवा के एक बेसिंग पॉइंट, यूक्रेनी सेना के सैन्य उपकरणों के लिए निर्धारित चार भंडारण स्थल और बर्थिंग अवसंरचना सुविधाओं पर हमला किया गया। इसके अलावा, एक खाली मालवाहक जहाज समुद्र में पारगमन के दौरान क्षतिग्रस्त हो गया, जो यूक्रेनी सेना के लिए ओडेसा बंदरगाह पर सैन्य उपकरण और दोहरे उपयोग वाले माल की आपूर्ति कर रहा था।

मॉन्ट्रियल शहर के समीप हेलीकॉप्टर दुर्घटना में चार लोगों की मौत

ओटावा, (वार्ता)। कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर से 50 किलोमीटर दूर हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई है। यह जानकारी क्यूबेक की प्रांतीय पुलिस ने रविवार को बीबीसी को दी। शनिवार दोपहर स्थानीय समय के अनुसार लगभग 14:30 बजे (19:30 बीएसटी) सेंट-ब्रिगिड-डी-इबरविले में इमरजेंसी सेवाओं को बुलाया गया, जहां उन्हें विमान आग की लपटों में घिरा मिला और उसमें सवार लोगों को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। सार्जेंट ऑड्रे-ऐन बिलोडो ने बताया कि पीड़ितों की पहचान अभी नहीं हो पाई है लेकिन ऐसा लग रहा है कि विमान एक निजी हेलीकॉप्टर था। इस दुर्घटना की जांच क्यूबेक की मेजर क्राइम यूनिटकर रही है, जिसमें क्राइम सीन टेक्नीशियन और ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ऑफ कनाडा के जांचकर्ता भी उनकी मदद कर रहे हैं। श्री बिलोडो के अनुसार, दुर्घटना वाली जगह हाईवे 10 से दूर रैंग डेस इकोसेस सड़क के पास है। एक आपातकालीन कॉल में पुलिस को एक ऐसे हेलिकॉप्टर के बारे में सूचना मिली जो मुश्किल में था और जिसके दुर्घटनाग्रस्त होकर उसमें आग लगने की आशंका थी। सूचना मिलने के एक घंटे बाद, घटनास्थल पर लगी आग पर काबू पा लिया गया था। पीड़ितों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और सार्जेंट ऑड्रे-ऐनी बिलोड्यू ने कहा कि इस प्रक्रिया में कुछ दिन लग सकते हैं।

कैरिबियाई द्वीप सेंट विंसेंट में अंधाधुंध गोलीबारी में चार लोगों की मौत, चार घायल

मेक्सिको सिटी, (स्पुतनिक/वार्ता)। कैरिबियाई द्वीप सेंट विंसेंट के ग्रीन हिल इलाके में अंधाधुंध गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य लोग गोली लगने से घायल हो गए। सेंट विंसेंट टाइम्स की रिपोर्ट में यह जानकार दी गयी।अखबार के मुताबिक, यह गोलीबारी शुक्रवार रात और शनिवार सुबह के बीच हुई। हमलावर एक गाड़ी में सवार होकर मौके पर पहुंचे और वहां मौजूद लोगों के समूह पर गोलियां चला दीं। मरने वालों में तीन पुरुष और एक महिला शामिल है।यह घटना सेंट विंसेंट और ग्रेनाडाइन्स के इतिहास में दूसरी सबसे घातक सामूहिक गोलीबारी है। जुलाई 2023 में, राजधानी किंग्सटाउन के हार्बर क्लब इलाके में गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हो गई थी।यह घटना किंग्सटाउन में हुए एक और सशस्त्र हमले के दो महीने से कुछ अधिक समय बाद हुई है, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी।देश में 2026 की शुरुआत से अब तक हत्याओं की संख्या 39 तक पहुंच गई है, लगभग 1,10,000 की आबादी वाले इस देश में यह आंकड़ा 2025 के पूरे साल के कुल आंकड़े (40 हत्याएं) के करीब पहुंच रहा है।स्थानीय निवासियों को गैंग की गतिविधियों से इसके जुड़े होने का शक है, हालांकि, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है और चश्मदीदों से जानकारी देने की अपील की है।

जयशंकर ने पाकिस्तान पर साधा निशाना, कहा- आतंकवाद का अभ्यस्त अपराधी

संघर्षों के वैश्विक परिणाम, रक्षा के अधिकार का करेंगे इस्तेमाल

संयुक्त राष्ट्र (न्यूयॉर्क), (वार्ता)

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र को संबोधित करते हुए पाकिस्तान को आतंकवाद का अभ्यस्त अपराधी करार देते हुए कहा कि वैश्विक मंच पर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी रक्षा करने के अधिकार का पूरा इस्तेमाल करेगा।

श्री जयशंकर ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद को सामान्य मानने और इसके दुष्परिणामों से छूट का दावा करने की कोशिशों को बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह अब नहीं चलेगा। आतंकवाद के खिलाफ अपनी रक्षा करने के अधिकार का प्रयोग भारत अवश्य करेगा। उन्होंने कहा, मित्रता और सद्भावना कभी भी आतंकवाद के साथ सह-अस्तित्व में नहीं रह सकतीं।

विदेश मंत्री का यह बयान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के संबोधन के ठीक एक दिन बाद आया है। श्री जयशंकर ने वैश्विक मंच से कहा कि आतंकवाद के प्रति भारत के जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण में कोई कमी नहीं आएगी और इसके वित्तीय स्रोतों को उजागर कर उन्हें बंद करना अनिवार्य है।

अपने व्यापक संबोधन में श्री जयशंकर ने वैश्विक संघर्षों, भू-राजनीतिक तनावों और देशों के बीच घटते विश्वास का मुद्दा उठाया। उन्होंने लाल सागर, फारस की खाड़ी और काला सागर में वाणियिक जहाजों और नाविकों पर हो रहे हमलों पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इन हमलों में भारतीय नाविकों की भी जान गई है, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्होंने बताया कि भारत ने लाइबेरिया और 23 अन्य भागीदार देशों के साथ मिलकर नाविकों और जहाजों की सुरक्षा के लिए एक वैश्विक पहल शुरू की है।

विदेश मंत्री ने वैश्विक दक्षिण के सामने खड़े 4एफ संकट-भोजन (फूड), ईंधन (फ्यूल), उर्वरक (फर्टिलाइजर) और वित्त (फाइनेंस) का उल्लेख करते हुए कहा कि संघर्षों से दूर रहने वाले देश भी इन संकटों की भारी कीमत चुका रहे हैं।

उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग पर चेतावनी देते हुए कहा कि यह आपसी विश्वास को कम कर रहा है, जबकि इसका उपयोग मानव सशक्तिकरण और सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए होना चाहिए।

भारत की विकासात्मक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए श्री जयशंकर ने कहा कि देश की प्रगति से मानवता के छठे हिस्से को लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि भारत 78 देशों में 600 प्रमुख विकास परियोजनाओं पर काम कर रहा है। इसके अलावा, भारत संयुक्त राष्ट्र के 11 शांति अभियानों में से 9 में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में बदलाव पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, हम अब एक बहुध्रुवीय दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं और 1945 के बाद बनी व्यवस्था नई वास्तविकताओं के सामने जगह छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि मानवता के बड़े हिस्से को वैश्विक निर्णयों से बाहर नहीं रखा जा सकता। संबोधन के अंत में महात्मा गांधी को उद्धृत करते हुए विदेश मंत्री ने कहा, शांति का कोई रास्ता नहीं है, बल्कि शांति ही एकमात्र रास्ता है।

अस्पताल पर हमले के बाद मलबे से निकाले गए थे मोजतबा खामेनेई, ईरानी नेता का बड़ा खुलासा

तेहरान

अमेरिका और इजरायल के भीषण हमलों के बीच ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई को लेकर ईरानी नेता मोहसेन हैदरी ने कतर के टेलीविजन नेटवर्क अल अरबी को दिए इंटरव्यू में बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि जिस अस्पताल में मोजतबा खामेनेई का इलाज चल रहा था, उस पर अमेरिका द्वारा की गई बमबारी के बाद उन्हें मलबे से बाहर निकाला गया था।न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, घायल होने के बावजूद मोजतबा खामेनेई को नए सर्वोच्च नेता के रूप में चुन लिया गया था, हालांकि गुप्त तरीके से हुई इस चयन प्रक्रिया और हमलों में उनकी स्थिति को लेकर दुनिया भर में अटकलें अभी भी जारी है।मोहसेन हैदरी ने बताया कि घायल होने और अस्पताल ले जाने के बाद भी, तेहरान के तीन अस्पतालों पर बमबारी की गई, मोजतबा खामेनेई तीसरे अस्पताल में थे और उन्हें मलबे से निकाला गया।

अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, हमलों में मोजतबा खामेनेई के चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं, जिसके बाद उनकी स्थिति को लेकर विभिन्न अटकलें लगाई जा रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 8 मार्च को मोजतबा खामेनेई को ईरान के नए सर्वोच्च नेता के रूप में चुना गया। हैदरी ने बताया कि सरकारी टेलीविजन पर घोषणा होने तक खुद मोजतबा को भी अपने चयन की जानकारी नहीं थी। सर्वोच्च नेता का चुनाव करने वाली %विशेषज्ञों की सभा% को भी हमलों में निशाना बनाया गया था।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, कोम स्थित इसके सचिवालय पर हुई बमबारी में आठ लोगों की मौत हो गई और चयन से संबंधित दस्तावेज नष्ट हो गए। हैदरी ने बताया कि सदस्यों ने गुप्त कमरे में जाने से पहले कागज पर अपने वोट दर्ज किए थे और मोजतबा का नाम सबसे पहले उन्होंने ही प्रस्तावित किया था।

मोहसेन हैदरी ने कहा,शत्रु की मंशा को देखते हुए अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के अलावा कोई और सर्वोच्च मार्गदर्शक नहीं हो सकता। वे स्वस्थ हैं, धार्मिक योग्यता और देश चलाने की क्षमता रखते हैं।

उन्होंने मोजतबा को अंधेरे का आदमी बताते हुए कहा कि सर्वोच्च नेता बनने से पहले उन्होंने कोई औपचारिक राजनीतिक पद नहीं संभाला था, हालांकि वे अपने पिता के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यरत रहे हैं।

ईरान को होर्मुज़ प्रस्ताव पर अमेरिका के आधिकारिक जवाब का इंतज़ार: अराघची

तेहरान, (स्पुतनिक/वार्ता)

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान होर्मुज़ जलडमरूमध्य के लिए अपने प्रस्तावों पर अमेरिका से मध्यस्थों के ज़रिए अंतिम जवाब मिलने का इंतज़ार कर रहा है, भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से उन्हें खारिज कर दिया हो। श्री ट्रंप ने पहले कहा था कि उन्होंने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जुड़े ईरान के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इससे पहले श्री अराघची ने घोषणा की थी कि तेहरान ने मध्यस्थों के ज़रिए वाशिंगटन को होर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए सात दिन की योजना बताई थी। श्री अराघची ने अपने टेलीग्राम चैनल पर प्रकाशित ईरानी मीडिया के साथ बातचीत में कहा, हमने अमेरिकी राष्ट्रपति की शुरुआती प्रतिक्रिया देखी। हालाँकि, मध्यस्थों के ज़रिए हमें कोई जानकारी नहीं दी गई है। ईरानी मंत्री ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कई विरोधाभासी बयान दिए हैं।

ईरानी राजनयिक ने आगे कहा, हम मध्यस्थों से अंतिम रुख का इंतज़ार कर रहे हैं, और उसी के आधार पर हम अपने फ़ैसले लेंगे। उन्होंने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य को खोलने की दिशा में कोई भी प्रगति इस बात पर निर्भर करती है कि अमेरिका ईरान की शर्तों को पूरा करे। जून के मध्य में अमेरिका और ईरान ने शांति समझौता करने की प्रक्रिया शुरू करने के इरादे से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। हालाँकि, तीन हफ़्ते बाद, तनाव का एक नया दौर शुरू हो गया। वाशिंगटन ने तेहरान पर होर्मुज़ जलडमरूमध्य में व्यावसायिक जहाजों पर गोलीबारी करने का आरोप लगाया, जिसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले शुरू कर दिए। फ़िलहाल, होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बंद है।

विजय ने करूर भगदड़ में मारे गए लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी

चेन्नई, (वार्ता)। तमिलनाडु में करूर भगदड़ की पहली बरसी पर उस घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए मोमबत्तियां जलाई गई और विशेष प्रार्थनाओं का आयोजन किया गया। इस भगदड़ में पिछले साल इसी दिन 41 लोगों की जान चली गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। टीवीके के संस्थापक और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने इस त्रासदी को एक ऐसा घाव बताया जो कभी नहीं भरेगा और जीवन भर उनके साथ रहेगा; उन्होंने पीड़ितों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। करूर के वेलुसामीपुरम में दिल को छू लेने वाले और भावुक दृश्य देखने को मिले, जहां पीड़ितों के परिजन अपने प्रियजनों को खोने का शोक मना रहे थे। श्री विजय के जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान हुई इस घातक भगदड़ ने तब दुखद मोड़ ले लिया जब लोग एक-दूसरे से आगे निकलने और श्री विजय की एक झलक पाने के लिए उनकी ओर दौड़े। बड़ी संख्या में टीवीके कार्यकर्ताओं , मंत्रियों, वरिष्ठ नेताओं, मंत्री एम.आर. विजयभास्कर, पार्टी पदाधिकारियों और काली साड़ी पहने महिलाओं ने पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। पीड़ितों के रोते-बिलखते परिवार के सदस्यों के अलावा, सैकड़ों आम लोगों ने भी मोमबत्तियां जलाकर और प्रार्थना करके श्रद्धांजलि दी। इसके लिए एक विशेष मंच बनाया गया था जहां पीड़ितों की तस्वीरें रखी गई थीं। इस बीच, 27 सिंबर, 2025 की त्रासदी की पहली बरसी पर श्रद्धांजलि देते हुए श्री विजय ने कहा कि यह दिन उनके और करूर के लोगों के जीवन के सबसे दर्दनाक दिनों में से एक बना हुआ है।

लावरोव ने सैन्य महत्वाकांक्षाओं को लेकर जर्मनी को दी चेतावनी, यूक्रेन युद्ध भड़काने का लगाया आरोप

न्यूयॉर्क, (वार्ता)

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र को संबोधित करते हुए जर्मनी की सैन्य महत्वाकांक्षाओं पर सीधा हमला बोला और बर्लिन पर यूरोप की सबसे ताकतवर सेना खड़ी करने की आड़ में यूक्रेन का मुख्य मददगार बनने का आरोप लगाया है। जर्मन चांसलर फ्रेडिरक मर्ज के जर्मनी को यूरोप की सबसे मजबूत पारंपरिक सैन्य शक्ति बनाने के बयान का जिक्र करते हुए श्री लावरोव ने पूछा कि क्या बर्लिन ने इस नीति के ऐतिहासिक नतीजों पर गौर किया है? श्री लावरोव ने सख्त लहजे में कहा, चांसलर मर्ज जर्मनी को फिर से यूरोप की अग्रणी सैन्य ताकत बनाना चाहते हैं। क्या वे समझ रहे हैं कि इसका अंजाम क्या हो सकता है? क्या उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध से कोई सबक नहीं सीखा?

श्री लावरोव की यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर जर्मन विदेश मंत्री योहान वेडफुल के साथ उनकी मुलाकात के एक दिन बाद आयी है। इसे 2022 में यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद से रूसी और जर्मन विदेश मंत्रियों के बीच पहली प्रत्यक्ष बैठक बताया गया। बैठक के दौरान श्री वेडफुल ने रूस से तनाव बढ़ाने के उस खतरनाक रास्ते को छोड़ने का आग्रह किया, जिसे जर्मनी ने खतरनाक बताया था।

श्री लावरोव ने अपने संयुक्त राष्ट्र संबोधन में जर्मनी के सैन्य विस्तार को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने पश्चिमी सरकारों पर नाजी जर्मनी के युद्धकालीन अत्याचारों की जिम्मेदारी भुलाने का आरोप लगाया, जिसमें उनके अनुसार सोवियत लोगों का नरसंहार भी शामिल था और साथ ही यूक्रेन को हथियारों से सहायता देने का भी आरोप लगाया। श्री लावरोव ने कहा, जर्मनी यूक्रेन का मुख्य प्रायोजक भी है। उन्होंने यूक्रेन के लिए जर्मनी के समर्थन को रूस को कमजोर करने के व्यापक पश्चिमी प्रयास से जोड़ा।

उन्होंने पश्चिम पर रूस को %रणनीतिक पराजय% देने की कोशिश करने का आरोप लगाया, लेकिन कहा कि यह प्रयास अंततः विफल होगा। उन्होंने कहा, पश्चिम रूस को रणनीतिक पराजय देना चाहता है, लेकिन इन महत्वाकांक्षाओं का परिणाम युद्ध भड़काने वालों के एक रणनीतिक अंधे मोड़ पर पहुंचने के रूप में निकलेगा। श्री लावरोव ने यूरोपीय सरकारों पर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के राजनयिक प्रयासों में बाधा डालने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ट्रम्प प्रशासन जिन शांति वार्ताओं में रुचि रखता है, यूरोप उन्हें विफल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने पश्चिमी देशों पर यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति जारी रखने का आरोप लगाया, जिनका उपयोग रूस के अनुसार नागरिक बुनियादी ढांचे के खिलाफ हो रहा है।श्री लावरोव ने अपने इस रुख को दोहराया कि रूस जिसे %विशेष सैन्य अभियान% कहता है, उसके उद्देश्य अपरिवर्तित हैं और बाहरी दबाव के बावजूद उन्हें हासिल किया जायेगा। उन्होंने कहा, हमारे विशेष सैन्य अभियान के उद्देश्य पूरे होंगे और हमारी सुरक्षा के लिए खतरे समाप्त होंगे।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

दिलजले के 30 साल: 15 साल की उम्र में हरमन बावेजा ने पिता से सीखा डायरेक्टर का असली काम

फिल्म दिलजले को रिलीज हुए 30 साल पूरे हो गए हैं। एक्टर, प्रोड्यूसर और राइटर हरमन बावेजा के लिए यह फिल्म महज पुरानी याद नहीं, बल्कि उनके फिल्ममेकिंग सफर की शुरुआती सीखों से जुड़ी है। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने अपने पिता और वेटरन फिल्ममेकर हैरी बावेजा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के सेट पर पहली बार करीब से फिल्म निर्माण की प्रक्रिया को समझा था।दिलजले के गाने शाम है धुआं धुआं की शूटिंग के दौरान सेट पर सरोज खान कोरियोग्राफी, वीरू देवगन एक्शन और नायडू कैमरा संभाल रहे थे। सभी को अपने-अपने काम में व्यस्त देखकर हरमन ने अपने पिता से पूछा कि आखिर डायरेक्टर करता क्या है। हरमन ने बताया कि लंच के दौरान उन्होंने अपने पिता से कहा,मैं बहुत कन्फ्यूज हूं, आप सेट पर करते क्या हो? उनके सवाल पर वहां मौजूद लोग हंसने लगे। उन्होंने कहा कि जब हर कोई अपना काम कर रहा है तो डायरेक्टर की भूमिका क्या है। हैरी बावेजा ने उन्हें समझाया कि डायरेक्टर का काम ऑडियो-विजुअल माध्यम में कहानी को प्रभावी ढंग से कहना और अलग-अलग विभागों की प्रतिभा को एक विजन के तहत एक साथ लाना है। हरमन के अनुसार, उनके पिता ने बताया कि सभी एचओडी, तकनीशियन और क्रू अपने-अपने क्षेत्र में प्रतिभाशाली होते हैं, लेकिन उन्हें एक ही कहानी और डायरेक्टर की विजन के अनुरूप काम करना होता है। इसी फिल्म से जुड़ी एक और सीख हरमन को शाम है धुआं धुआं की रिकॉर्डिंग के दौरान मिली। शुरुआती रिकॉर्डिंग से हैरी बावेजा और संगीतकार अनु मलिक पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे। दोनों ने गाने पर दोबारा काम किया और अपनी रचनात्मक सोच पर भरोसा रखा। आगे चलकर यह गाना दिलजले के लोकप्रिय गीतों में शामिल हुआ। हरमन के लिये यह अनुभव इस बात की सीख बना कि रचनात्मक फैसलों पर विश्वास रखना और अपनी कन्विक्शन के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। आज तीन दशक बाद हरमन बावेजा अभिनय के साथ निर्माण और लेखन में भी सक्रिय हैं। स्कूप के साथ अभिनय में वापसी के बाद वह बावेजा स्टूडियोज के मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में निर्माण की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

देवरा: पार्ट 1 के दो साल, जाह्नवी कपूर के तेलुगू डेब्यू की यादगार शुरुआत

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर अभिनीत फिल्म देवरा- पार्ट 1 की रिलीज को दो वर्ष पूरे हो गए हैं। 27 सितंबर 2024 को रिलीज हुई कोराताला शिवा निर्देशित यह एक्शन ड्रामा फिल्म जाह्नवी के करियर का खास पड़ाव रही, क्योंकि इसी फिल्म के साथ उन्होंने तेलुगु सिनेमा में कदम रखा। तेलुगु सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी के लिए यह डेब्यू भावनात्मक रूप से भी खास रहा। श्रीदेवी का तेलुगु सिनेमा से गहरा और यादगार रिश्ता रहा है। ऐसे में जाह्नवी का इसी इंडस्ट्री से अपने फिल्मी सफर की शुरुआत करना उनकी मां की सिनेमाई विरासत से जुड़ने का अवसर भी बना। फिल्म के प्रमोशन के दौरान जाह्नवी ने तेलुगु भाषा और संस्कृति को अपनाने की कोशिश की और दर्शकों से संवाद किया। जूनियर एनटीआर ने भी उनके अभिनय की तारीफ करते हुए उनके कुछ पहलुओं में श्रीदेवी की झलक दिखाई देने की बात कही थी। देवरा- पार्ट 1 जाह्नवी के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इस फिल्म के जरिए उन्होंने तेलुगु दर्शकों के सामने अपनी अलग पहचान बनाने की शुरुआत की। मां की विरासत से जुड़े एक सिनेमा में कदम रखने से लेकर अपनी पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ने तक, यह फिल्म उनके करियर का उल्लेखनीय पड़ाव बनी हुई है।

इश्क का गुलाम पर सौंदर्या शर्मा का डांस सौंदर्या शर्मा ने इश्क का गुलाम पर किया डांस

वीर पहाड़िया की आगामी फिल्म प्रेम कीटाणु के गाने इश्क का गुलाम पर अभिनेत्री सौंदर्या शर्मा ने डांस वीडियो साझा कर फिल्म के प्रति अपना उत्साह जाहिर किया है।सौंदर्या ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए वीर पहाड़िया को टैग किया और लिखा, लाल परी भी हुई, इश्क का गुलाम। उन्होंने आगे लिखा, ये तुम्हारे लिए है, अब और इंतजार नहीं कर सकती। ढेर सारी शुभकामनाएं। सौंदर्या का यह वीडियो ऐसे समय में आया है जब प्रेम कीटाणु की रिलीज की तैयारियां चल रही हैं। फिल्म दो अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इश्क का गुलाम को मिल रहे रिस्पॉन्स के बीच सौंदर्या के डांस वीडियो से फिल्म और गाने को लेकर चर्चा बढ़ी है। वीर पहाड़िया अभिनीत प्रेम कीटाणु में रोमांस, युवा ऊर्जा और ड्रामा देखने को मिलेगा।

महिलाओं की सुरक्षा पर कुब्रा सैत ने उठाया सवाल

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर सवाल उठाया है कि महिलाओं को सुरक्षित रहने के तरीके सिखाने के बजाय पुरुषों को किसी को असुरक्षित न बनाने की सीख क्यों नहीं दी जाती।कुब्रा ने वीडियो में कहा, सेफ्टी एक ऐसी जगह है जिसका नाम नार्निया है। और हां, वह काल्पनिक है। उन्होंने महिलाओं को दी जाने वाली सलाहों का जिक्र करते हुए पूछा, ढंग से कपड़े पहनो, रात में बाहर मत जाओ, लड़कों के साथ मत घूमो, अपनी लोकेशन शेयर करो, पेपर स्प्रे साथ रखो, सावधान रहो। आखिर और कितना सावधान रहें?उन्होंने कहा कि लड़कों को भी यह सिखाया जाना चाहिए कि किसी का पीछा न करें, डराएं या धमकाएं नहीं और %ना% को %ना% समझें। कुब्रा ने कहा कि महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों पर बिना डर के मौजूद रहने का अधिकार है और सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल महिलाओं पर डालने के बजाय समाज में पुरुषों के व्यवहार में बदलाव पर भी जोर दिया जाना चाहिए।

फसल बीमा के नाम पर महाघोटाला: सिवनी में 90 फीसदी बर्बाद हुई मक्के की फसल, सर्वे में दर्ज किया सिर्फ 15 प्रतिशत नुकसान

करोड़ों का प्रीमियम डकारने वाली बीमा कंपनियों की मनमानी के खिलाफ किसानों में भारी आक्रोश

कलेक्टर से दोबारा निष्पक्ष सर्वे कराने की मांग

धनौरा, स्वतंत्र मत। सरकार द्वारा चलाई जा रही किसान कल्याणकारी योजना प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अब जिले के किसानों के लिए जी का जंजाल बनती नजर आ रही है। खरीफ सीजन में किसानों के हितों को पूरी तरह दरकिनार कर बीमा कंपनी के जिला प्रतिनिधि राकेश पटले और स्थानीय अमले द्वारा भारी विसंगतियां की जा रही हैं। ताजा मामला सिवनी जिले के धनोरा ब्लॉक से सामने आया है, जहां जलभराव के कारण किसानों की मक्के की फसल 80 से 90 प्रतिशत तक पूरी तरह नष्ट हो चुकी है। लेकिन, जब किसानों ने इसकी सूचना दी, तो मौके पर पहुंचे बीमा कंपनी के जिला प्रतिनिधि राकेश पटले और कृषि विभाग के अधिकारी की मिलीभगत से हुए सर्वे में महज 15 प्रतिशत नुकसान ही दर्ज किया गया। इस फर्जीवाड़े से किसानों को मिलने वाला मुआवजा पूरी तरह खटाई में पड़ता दिख रहा है।

क्या सिवनी कलेक्टर नेहा मीणा स्वयं लेंगी संज्ञान

क्या बीमा कंपनी के जिला प्रतिनिधि राकेश पटले और धनौरा कृषि विभाग के अधिकारी के उपर होगी कार्यवाही।

सालाना करोड़ों का प्रीमियम, मुआवजे के नाम पर छलावा

प्राप्त जानकारी के अनुसार मात्र सिवनी जिले से ही हर वर्ष बीमा कंपनी को बैंकों और सहकारी समितियों के माध्यम से लाखों-करोड़ों रुपये की प्रीमियम राशि भेजी जाती है। खरीफ 2026 के इस चालू सीजन में भी सिवनी के जागरूक किसानों द्वारा लगभग 1,33,100 हेक्टेयर भूमि का बीमा कराया गया है। इसमें मुख्य रूप से मक्का, धान और उड़द जैसी अधिसूचित फसलें शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष बैंकों के माध्यम से 2,19,788 आवेदन और किसानों द्वारा स्वयं या पोर्टल के माध्यम से 10,733 आवेदन बीमा कंपनी को प्रेषित किए गए हैं। इन आवेदनों के एवज में सिवनी के किसानों की जेब से कुल 10,72,29,000 की भारी-भरकम राशि प्रीमियम के रूप में बीमा कंपनी के खातों में जमा की जा चुकी है।

किसानों ने दी आंदोलन की चेतावनी

इतनी मोटी रकम वसूलने के बाद भी जब आपदा की घड़ी आई, तो बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों ने दफ्तरों और बंद कमरों में बैठकर नुकसान का आकलन कर दिया। पीड़ित किसानों का कहना है कि खेतों में घुटनों तक पानी भरा हुआ है, मक्के के पौधे सड़ चुके हैं, और फसल पूरी तरह चटाई का रूप ले ली है लेकिन सर्वे रिपोर्ट में इसे सिर्फ 15 प्रतिशत नुकसान बताकर उनके जख्मों पर नमक छिड़का जा रहा है। किसानों ने जिला प्रशासन और कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से इस कथित महाघोटाले की उच्च स्तरीय जांच कराने और किसी स्वतंत्र या निष्पक्ष टीम से खेतों का दोबारा भौतिक सत्यापन कराने की मांग की है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनके साथ न्याय नहीं हुआ और वास्तविक नुकसान के आधार पर मुआवजा तय नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने के लिए मजबूर होंगे।

बरघाट पुलिस ने 24 घंटे के भीतर किया मंदिर दानपेटी चोरी का खुलासा

3 आरोपी गिरफ्तार, चोरी गई दानपेटी, नगदी एवं घटना में प्रयुक्त स्कूटी जब्त

सिवनी, स्वतंत्र मत। पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के कुशल नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा तथा एसडीओपी बरघाट श्री ललित गठरे के मार्गदर्शन में जिले में चोरी एवं नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बरघाट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

दिनांक 24/09/2026 को प्रार्थी नेमीचंद सूर्यवंशी पिता स्व. श्रीप्रसाद सूर्यवंशी निवासी महामाया मंदिर परिसर वार्ड नं. 03 बरघाट ने थाना बरघाट में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 23-24/09/2026 की दरम्यानी रात अज्ञात चोर द्वारा महामाया मंदिर की स्टील की ग्रिल तोड़कर मंदिर में रखी दानपेटी चोरी कर ली गई है। रिपोर्ट पर थाना बरघाट में अपराध क्र. 548/2026 धारा 305(ए), 331(4) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

को देखते हुए थाना स्तर पर विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा ग्रामवासियों के सहयोग, तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्र

की सूचना के आधार पर 24 घंटे के भीतर घटना का खुलासा करते हुए 03 संदेहियों को अभिरक्षा में लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से चोरी गई भगवा रंग की दानपेटी, दानपेटी से चुराया गया नगद मशरूका एवं घटना में प्रयुक्त स्कूटी एक्टिवा क्र. रू॥ 49 1340 विधिवत जप्त की गई।

तीनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल सिवनी भेजा गया है।

गिरफ्तार आरोपी

1. अविनाश काले उर्फ कालिया पिता सुधाकर काले उम्र 29 साल निवासी न्यू कैलाश नगर कुशीनगर बुद्ध विहार गली नं. 02 थाना अंजनी जिला नागपुर महाराष्ट्र - आदतन अपराधी, जिला नागपुर में हत्या के प्रयास, मारपीट, चोरी आदि के अपराध दर्ज।

2. अजय वरकड़े पिता रामसिंह वरकड़े उम्र 29 साल निवासी ग्राम उलट थाना बरघाट, हाल निवासी जयताड़ा एमआईडीसी थाना एमआईडीसी नागपुर महाराष्ट्र - जिला नागपुर में बलात्कार, मारपीट, नकबजनी आदि के अपराध दर्ज।

3. सुधाकर बट्टी पिता नरेश उम्र 28 साल निवासी ग्राम चिरचिरा थाना बरघाट।

तेज आंधी-बारिश से गिरी मक्के की फसल का विधायक रजनीश हरवंश सिंह ने लिया जायजा

सिवनी, स्वतंत्र मत। क्षेत्र में हाल ही में हुई तेज हवा, आंधी एवं बारिश से खेतों में खड़ी मक्के की फसल को हुए नुकसान का जायजा लेने केवलारी विधायक ठाकुर रजनीश हरवंश सिंह प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे। उन्होंने कान्हीवाड़ा-सहजपुरी क्षेत्र के खेतों में पहुंचकर गिरी हुई मक्के की फसल का निरीक्षण किया और किसानों से सीधे मुलाकात कर नुकसान की जानकारी ली।

इस दौरान किसानों ने विधायक को फसल खराब होने से उत्पन्न परेशानियों से अवगत कराया। विधायक ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर

मौजूद आरआई, पटवारी एवं तहसीलदार से फसल क्षति का उचित एवं वास्तविक सर्वे तथा आकलन कराने को कहा। साथ ही प्रभावित किसानों को शासन के नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही।

ग्राम मारबोडी गौशाला में अव्यवस्था और बदहाली

ग्राम मारबोडी स्थित गौशाला में अव्यवस्था और बदहाली का नंगा नाच जारी है। भक्ति और आस्था के नाम पर खोली गई इस गौशाला की स्थिति आज किसी कब्रगाह से कम नहीं है। आरोप है कि गौशाला में न तो मवेशियों के पेट भरने के लिए चारा है और न ही सिर छुपाने व बैठने की साफ जगह।

सिवनी, स्वतंत्र मत। भूख, बीमारी और गंदगी के कारण आए दिन बेजुबान गायें दम तोड़ रही है।सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि ग्राम पंचायत द्वारा जल रोको अभियान के तहत जो लगभग 200 गड्ढे पानी सहेजने के लिए खोदे गए थे, वे अब मृत गायों को दफनाने में काम आ रहे हैं। आलम यह है कि लगातार हो रही मौतों के कारण लगभग सभी गड्ढे भर चुके हैं, लेकिन मौतों का यह खौफनाक सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। ग्राम मारबोडी स्थित गौशाला की दयनीय स्थिति बनी हुई है ग्रामीणों का आरोप है कि गौशाला में साफ-सफाई और व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है तथा यहां आए दिन गायों की मौत हो रही है। लंबे समय से शिकायतें किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत द्वारा जल रोको अभियान के तहत करीब 200 गड्ढे खोदे गए थे लेकिन इन गड्ढों में मृत गायों को दफनाने की स्थिति बन गई है। उनका दावा है कि लगभग सभी गड्ढे भर चुके हैं जबकि गौशाला में गायों की मौत का सिलसिला कम नहीं हुआ है। गौशाला की व्यवस्थाओं की जांच कराने साफ-सफाई और पशुओं के लिए पर्याप्त चारा-पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

क्षेत्रीय विधायक एवं सांसद जिला प्रशासन मारबोड़ी गौशाला की वास्तविक स्थिति का संज्ञान ले कर सुधार करवाने के लिए सुनिश्चित किया जाए।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

बालाघाट, स्वतंत्र मत। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम खैरी में 32 वर्षीय युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना 26 सितंबर की रात की बताई जा रही है। घटना के समय युवक घर पर अकेला था, जबकि उसकी पत्नी मायके गई हुई थी।जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान रमेश पिता रामुलाल मसखरे, उम्र 32 वर्ष, निवासी खैरी वार्ड नंबर 07 के रूप में हुई है। बताया गया कि 27 सितंबर की सुबह परिजनों ने जब घर में देखा तो रमेश फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस

मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार युवक ने घर में मयाल से साड़ी के पल्लू का फंदा बनाकर फांसी लगाई थी। घटना की सूचना पर खैरलांजी पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। परिजनों के अनुसार रमेश की तबीयत अक्सर खराब रहती थी और वह शराब का सेवन भी करता था। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते उसने यह कदम उठाया होगा। हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने 27 सितंबर की सुबह शव को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी भेजकर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

स्टोर कीपर को कारण बताओ नोटिस जारी

बालाघाट। कलेक्टर कुमार सत्यम द्वारा स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सीएमएचओ स्टोर बालाघाट में आवश्यक औषधियों की उपलब्धता निर्धारित मानक से कम पाए जाने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने स्टोर कीपर विनोद कामड़े को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। स्टोर कीपर विनोद कामड़े को जारी नोटिस में उल्लेख किया गया है कि सीएमएचओ स्टोर में शासन द्वारा निर्धारित ईडीएल काउंट 448 के विरुद्ध मात्र 378 औषधियां उपलब्ध पाई गई हैं।

बैगा क्षेत्र में चार नई 108 एम्बुलेंस उपलब्ध कराने सीएमएचओ ने लिखा पत्र

बालाघाट, स्वतंत्र मत। जिले के बिरसा विकासखंड के दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य एवं संक्रमण प्रभावित क्षेत्रों में 108 एम्बुलेंस की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने एम्बुलेंस सेवा प्रदान करने वाली संस्था जय अम्बे इमरजेंसी सेवा के राज्य प्रमुख श्री मनीष सिंह को पत्र लिखकर प्रभावित क्षेत्र के लिए कम से कम 04 नवीन 108 बीएलएस एम्बुलेंस तत्काल उपलब्ध कराने कहा है। सीएमएचओ डॉ दाहिया ने बताया कि बिरसा विकासखंड के संक्रमण प्रभावित आदिवासी परिवारों के मरीजों को तत्काल निकटतम स्वास्थ्य संस्था अथवा जिला चिकित्सालय बालाघाट पहुंचाने के उद्देश्य से बैहर, बिरसा एवं सोनगुड्डा क्षेत्र में उपलब्ध 108 एम्बुलेंस के अलावा आकस्मिक स्थिति को देखते हुए समीपस्थ मंडला एवं जबलपुर जिले से भी अतिरिक्त एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई हैं। कंपनी के जिला समन्वयक पवन जैतवार द्वारा 8 एम्बुलेंसों के माध्यम से रेफरल परिवहन सेवा उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। जरूरत पड़ने पर एम्बुलेंस के लिए कॉल करने के बाद लगभग 3 से 4 घंटे में एम्बुलेंस उपलब्ध होने की बात सामने आई है। जिला समन्वयक द्वारा बताया गया है कि क्षेत्र में संचालित चार एम्बुलेंस पुरानी होने के कारण उनमें बार-बार तकनीकी खराबी आ रही है और मरम्मत के चलते समय पर सेवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। सीएमएचओ डा दाहिया ने कहा है कि एम्बुलेंस की उपलब्धता में विलंब होने से गंभीर मरीजों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने में कठिनाई उत्पन्न हो सकती है।

मारपीट, तोड़फोड़, खूनी झड़प और बवाल...!

रट्टा गांव मे दमाहे परिवार की गुंडागर्दी के खिलाफ भड़का आक्रोश

हिंसक झड़प में सरपंच-उपसरपंच समेत दर्जन भर ग्रामीण घायल

बालाघाट, (स्वतंत्र मत)।

जिले के भरवेली थाना क्षेत्र अंतर्गत रट्टा गांव में अवैध शराब, रेत और गिट्टी उत्खनन को लेकर लंबे समय से पनप रहा ग्रामीणों का आक्रोश आखिरकार हिंसक टकराव में बदल गया। एक ग्रामीण से मारपीट के बाद मामला इतना बढ़ा कि सरपंच और उपसरपंच के साथ भी मारपीट की घटना हो गई। इसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

देखते ही देखते गांव में लाठी-डंडे चलने लगे और एक पक्ष के घर में गुस्साए ग्रामीणों ने जमकर तोड़फोड़ की। जहाँ ग्रामीणों ने दमाहे परिवार के घर मे खडे

चौपाहिया वाहन, दोपहिया वाहन, ट्रेक्टर मे जमकर तोड़फोड़ की। घटना में करीब 10 से 12 ग्रामीणों के घायल होने की बात कही जा रही है। जहाँ इस पुरे बवाल से गांव मे तनावपूर्ण स्थिति बन गई और पूरा गांव पुलिस छावनी मे बदल गया। इस पुरे विवाद मे ग्रामीणों का आरोप है कि रामचरण दमाहे और उनके परिवार के सदस्य ज़िलालाल दमाहे, रोमन दमाहे, करण, अर्जुन, ओमकार, राजेश और सेवाकराम लिल्हारे को लेकर गांव में लंबे समय से विवाद और नाराजगी की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, परिवार पर रेत और गिट्टी के अवैध उत्खनन के साथ ही अवैध शराब सहित अन्य गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप लगते रहे हैं। ज़ब ग्रामीणो ने द्वारा इन गतिविधियों का विरोध किया जाता है तो उन्हें साथ विवाद और मारपीट की स्थिति बनती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि ग्रामीण लंबे समय से अवैध खनन की शिकायतें कर रहे थे, तो संबंधित खनिज और राजस्व विभाग की निगरानी आखिर कहां थी? रेत और गिट्टी का उत्खनन यदि नियमों के विपरीत हो रहा था तो जिम्मेदार विभागों ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की? और यदि आरोप गलत हैं तो विभाग मौके पर जांच कर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं करता? 27 सितंबर की सुबह उपजे बवाल क़ो लेकर बताया जा रहा है कि विवाद की शुरुआत दूध का व्यापार करने वाले ग्रामीण मुकेश मसकोले के साथ हुई मारपीट से हुई। जहाँ दमाहे परिवार के द्वारा दूधवाले के साथ मारपीट की गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद सरपंच और उपसरपंच मौके पर पहुंचे और मामले को शांत कराने का प्रयास किया, तो उनके साथ भी दमाहे परिवार ने मारपीट कर लीं। इसके बाद गांव में तनाव बढ़ गया और बड़ी संख्या में ग्रामीणो ने रामचरण दमाहे के घर क़ो घेर लिया और उन्हें घर जमकर लाठीडंडे चले। दहशत मे दमाहे परिवार और उनके घर आये मेहमान घर मे कैद हो गए। जिसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा और बढ़ गया और गुस्साए लोगो ने उनके घर जमकर तोड़फोड़ की। जहाँ इस हिंसक झड़प में कई ग्रामीण घायल हुए हैं। जिनमे घायल में मुकेश मर्सकोले पेंडीटोला, महेश राणा, विजय राणा, जानू सिंह टेकाम, बब्बू मड़वी, कमला मर्सकोले समेत अन्य घायल है, जिनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं जितेंद्र राणा उपसरपंच, रवि कुमरे सरपंच, दिनेश ठाकरे, पवन राणा, मुकेश चौधरी सहित अन्य को मामूली घोटे आई हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने सिर्फ गांव की कानून-व्यवस्था पर ही नहीं, बल्कि अवैध खनन पर निगरानी रखने वाले सरकारी तंत्र पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। किसी भी परिवार या व्यक्ति की कथित दबंगई इतनी नहीं हो सकती कि ग्रामीणों को शिकायत करने या विरोध करने से डर लगे। वहीं दूसरी ओर, विरोध के नाम पर कानून हाथ में लेना और तोड़फोड़ करना भी किसी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। फिलहाल पुलिस ने गांव में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। वही इस हिंसक झड़प मे घायल लोगो के बयान लेकर उनकी शिकायत दर्ज की गई है।

अमीरगंज गौशाला में मौत का मंजर!

दर्जनों गाय, बैल और बछड़े मृत दिखाई देने का दावा

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर निगम की अमीरगंज गौशाला का एक वायरल वीडियो वहां की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। वीडियो में दर्जनों गाय, बैल और बछड़े मृत दिखाई दे रहे हैं। परिसर में कीचड़, गंदगी और बीमार मवेशियों की स्थिति भी दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद गौशाला में मवेशियों की देखरेख को लेकर स्थानीय स्तर पर नाराजगी बढ़ गई है। वायरल वीडियो में कुछ मवेशी बेहद कमजोर और बीमार हालत में दिखाई दे रहे हैं, जबकि कुछ के शरीर पर घाव नजर आने का दावा किया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि निगम की निगरानी में संचालित गौशाला में मवेशियों को पर्याप्त चारा-पानी और समय पर उपचार मिल रहा है या नहीं।आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला में रखने के साथ उनकी देखरेख, भोजन और उपचार की व्यवस्था नगर निगम की जिमेदारी है। इसके बावजूद यदि वायरल वीडियो में दिखाई दे रही स्थिति अमीरगंज गौशाला की ही है, तो व्यवस्था की निगरानी करने वाले जिमेदारों की भूमिका पर सवाल उठना स्वाभाविक है। बारिश के बीच कीचड़ और गंदगी में मवेशियों का रहना स्थिति को और गंभीर बना रहा है। मौके पर पहुंचीं समाजसेवी इंदिरा मिश्रा ने गौशाला की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए तत्काल जांच की मांग की। स्थानीय लोगों ने चारा-पानी की उपलधता, पशु चिकित्सक की नियमित मौजूदगी, कर्मचारियों की उपस्थिति, बीमार पशुओं के उपचार और मृत मवेशियों के निस्तारण से जुड़े रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की है। गौशाला प्रभारी संजय सोनी की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि, उसमें दिखाई दे रहे मवेशियों की संख्या और मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। नगर निगम प्रशासन और प्रभारी का पक्ष भी सामने आना बाकी है।

भरभराकर गिरा जर्जर भवन का बारजा

बुजुर्ग की मौत, सागर पुलिया के पास स्थित अग्रवाल बिल्डिंग की घटना

कटनी (स्वतंत्रमत)

रंगनाथ थाना क्षेत्र के अंतर्गत बजाज एजेंसी के सामने शनिवार दोपहर जर्जर बिल्डिंग के पीछे का हिस्सा भरभराकर गिर गया। मलबे की चपेट में आने से भवन में रह रहे 70 वर्षीय प्रेमलाल गड़ारी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर रंगनाथ थाना पुलिस पहुंची और शव को कजे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। मृतक प्रेमलाल गड़ारी पिता लूसन प्रसाद गड़ारी ग्राम पिलोजी थाना कुठला के निवासी थे। वे अग्रवाल के यहां मैनेजर के रूप में कार्य करते थे और इसी भवन में रहते थे। शनिवार दोपहर वह शौचालय की ओर गए थे। इसी दौरान भवन का क्षतिग्रस्त हिस्सा अचानक नीचे आ गिरा और वह मलबे में दब गए। स्थानीय लोगों के अनुसार अग्रवाल बिल्डिंग लंबे समय से जर्जर हालत में है। भवन के बारजे सहित अन्य हिस्सों के क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आ रही है। बारिश के दौरान पुराने और कमजोर भवनों के गिरने का खतरा बढ़ जाता है। इसके बावजूद इस भवन में लोगों की आवाजाही बनी रही।

स्थानीय स्तर पर यह भी जानकारी सामने आई है कि इस भवन में पहले भी हादसा हो चुका है। यदि पूर्व में भी घटना हुई थी तो सवाल उठता है कि इसके बाद भवन की सुरक्षा को लेकर या कार्रवाई की गई। अग्रवाल बिल्डिंग में हुई मौत ने शहर के जर्जर भवनों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बारिश के बीच नगर निगम के सामने अब यह चुनौती है कि शहर में मौजूद खतरनाक भवनों का सर्वे कर उनकी स्थिति का आकलन किया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि जर्जर भवनों को केवल चिन्हित करने के बजाय उनकी स्थिति के अनुसार नोटिस, मरम्मत, भवन खाली कराने अथवा नियमानुसार सुरक्षित तरीके से हटाने की कार्रवाई जरूरी है। एक बुजुर्ग की जान जाने के बाद अब सवाल यह है कि या निगम शहर के दूसरे जर्जर भवनों को लेकर हादसे का इंतजार करेगा या समय रहते कार्रवाई करेगा।

एलआईसी किश्त जमा करने के नाम पर ठगे डेढ़ लाख

रीठी पुलिस ने अज्ञात जालसालों पर दर्ज किया मामला

कटनी (स्वतंत्रमत)

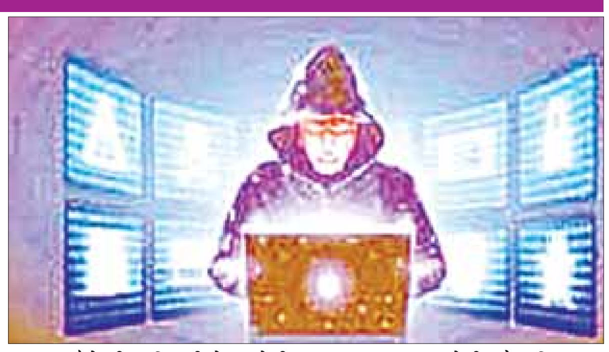

रीठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीमा पॉलिसी की किश्त जमा करने का झांसा देकर एक व्यक्ति से डेढ़ लाख रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात शातिर ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रीठी थाना क्षेत्र के ग्राम देवगांव निवासी राकेश विश्वकर्मा पिता तानसेन विश्वकर्मा को अज्ञात ठग ने अपने जाल में फंसाया। आरोपी ने फरियादी को उसकी लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी की किश्त जमा करने का झांसा दिया। झांसे में आकर जैसे ही फरियादी ने आरोपी के बताए अनुसार प्रक्रिया की, उनके खाते से 1 लाख 50 हजार रुपये पार हो गए। ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने रीठी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। रीठी पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं 319 (2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस साइबर सेल की मदद से आरोपी के बैंक खातों व मोबाइल नंबर को ट्रेस करने में जुटी है।

पति से विवाद के बाद उठाया आत्मघाती कदम

गंभीर हालत में जबलपुर किया गया रिफर, निर्माणाधीन तीन मंजिला इमारत से महिला ने लगाई छलांग

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिला अस्पताल परिसर में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला निर्माणाधीन तीन मंजिला इमारत की छत पर पहुंच गई और देखते ही देखते नीचे छलांग लगा दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को तत्काल ओपीडी लाया गया और प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज जबलपुर रिफर किया गया है। जानकारी के अनुसार माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत इंद्रा ज्योति कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय दुर्गा वंशकार पति से विवाद के बाद जिला अस्पताल में स्थित निर्माणाधीन इमारत की चौथी मंजिल पर चढ़ गई। महिला को ऊंचाई पर खड़ा देख अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों की नजर उस पर पड़ी। इसके बाद उसे नीचे उतारने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों, सुरक्षा कर्मचारियों और पुलिस ने करीब 30 मिनट तक समझाने का प्रयास किया। महिला को लगातार नीचे आने के लिए कहा जा रहा था लेकिन इसी दौरान उसने अचानक चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। महिला के नीचे गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। अस्पताल कर्मचारियों और मौजूद लोगों ने तत्काल उसे उठाकर इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पति के साथ पुणे जाने को लेकर था विवाद- महिला की सास मालती बाई वंशकार के अनुसार दुर्गा अपने पति के साथ पुणे जाने की जिद कर रही थी। वहीं बच्चों की तबीयत खराब होने के कारण पति फिलहाल उसे साथ ले जाने के लिए तैयार नहीं था। इसी बात को लेकर घर में विवाद की स्थिति बनी थी। बताया जाता है कि अस्पताल में भी पति से इसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद उसने आत्मघाती कदम उठा लिया।

कोष्टा समाज की कार्यकारिणी गठित

कटनी (स्वतंत्रमत)। कोष्टा समाज की बैठक संतनगर नई बस्ती निवासी गंगाराम के यहां सम्पन्न हुई, कोष्टा समाज की बैठक में सर्वसम्मति से कोष्टा समाज के अध्यक्ष पद के लिए गंगाराम कोष्टा को चुना गया इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद के लिए ज्ञानचंद कोष्टा, सचिव संजय कोष्टा, कोषाध्यक्ष नितेश कोष्टा सह कोषाध्यक्ष पंकज कोष्टा को चुना गया, संरक्षक मंडल में जगदीश कोष्टा, अशोक कोष्टा, संतोष कोष्टा को मनोनीत किया गया। कोष्टा समाज की बैठक में सर्वसम्मति से अंतरजातिय विवाह में सहमति जताई साथ ही मृत्यु भोज की अनिवार्यता को समाप्त करते हुए कई विषयों पर चर्चा हुई । कोष्टा समाज की बैठक में गंगाराम कोष्टा, जगदीश कोष्टा, ज्ञानचंद कोष्टा, संतोष कोष्टा, अशोक कोष्टा, राजेश कोष्टा, सुजीत कोष्टा कल्लू, चंद्रशेखर कोष्टा, जगदीश कोष्टा, टोनी कोष्टा, जितेंद्र कोष्टा जीतू, कुलदीप कोष्टा पंकज कोष्टा, बंटू कोष्टा सुशील कोष्टा रितेश कोष्टा सरमन कोष्टा, बबलू कोष्टा, विक्रम कोष्टा, मनोज कोष्टा, रामभरोस कोष्टा, शानू कोष्टा, संदीप कोष्टा, दीपक कोष्टा शामिल थे।

अग्रवाल नवयुवक मंडल, कटनी द्वारा पाँचवाँ विशाल रक्तदान शिविर संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

अग्रसेन जयंती महोत्सव 2026 के अंतर्गत आयोजित आठ दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रथम दिवस पर पाँचवें विशाल रक्तदान शिविर एवं विशेष स्वास्थ्य जाँच शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रवाल समाज के अध्यक्ष पवन मित्तल एवं सचिव आनन्द राज अग्रवाल ने भगवान अग्रसेन के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पूजन-अर्चन के साथ किया। तत्पश्चात अध्यक्ष पवन मित्तल ने स्वयं प्रथम रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया साथ ही विवेक अग्रवाल, एवं कपिल अग्रवाल ने भी रक्तदान किया जिससे उपस्थित सभी रक्तदाताओं में उत्साह का संचार हुआ। शिविर में समाज के युवाओं, महिलाओं एवं पुरुषों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आज के शिविर में लगभग 45 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दिया। इसके साथ ही आयोजित विशेष जाँच शिविर में लगभग 60 महिला-पुरुषों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें थैलेसेमिया, सीबीसी एवं एचबीए1सी जैसी महत्वपूर्ण जाँचें निःशुल्क की गईं। इस अवसर पर महिलाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति एवं सक्रिय भागीदारी विशेष रूप से सराहनीय रही, जो समाज में सेवा-भावना के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रतीक है। सभी रक्तदाताओं को फूल माला, फल, फ्रूटी एवं लक्ष्मी कलर लैब द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की फोटो युक्त डाक टिकट भेंट की गई। शासकीय जिला चिकित्सालय, कटनी से पधारे ब्लड बैंक के चिकित्सकों एवं स्टाफ ने अत्यंत सहयोगी भाव से पूरे शिविर में अपना अमूल्य योगदान दिया। शिविर के समापन अवसर पर अग्रवाल नवयुवक मंडल के सचिव रोहित कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष वैभव अग्रवाल शिविर संयोजक निशांत अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, आनंद, शिवम अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, अतिन, संतोष अग्रवाल, अनिरुद्ध अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, निमिषा अग्रवाल, अलका अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल एवं पायल अग्रवाल द्वारा जिला चिकित्सालय से आए समस्त स्टाफ का आत्मीय स्सम्मान किया गया। समाज के पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल एवं कार्यक्रम के संचालक निशांत अग्रवाल द्वारा शासकीय चिकित्सालय के समस्त स्टाफ को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में अग्रवाल नवयुवक मंडल एवं अग्रवाल महिला मंडल ने सभी रक्तदाताओं सहयोगी अग्रबंधुओं तथा जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक स्टाफ के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

स्टेशन के बाहर यात्री से लूटे रूपए

बिना रिपोर्ट दर्ज कराए, अपने सफर पर निकल गया यात्री

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी रेलवे जंशन के बाहर यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। चाय के ठेले के पास खड़े एक यात्री से अज्ञात बदमाशों ने कथित तौर पर दिनदहाड़े 3 हजार रूपए लूट लिए। वारदात के बाद स्टेशन परिसर में हड़कप मच गया। बताया जा रहा है कि यात्री स्टेशन के बाहर चाय के ठेले के पास खड़ा था। इसी दौरान अज्ञात तत्वों ने कथित तौर पर उसके साथ गाली-गलौज करते हुए लूट की वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर 112 की टीम मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच-पड़ताल की। घटना के बाद जीआरपी, आरपीएफ और खिरहनी पुलिस चौकी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्टेशन जैसे संवेदनशील और यात्रियों की लगातार आवाजाही वाले क्षेत्र में दिनदहाड़े ऐसी घटना की जानकारी सामने आना चिंता का विषय है। सवाल यह है कि यदि कोई यात्री सफर की जल्दबाजी में शिकायत दर्ज कराने के लिए रुक नहीं पाता, तो उसके साथ हुई कथित वारदात की जानकारी पुलिस तक किस तरह पहुंचेगी और मामले की जांच कौन करेगा। घटना स्थल और स्टेशन के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की जाए तो संदिग्धों की पहचान में मदद मिल सकती है। साथ ही स्टेशन के बाहर सक्रिय संदिग्ध लोगों और आपराधिक गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने की जरूरत भी सामने आ रही है।

कटनी ब्लड डोनर एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा पितरों की याद में सेवा-भोज कार्यक्रम

कटनी (स्वतंत्रमत)

कटनी ब्लड डोनर एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा पितरों की याद में सेवा-भोज कार्यक्रम का आयोजन

दद्दाधाम वृद्धाश्रम में किया गया। पितृ पक्ष के पावन अवसर पर आयोजित इस सेवा-भोज कार्यक्रम का उद्देश्य वृद्धजनों की सेवा करना, उनके साथ समय बिताना तथा उन्हें परिवार जैसा स्नेह प्रदान करना रहा। सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने दद्दा जी आश्रम पहुँचकर दद्दा का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं समाधि स्थल के दर्शन किए। इसी दौरान आश्रम में सभी वृद्धजनों को संस्था के सभी सदस्यों द्वारा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। इसके उपरांत सभी सदस्यों ने बुजुर्गों के साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया तथा आत्मीय संवाद कर उनके हालचाल जाने। भोजन पश्चात सभी वृद्धजनों को तिलक लगाकर फल एवं भेंट स्वरूप सामग्री प्रदान की गई तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना संस्था के अध्यक्ष लोकेश (टीनू) सचदेवा, महिला विंग अध्यक्ष मंजू शर्मा एवं महामंत्री रौनक खंडेलवाल द्वारा प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर संस्था के समस्त पदाधिकारी, सदस्यगण एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिलेश पुरवार एवं राज सोनी द्वारा की गई। अंत में सभी का आभार संस्था के सूचना प्रभारी अंकित बिलैया एवं पुष्पा ठाकुर के द्वारा व्यक्त किया गया। संतोष पांडे, दीपक सोनी, शरद सोनी, लक्षित सचदेवा, आशु तिवारी, मुकेश तिवारी, अतुल सोनी, प्रदीप द्विवेदी, रोशनी जायसवाल, रश्मि अग्रवाल, धनश्री अग्रवाल, शिखा खंपारिया, मनीषा पुरवार, रेनू शुक्ला, अनीता ठाकुर, नेहा साहू, श्रुति सेठिया, माया शर्मा, संजना पांडे, प्रेमलता खंपारिया, पूनम पाठक एवं अन्य सदस्य उपस्थित हुए। कार्यक्रम के दौरान सभी वृद्धजनों के चेहरों पर प्रसन्नता और संतोष स्पष्ट रूप से देखने को मिला। संस्था ने इसे अपनी सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में एक सार्थक कदम बताया। संस्था सभी सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करती है तथा भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों का निरंतर आयोजन करने का संकल्प लेती है।

1713 आंगनबाड़ी केंद्रों में गूंजा सेवा का संदेश

आंगन मिलन में बच्चों से लेकर माताओं तक संवाद, 17,310 हितग्राही जुड़े

कटनी (स्वतंत्रमत)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों को जनसंवाद और सेवा गतिविधियों के केंद्र के रूप में जोड़ा गया। जिले के सभी 1713 आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित 'आंगन मिलन' कार्यक्रम में बच्चों, माताओं और महिला हितग्राहियों से संवाद के साथ स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, स्वच्छता और पर्यावरण से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पत्र का वाचन और वीडियो संदेश का प्रदर्शन किया गया। वहीं आंगनबाड़ी केंद्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण और स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों के लिए खेल में शिक्षा का प्रयोग 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए शाला पूर्व शिक्षा आधारित गतिविधियां कराई गईं। खेल और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सीखने के अवसर दिए गए। दूसरी ओर 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों की माताओं, गर्भवती और धात्री महिलाओं सहित अन्य महिला हितग्राहियों से संवाद कर स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। विभाग के अनुसार कार्यक्रम में 17,310 हितग्राहियों की सहभागिता रही।

सेवा देने वालों को मिला सम्मान- महिला एवं बाल स्वास्थ्य तथा पोषण के क्षेत्र में सेवाओं के लिए 3150 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं और 1600 आशा कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उनके कार्यों की सराहना करते हुए सेवा गतिविधियों को आगे भी प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया गया।

रात में अब नई कटनी का डिपार्चर यार्ड जगमगाएगा

130 फ्लड लाइटों से बढ़ी सुरक्षा, 11 पोर्टल बूम पर लगी 160 वाट की आधुनिक लाइटें

कटनी (स्वतंत्रमत)। नई कटनी जंक्शन के डिपार्चर यार्ड में अब रात के समय रेल परिचालन से जुड़े काम अधिक रोशनी और बेहतर दृश्यता के बीच होंगे। जबलपुर रेल मंडल ने यहां पोर्टल लाइटिंग का काम पूरा करते हुए 11 पोर्टल बूम स्ट्रक्चर पर कुल 130 आधुनिक फ्लड लाइटें स्थापित की हैं। प्रत्येक लाइट 160 वाट क्षमता की है। यार्ड में पहले रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने से परिचालन से जुड़े कार्यों में अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ती थी। नई व्यवस्था के बाद पूरे डिपार्चर यार्ड में समान रूप से प्रकाश उपलब्ध होगा। इससे ट्रेनों के प्रस्थान से जुड़े कार्यों, निगरानी और तकनीकी गतिविधियों में कर्मचारियों को सुविधा मिलने की उम्मीद है। रेल मंडल के अनुसार बेहतर रोशनी का सीधा असर कार्यस्थल की सुरक्षा और कर्मचारियों की कार्यदक्षता पर पड़ेगा। खासकर रात्रिकालीन शिफ्ट में यार्ड के अलग-अलग हिस्सों में काम करने वाले कर्मचारियों को अब स्पष्ट दृश्यता मिलेगी। मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा के मार्गदर्शन में पूरा हुआ यह काम निर्धारित समय से पहले पूरा किया गया। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता

वीरेंद्र कुमावत के समन्वय में मंडल विद्युत अभियंता जे.एस. पाल, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता अजवीर सिंह और उनकी टीम ने कार्य को अंजाम दिया। नई कटनी जंक्शन का डिपार्चर यार्ड रेल परिचालन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में यहां प्रकाश व्यवस्था मजबूत होने से रात में होने वाले परिचालन और रखरखाव संबंधी कार्यों को अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से करने में मदद मिलेगी।

एशियन गेम्स : 8वें दिन भारत ने 4 सिल्वर समेत 7 मेडल जीते

सर्वेश ने हाई जंप में मेडल जीता, भारत के नाम अब तक 37 मेडल

आइची नागोया।

भारत ने एशियन गेम्स में रविवार को 4 सिल्वर समेत 7 मेडल जीते। सर्वेश कुशारे ने मेंस हाई जंप में सिल्वर मेडल हासिल किया। उन्होंने 2.25 मीटर की बेस्ट जंप की। रविवार को पारुल चौधरी ने महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज में 9:08.67 के पर्सनल बेस्ट के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। इससे पहले एंसी सोजन ने महिला लॉन्ग जंप में 6.53 मीटर की छलांग लगाकर सिल्वर और तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन में 7934 अंकों के साथ ब्रॉन्ज जीता। स्क्वॉश में अभय सिंह और अनाहत सिंह ने सिल्वर मेडल हासिल किए। हरिता भद्रा ने महिला 200 मीटर में 23.20 सेकेंड के साथ ब्रॉन्ज जीता। बॉक्सिंग में अंकुश पंघाल और परवीन हुड्डा ने क्वार्टर फाइनल जीतकर 2 और मेडल पक्के किए। अंकुश ने मेंस 80 किग्रा में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलीमोव और परवीन ने महिला 65 किग्रा में उज्बेकिस्तान की नवबहोर खामिदोवा को 5.0 से हराया। 8वें दिन भारत ने अब तक 7 मेडल जीते हैं। इसके साथ भारत के कुल 37 मेडल हो गए हैं। इनमें 4 गोल्डए 16 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

एंसी सोजन ने लॉन्ग जंप में जीता रजत पदक

एंसी सोजन ने महिला लॉन्ग जंप में 6.53 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक जीता। वह स्वर्ण पदक जीतने वाली चीन की हुआंग यिंगयिंग से सिर्फ2 सेंटीमीटर पीछे रहीं, जिन्होंने अपने आखिरी प्रयास में 6.55 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी हमवतन शैली सिंह फाइनल के अधिकांश समय पदक की दौड़ में बनी हुई थीं, लेकिन 6.42 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहीं। चीन की तान यू ने अपने आखिरी प्रयास में 6.46 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता। एंसी सोजन ने हांगझोउ 2023 में भी रजत पदक जीता था।

पारुल चौधरी ने 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में जीता कांस्य

पारुल चौधरी ने महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में 9:08.67 के अपने अब तक के सबसे अच्छे समय और नेशनल रिकॉर्ड के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। पारुल आखिरी लैप तक बहरीन की विनफ्रेड यावी के साथ बनी रहींए लेकिन फिर पीछे छूट गईं। कजाकिस्तान की नोरा जेरुतो तानुई ने 9:06.82 के समय के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि यावी ने 9:04.36 के एशियन गेम्स रिकॉर्ड समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। उनकी साथी खिलाड़ी अंकिता 9:19.24 के अपने अब तक के सबसे अच्छे समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं। यह पारुल का तीसरा एशियन गेम्स मेडल है, इससे पहले उन्होंने हांगझोऊ 2023 में 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में सिल्वर और 5000 मीटर में गोल्ड मेडल जीता था।

तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन में जीता कांस्य

तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन में कुल 7934 अंकों के साथ कांस्य पदक जीताए जो हांगझोउ 2023 में जीते गए रजत पदक के साथ एशियाई खेलों का दूसरा पदक है। तेजस्विन ने अंतिम स्पर्धा, 1500 मीटरए 4:33.09 के समय के साथ 724 अंक अर्जित करके पहले स्थान पर समाप्त की। जापान की युमा मारुयामा ने 8123 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीताए जबकि चीन की चेन जिंगहुआ ने 8012 अंकों के साथ रजत पदक जीता।

हरिता भद्रा ने महिला 200 मीटर फाइनल में जीता कांस्य

हरिता भद्रा ने महिला 200 मीटर फाइनल में 23.20 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। उन्होंने फिनिश लाइन पर शानदार तरीके से डाइव लगाते हुए चौथे स्थान पर रहने वाली एथलीट को सिर्फ 0.01 सेकेंड के अंतर से पीछे छोड़ा।आइची.नागोया में 100 मीटर दौड़ का रजत पदक जीतने वाली सिंगापुर की शांति परेरा ने 22.78 सेकेंड के सीजन के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीताए जबकि चीन की चेन युजी ने 22.93 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया।

चेस ओलिंपियाड में भारत को डबल मेडल

ओपन कैटेगरी में सिल्वर, महिला टीम ने ब्रॉन्ज जीता, वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश हारे

समरकंद।

भारतीय पुरुष टीम ने 46वें शतरंज ओलंपियाड के अंतिम दौर में रविवार को हंगरी के साथ ड्रॉ खेलकर टाईब्रेकर में रजत पदक हासिल किया जबकि महिला टीम ने जॉर्जिया के साथ बाजी बराबर रहने के बाद कांस्य पदक अपने नाम किया। उज्बेकिस्तान ने ओपन वर्ग में यूक्रेन के खिलाफ अंतिम दौर का मुकाबला 2.5-1.5 से जीतकर स्वर्ण पदक फिर अपने नाम किया। उज्बेकिस्तान ने संभावित 22 में से 20 अंक जुटाए। टीम ने 10 दौर में जीत दर्ज की और केवल एक मुकाबला जर्मनी के खिलाफ गंवाया। भारतीय पुरुष टीम ने 18 अंक जुटाए और नीदरलैंड को हराने वाले जर्मनी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रही। हालांकि बेहतर टाईब्रेकर स्कोर के कारण भारत को रजत पदक मिला जबकि जर्मनी को कांस्य से संतोष करना पड़ा। महिला वर्ग में चीन ने वियतनाम के खिलाफ 3-1 की शानदार जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक हासिल किया। चीन ने भी कुल 20 अंक जुटाए जबकि दूसरे स्थान पर रहे कजाखस्तान के खाते में दो अंक कम रहे।भारतीय महिला टीम को एक बार फिर बी सविता श्री ने संभाला जो भारतीय खिलाड़ियों में स्पष्ट रूप से सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी रहीं। सविता ने अपने 10 मुकाबलों में नौ अंक हासिल किए और उनके प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम कांस्य पदक जीतने में सफल रही। जॉर्जिया के खिलाफ मुकाबले में हम्पी ने नाना द्जाग्निद्जे के खिलाफ आसान जीत दर्ज की लेकिन चौथे बोर्ड पर दिव्या देशमुख को बेला खोतेनाशविली के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

तीसरे बोर्ड पर वंतिका अग्रवाल के मुकाबला ड्रॉ करने के बाद सविता श्री पर काफी जिम्मेदारी आ गई। उन्हें बेहद मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़ा जिसमें उनके राजा पर लगातार दबाव था। हालांकि सविता ने आखिर तक संघर्ष करते हुए हर चाल का जवाब दिया और ड्रॉ हासिल करने में सफल रहीं।

सविता ने जीता व्यक्ति गत स्वर्ण, डी गुकेश गोल्ड से चूके

टीम कांस्य के अलावा सविता ने अपने प्रदर्शन के लिए व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी जीता। हम्पी और वंतिका अग्रवाल ने व्यक्तिगत कांस्य पदक हासिल किया जबकि दिव्या देशमुख को रजत पदक मिला। भारतीय पुरुषों में आर प्रज्ञानानंदा ने अपने प्रदर्शन के लिए कांस्य पदक जीता जबकि अंतिम दौर में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण डी गुकेश मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए।

पीवी सिंधू को मिली करारी हार

बैडमिंटन में भारत का सफर सिर्फएक ब्रॉन्ज मेडल के साथ खत्म

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय बैडमिंटन दल का सफर बेहद निराशाजनक रहा। आइची.नागोया में भारत को बैडमिंटन में सिर्फएक ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। यह मेडल भी मेंस टीम इवेंट में आया। इंडिविजुअल इवेंट में भारत 2014 के बाद पहली बार बिना किसी मेडल के लौटा है। महिला सिंगल्स में सारी उम्मीदें पीवी सिंधु और युवा सनसनी उन्नति हुड्डा पर थीं। दोनों ही क्वार्टर फाइनल में बेहद करीबी मुकाबले हारकर बाहर हो गईं। सिंधु ने चीन की चेन यूफेई के खिलाफ पहला गेम जीता थाए लेकिन अगले दो गेम गंवाकर 1.2 से मैच हार गईं। वहीं 18 साल की उन्नति ने जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ दूसरा गेम जीतकर वापसी की थी, लेकिन निर्णायक गेम में वह टिक नहीं पाईं और 1.2 से हार गईं। डबल्स में भी कहानी कुछ ऐसी ही रही। वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को वर्ल्ड नंबर 5 मलेशियाई जोड़ी पर्ली टैन और थीनाह मुरलीधरन ने क्वार्टरफाइनल में हरा दिया।

भारत का क्वार्टर फाइनल में सामना अफगानिस्तान से

निशिन।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स 2026 के क्वार्टर फाइनल में अफ़गानिस्तान से भिड़ेगी। इसी मुकाबले ने हांगझोऊ 2023 में गोल्ड मेडल का फैसला किया था। मैच भारतीय समयानुसात सुबह 10 बजे शुरू होने वाला है। टी 20 कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में डिफेंडिंग एशियन गेम्स क्रिकेट चैंपियन भारत ने अपनी सीडिंग के कारण सीधे क्वार्टर.फ़ाइनल चरण से टूर्नामेंट में प्रवेश किया। विश्व चैंपियन ने मेज़बान जापान के खिलाफ़ बारिश से प्रभावित पाँच ओवर के एक टी 20 मैच के साथ तैयारी की और मैच दो रन से जीता। टूर्नामेंट के दौरान वैभव सूर्यवंशी पर सबकी नज़रें होंगी। 15 वर्षीय खिलाड़ी शानदार इंडियन प्रीमियर लीग सीज़न के

बाद आ रहे हैं और हाल ही में भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने हैं। यह युवा खिलाड़ी पुरु क्रिकेट में टी 20 में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बने। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क की छोटी बाउंड्री सूर्यवंशी के खास खेल के लिए एकदम सही माहौल दे सकती हैं। वहीं अफ़ग़ानिस्तान ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहकर एशियन गेम्स के अंतिम आठ में पहुँचा। दरविश रसूली की टीम ने अपने पहले ग्रुप मैच में जापान को आसानी से हरायाए लेकिन दूसरे मैच में नेपाल ने उन्हें चौंका दिया। अफ़ग़ानिस्तान क्रिकेट टीम की नज़र मौसम पर भी होगी। मौसम विभाग ने सोमवार को निशिन में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। एशियन गेम्स 2026 के क्रिकेट नियमों के अनुसार, अगर कोई नॉकआउट मैच रद्द हो जाता है, तो उस मैच में बेहतर रैंकिंग वाली टीम को विजेता घोषित किया जाएगा। इसी नियम के कारण हांगझोऊ में फ़ाइनल रद्द होने के बाद भारत ने ख़िताब जीता था।

भारतीय पुरुष टीम भी भारतीय महिला टीम की तरह ही कामयाबी हासिल करना चाहेगीए जिन्होंने आइची.नागोया 2026 में फाइनल में श्रीलंका को हराकर अपना गोल्ड मेडल सफलतापूर्वक बचाया था। अन्य क्वार्टर.फाइनल में उसी दिन हांगकांग चीन का मुक़ाबला पाकिस्तान से होगा, जबकि मंगलवार को नेपाल का सामना श्रीलंका से और बंगलादेश का मुक़ाबला मलेशिया से होगा।

बटलर की बराबरी कर डेविड मिलर ने तोड़ा एमएस धोनी का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज डेविड मिलर ने एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मिलर ने 152.69 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए केवल 93 गेंद में 12 चौके और 9 छक्के की मदद से 142 रन की पारी खेली। इतना ही नहीं उन्होंने कप्तान तेंबा बावुमा के साथ चौथे विकेट के लिए 156(132) रन की साझेदारी की। मिलर के अलावा तेंबा बावुमा ने भी 116 गेंद में 103 रन की पारी खेली। डेविड मिलर का यह वनडे में 8वां शतक था। इसके साथ ही उन्होंने नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ने के मामले में एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। धोनी ने नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए 7 शतक जड़े थे। मिलर ने जोस बटलर बटलर के ;8 शतकद्ध की बराबरी कर ली। इतना ही नहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वाधिक शतक जड़ने के मामले में मिलर ने क्विंटन डिकॉक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिलर का यह चौथा शतक था। डिकॉक के नाम 3 शतक है। इस लिस्ट में टॉप पर फाफ डु प्लेसिस हैं।

देश की पहली बंदरगाह आधारित ई-मेथनॉल परियोजना का शिलान्यास

गांधीधाम। गुजरात के कांडला में शनिवार को देश की पहली बंदरगाह आधारित ई-मेथनॉल परियोजना का शिलान्यास किया गया। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांडला स्थित दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी में इस परियोजना की आधारशिला रखी। करीब 2,300 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस संयंत्र में रोजाना 150 टन ई.मेथनॉल का उत्पादन

किया जाएगा। इसके लिए नवीकरणीय ऊर्जा, पानी और जैविक स्रोतों से प्राप्त कार्बन डाइऑक्साइड यानी सीओ2 का इस्तेमाल किया जायेगा। ई-मेथनॉल को समुद्री परिवहन के लिए ग्रीन फ्यूल के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। परियोजना से तैयार ईंधन की आपूर्ति एशिया-यूरोप अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग पर चलने वाले जहाजों को किए जाने की योजना है। साथ ही वैश्विक हरित ईंधन निर्यातक बनने की दिशा में भी यह परियोजना अहम मानी जा रही है। यह परियोजना दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी और असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड की संयुक्त पहल है।

इसे चरणबद्ध तरीके से स्थापित किया जायेगा। परियोजना से 3,500 लोगों को सीधे या परोक्ष रूप से रोजगार मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही कांडला और आसपास के क्षेत्रों में हरित ऊर्जा की पूरी मूल्य श्रृंखला विकसित होने की संभावना है। इसमें ईंधन का परिवहन, भंडारण, आपूर्ति और इससे जुड़े सहायक उद्योग शामिल होंगे। यह परियोजना साल 2070 तक देश के शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनने के लक्ष्य के अनुरूप है।श्री पटेल ने कहा कि गुजरात भारत का दुनिया के लिए प्रवेश द्वार है। अब कांडला के माध्यम से गुजरात दुनिया के लिए हरित ऊर्जा का गेटवे भी बनेगा। उन्होंने कहा कि कच्छ और गुजरात की लंबी समुद्री तटरेखा दुनिया के जहाजों को ह उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

एफपीआई ने सितंबर में अब तक पूंजी बाजार से निकाले 31,464 करोड़

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर में अब तक भारतीय पूंजी बाजार से 31,464 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। शुद्ध निकासी बाजार में लगायी गयी पूंजी और बाजार से निकाली गयी पूंजी का अंतर है। इससे पहले लगातार तीन महीने एफपीआई बाजार में शुद्ध रूप से लिवाल रहे थे। अगस्त में उनका निवेश 25,492 करोड़ रुपये, जुलाई में 40,030.73 करोड़ रुपये और जून में 4,668.86 करोड़ रुपये बढ़ा था। केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार सितंबर में अब तक एफपीआई ने इक्विटी में 17,131 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। डेट और हाइब्रिड उपकरणों में भी एफपीआई का निवेश कम हुआ है, जबकि म्यूचुअल फंड में वे

लिवाल रहे हैं। डेट में एफपीआई ने इस महीने 12,295 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है।

चीनी में 176 रुपये की साप्ताहिक गिरावट

खाद्य तेलों के दामों में आया उछाल

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी 176 रुपये सस्ती हुई। चावल, गेहूं और खाद्य तेलों के दाम चढ़ गए जबकि दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा।

बीते सप्ताह मीठे के बाजार में चीनी का औसत भाव 176 रुपये गिरकर सप्ताहांत पर 5,167 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। गुड़ का भाव 46 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 19 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 4,170 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गेहूं सात रुपये महंगा हुआ और सप्ताहांत पर 2ए885 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी दो रुपये चढ़कर 3ए354 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 95 रुपये और चना दाल की 26 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। उड़द दाल 17 रुपये महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 52 रुपये और मूंग दाल की 17 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई। बीते सप्ताह मूंगफली तेल की औसत कीमत 156 रुपये और सोया तेल की 98 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। पाम ऑयल 79 रुपये और सरसों तेल 40 रुपये मजबूत हुआ। वनस्पति की कीमत 38 रुपये और सूरजमुखी तेल की 25 रुपये प्रति क्विंटल ऊपर रही।

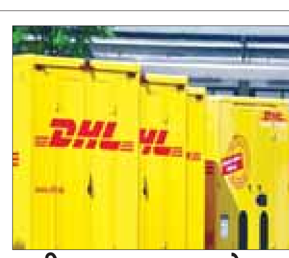

डीएचएल एक्सप्रेस की सेवाएं 1 जनवरी से होंगी महंगी

नयी दिल्ली। बहुराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कंपनी डीएचएल एक्सप्रेस की सेवाएं भारत में 01 जनवरी 2027 से महंगी हो जाएंगी। कंपनी ने शनिवार को बताया कि नये साल से वह अपनी दरों में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि करेगी। डीएचएल एक्सप्रेस में दक्षिण एशिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरण्एसण् सुब्रमण्यम ने कहा अंतरराष्ट्रीय व्यापार कारोबार के लिए नये मौके बनाता रहता है, जबकि आपूर्ति श्रृंखला एक-दूसरे से लगातार ज्यादा जुड़ती और जटिल होती जा रही हैं।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। बीते सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में घरेलू शेयर बाजारों की दिशा कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा अन्य वैश्विक कारकों से तय होगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन दिनों कच्चे तेल में काफी उतार.चढ़ाव देखा जा रहा है। शुद्ध रूप से तेल आयातक देश होने के कारण भारतीय शेयर बाजारों पर इसका सीधा असर होता है। घरेलू स्तर पर आने वाले सप्ताह में औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण पीएमआई और वाहनों की बिक्री के आंकड़े आने हैं। बाजार में निवेश धारणा तय करने में इनकी भी अहम भूमिका होगी। गत सप्ताह शेयर बाजारों में मंगलवार और गुरुवार को गिरावट रही जबकि अन्य तीन दिन बाजार में तेजी रही। बीएसई का सेंसेक्स 399.22 अंक 0.54 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट में शुक्रवार को 73,895.74 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 सूचकांक भी 205.90 अंक यानी 0.88 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 23,140.50 अंक पर रहा। वृहत बाजार में भी बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप.50 सूचकांक 2.29 प्रतिशत और स्मॉलकैप.100 सूचकांक 0.80 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट में रहा। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 16 के शेयर लाल निशान में और अन्य 14 के हरे निशान में रहे। इंफोसिस का शेयर 4.69 प्रतिशत बजाज फिनसर्व का 4.37, भारती एयरटेल का 4.24 और ट्रेंट का 4.03 प्रतिशत लुढ़क गया। बजाज फाइनेंस को 3.12 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक को 2.28, एक्सिस बैंक को 1.68 और अडानी पोर्ट्स को 0.94 प्रतिशत का नुकसान हुआ। टीसीएस में 0.81 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक में 0.79, भारतीय स्टेट बैंक में 0.74, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 0.71, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 0.64, मारुति सुजुकी में 0.61, पावरग्रिड में 0.28 और बीईएल में 0.17 प्रतिशत की गिरावट रही। अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर 4.03 फीसदी, आईटीसी का 2.59, टाइटन का 2.58 और इटरनल का 2.53 फीसदी की साप्ताहिक बढ़त में रहा। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.73 फीसदी, एशियन पेंट्स में 1.66, टाटा स्टील में 1.60, टेक महिंद्रा में 1.06, सन फार्मा में 0.98 और एचडीएफसी बैंक में 0.92 प्रतिशत की तेजी रही। इंडिगो का शेयर 0.73 प्रतिशत, एनटीपीसी का 0.68, एलएंडटी का 0.49 और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 0.26 प्रतिशत मजबूत हुआ।

अवंतिका का वैभव ही सदियों से रहा है इसका गौरव: मुख्यमंत्री डॉ यादव

मुख्यमंत्री ने उज्जैन को दी 173 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार प्रदेश के समान विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उज्जैन एक प्राचीन नगर है। यहां का व्यापार व्यवसाय और इसका वैभव ही सदियों से इस नगर का गौरव और पहचान रही है। उज्जैनवासियों ने हर काल में शहर के विकास में सहयोग दिया है और आज भी यहां के लोग विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए स्वैच्छिक योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव रविवार को महाकाल महालोकए उज्जैन में विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां 173 करोड़ रुपये लागत के 15 विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि उज्जैन को जल्द ही मेट्रो ट्रेन की सौगात भी मिलेगी। भोपाल के मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट प्रकाशित कर दिया गया है। ग्वालियर नई मेट्रोपॉलियन सिटी के रूप में विकसित होगा तथा उसे टेलीकॉम सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि इंदौर-भोपाल-जबलपुर तक औद्योगिक गलियारा बनने जा रहा है। इससे पूरे प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। सेवा भाव से समान रूप से कार्य कर रही सरकार

हमारी सरकार सेवा भाव से समान रूप से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि सुगम परिवहन सेवा से प्रदेश में नई परिवहन सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। इसके अन्तर्गत यात्री बसें एक नगर से दूसरे नगर तक ही नहीं, बल्कि एक राज्य से दूसरे राज्य तक जाएंगी। उज्जैन में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए उज्जैन दर्शन हेतु 10 नई पीएम ई-बस सेवाओं का शुभारंभ किया गया है। कार्यक्रम को उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सदस्य बालयोगी उमेशनाथ महाराज, सांसद डॉ लता वानखेड़े एवं महापौर मुकेश टटवाल ने भी संबोधित किया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में उज्जैन का चौमुखी विकास हो रहा है तथा सिंहस्थ के दृष्टिगत नगर को सजाया-संवारा जा रहा है।

उज्जैन में होंगे 173 करोड़ रुपए के विकास कार्य

मुख्यमंत्री डॉण् यादव ने रविवार को उज्जैन में हुए कार्यक्रम में 15 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इसमें 12 कार्यों का भूमि-पूजन और 3 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। भूमि-पूजन कार्यों में मुख्य रूप से नगर निगम उज्जैन के 8 बड़े कार्य हैं, जिनमें गौशाला मार्ग से शिप्रा विहार मार्ग निर्माण, महाकाल लोक क्षेत्र में पार्किंग सुविधा, श्री महाकाल मंदिर परिसर का विकास एवं क्षिप्रा नदी के घाटों का जीर्णोद्धार जैसे कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही उज्जैन स्मार्ट सिटी द्वारा महाकाल मंदिर के पीछे लैंडस्केपिंग, पुलिस विभाग द्वारा चिंतामण जवासिया में पुलिस आवास और उन्हेल में थाना भवन तथा पर्यटन विभाग द्वारा 45 नगरीय वनों का विकास कार्य शामिल है, जिनकी कुल लागत 153.31 करोड़ रुपये है। लोकार्पित किए गए कार्यों में पुलिस आवास अधोसंरचना विकास निगम द्वारा नीलगंगा और उन्हेल में निर्मित पुलिस आवास एवं थाना भवन तथा ऊर्जा विभाग द्वारा बड़नगर में निर्मित 33/11 केव्ही उपकेन्द्र शामिल हैं, जिनकी कुल लागत 19.56 करोड़ रुपये है।

मन की बात से प्रेरणा लेकर आयुर्वेद को जनकल्याण से जोड़ें: राज्यपाल

भोपाल (स्वतंत्र मत)

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि मन की बात से प्रेरणा लेकर आयुर्वेद को जनकल्याण से जोड़ें, क्योंकि आने वाला समय आयुर्वेद का है। आवश्यकता उसके ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने की है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन, प्रकृति संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश समाज तक पहुंचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आयुर्वेद को केवल उपचार तक सीमित नहीं रखें। उसके ज्ञान से रोग नियंत्रण, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने आयुर्वेद महाविद्यालय को शिक्षाए शोध, सेवा और जन-जागरूकता को एक साथ आगे बढ़ाने का केंद्र बनने के लिए प्रोत्साहित किया। राज्यपाल श्री

राज्यपाल के साथ आयुर्वेद महाविद्यालय में शिक्षकोंए विद्यार्थियों ने भी सुना मन की बात कार्यक्रम

पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य का संबंध केवल दवा से नहींए बल्कि स्वच्छता, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, योग, व्यायाम और सकारात्मक सोच से भी है। राज्यपाल श्री पटेल पं. खुशीलाल शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान के रजत जयंती सभागार में रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के प्रसारण से पूर्व श्रोताओं को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मन की बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के नागरिकों से संवाद का नवाचार है, जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रेरक कार्य और अनुभव सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम सामान्य नागरिकों के छोटे प्रयासों और जन भागीदारी की उपयोगी पहल को सामने लाकर समाज और राष्ट्र के लिए सकारात्मक कार्य करने की प्रेरणा देता है। जागरूक नागरिक अपने स्तर पर निरंतर प्रयासों से समाज में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकते हैं। मन की बात यह संदेश देती है कि समाज में बदलाव केवल बड़े प्रयासों से नहीं, बल्कि छोटे और निरंतर कार्यों से भी संभव है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आधुनिक समय में जीवनशैली से जुड़ी अनेक चुनौतियां बढ़ रही हैं। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और अनुशासित दिनचर्या अत्यंत आवश्यक है। स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मन और सक्रिय बुद्धि का निर्माण होता है।

पितृ पक्ष में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

दमोह (स्वतंत्र मत)

घंटाघर के समीप पितृ पक्ष में 27 सितंबर से 3 अक्टूबर तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का शुभारंभ मारवाड़ी मंदिर में विधिवत पूजन उपरांत शोभायात्रा के साथ हुआ। रविवार को शोभायात्रा पुराना थाना स्थित मारवाड़ी मंदिर से प्रारंभ होकर श्रीदेव जानकी रमण बूंदाबहु मंदिर में संपन्न हुई। श्रीमद् भागवत कथा रसदास महाराज के मुखारविंद से दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक सुनाई जा रही है। रामेश्वर शर्मा, मिक्की राजौरिया, मनोज ने बताया कि पितृपक्ष के चलते यह कथा श्रीदेव जानकी रमण बूंदाबहू मंदिर में आयोजित की जा रही है। कथा श्रवण कराने के लिए श्रीधाम अयोध्या से महाराज पधारे हैं। कथा के यजमान लगभग 15 से अधिक हैं तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। कलश यात्रा में सैकड़ों की तादाद में श्रद्धालु महिला, बच्चे, पुरूष डीजे की धुन में नाचते हुए भजन करते हुए चल रहे थे। कलश यात्रा में जगह-जगह भक्तों ने स्वागत सत्कार भी किया।

बारिश में रात के समय मकान का हिस्सा गिरा

हटा (स्वतंत्र मत)। बीती रात हुई बारिश के दौरान बोरी कला गांव में नितिन खरे के मकान का एक हिस्सा अचानक भर भराकर गिर गया। मकान का हिस्सा गिरने से गृहस्थी का सामान क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि जिस हिस्से में मकान गिरा, वहां उस समय परिवार का कोई सदस्य नहीं सो रहा था जिससे बड़ा हादसा टल गया। पीड़ित नितिन खरे ने बताया कि उन्हें आवास योजना के तहत कुटीर स्वीकृत हुई थी लेकिन अब तक मकान की छत नहीं डल पाई है। बारिश के कारण मकान की स्थिति पहले से कमजोर थी। रात में बारिश के बीच अचानक मकान का हिस्सा गिरने से परिवार में दहशत फैल गई। घटना के बाद परिवार ने प्रशासन से क्षतिग्रस्त मकान का निरीक्षण कराकर राहत सहायता उपलब्ध कराने और आवास योजना के तहत अधूरे निर्माण को पूरा कराने की मांग की है।

किसानों को सिंचाई के लिए मिलेगी दिन में 10 घंटे बिजली

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने शहडोल में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को उज्जैन से वर्चुअली किया संबोधित

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि किसानों को सिंचाई के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस वर्ष सरकार ने पहली बार शहडोल के किसानों का श्री अन्न कोदो, कुटकी समर्थन मूल्य पर खरीदा है। इस बार भी किसानों का धान भी सरकार समर्थन मूल्य पर खरीदेगी, किसान किसी प्रकार की चिंता न करें। दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पशुपालन को प्रोत्साहित किया जाएगा। किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराकर आधुनिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुपालन, बकरी पालन, कुक्कुट पालन और मछली पालन से भी किसानों को जोड़कर किसानों की आय में वृद्धि की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने रविवार को शहडोल में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को उज्जैन से वर्चुअली संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉण् यादव ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। किसानों और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि सरकार द्वारा सिंचाई का रकबा बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। हर एक खेत तक पानी उपलब्ध करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि शहडोल जिले के ओडीपी उत्पाद क्षेत्र की पहचान हल्दी को जियोटैग मिला है, क्षेत्र में हल्दी का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है। क्षेत्र की कृषि क्षमता को देखते हुए मसाला फसलों की खेती को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। हल्दी की प्रोसेसिंग और बाजार उपलब्ध करवाया जा रहा हैए जिससे किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जैविक खेती करने वाले किसानों से संवाद किया और शहडोल क्षेत्र के राजाबाग अमरूद, मूंगा, कोदो, कुटकी की प्रसिद्धि का जिक्र करते हुए किसानों को उद्यानिकी फसलों का उत्पादन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की दुर्लभ वनस्पतियों के संग्रहणए प्रसंस्करण एवं बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी।

लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारियों की बैठक आयोजित

दमोह (स्वतंत्र मत)

जिले में कार्यरत लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारियों की विभिन्न सेवा संबंधी समस्याओं, लंबित मांगों एवं कार्यालयीन कठिनाइयों को लेकर बैठक वन मंडल कार्यालय दमोह में संपन्न हुई। बैठक में कर्मचारियों की पदोन्नति, वेतनमान, सेवा संबंधी समस्याओं, लंबित प्रकरणों सहित कर्मचारियों के हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित कर्मचारियों ने अपनी-अपनी समस्याएं एवं सुझाव रखे तथा उनके निराकरण के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। बैठक में लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारियों से एकजुट होकर अपनी समस्याओं एवं सुझावों को संगठन के माध्यम से रखने का आह्वान किया गया। बैठक के अंत में जिला अध्यक्ष राजीव बड़कुल ने उपस्थित सभी लिपिक साथियों का आभार व्यक्त किया।

सड़क के बीच जानलेवा गड्ढा, एमपीआरडीसी मौन!

दंपती हादसे का शिकार, महिला गंभीर घायल

पथरिया (स्वतंत्र मत)

पथरिया-गढ़ाकोटा राज्य राजमार्ग 14 पर बांसा गांव के सामने चौधरी वेयरहाउस के पास सड़क के बीचों बीच बना गड्ढा राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। रोजाना हजारों वाहनों की आवाजाही वाले इस मार्ग पर आए दिन हादसे हो रहे हैं लेकिन सड़क की जिम्मेदारी संभालने वाले एमपीआरडीसी के अधिकारियों की चुप्पी समझ से परे है। क्या विभाग किसी बड़ी दुर्घटना या जनहानि के बाद ही जागेगा।

बीते दिन इसी गड्ढे में मोटरसाइकिल का पहिया जाने से पति-पत्नी सड़क पर गिर पड़े जिसमें महिला को गंभीर चोटें आईं। राहगीरों के मुताबिकए पथरिया से गढ़ाकोटा तक सड़क की स्थिति अच्छी है लेकिन इस एक गड्ढे के कारण रोजाना हादसे हो रहे हैं। ऐसे में सवाल है कि जब खतरा एक ही स्थान पर है तो एमपीआरडीसी अब तक इसकी मरम्मत क्यों नहीं करा सका। हैरान करने वाली बात यह है कि इसी मार्ग से अधिकारी भी पथरिया और गढ़ाकोटा के बीच आवागमन करते हैं, इसके बावजूद गड्ढे की स्थिति जस की तस बनी हुई है। क्या जिम्मेदार अधिकारियों की नजर इस जानलेवा गड्ढे पर नहीं पड़ी या फिर सब कुछ देखकर भी अनदेखा किया जा रहा है। सड़क का रखरखाव और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना एमपीआरडीसी की जिम्मेदारी है, लेकिन जमीनी स्थिति विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है।

अब सवाल नहीं कार्यवाही जरूरी है। एमपीआरडीसी तत्काल गड्ढे की स्थायी मरम्मत कराए और तब तक सुरक्षा संकेतक लगाए ताकि किसी और परिवार को हादसे का दर्द न झेलना पड़े। समय रहते कार्यवाही नहीं हुई तो किसी बड़ी दुर्घटना की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा।

शुभ-अशुभ कर्मों का फल मनुष्य को अवश्य भोगना पड़ता है: कथा व्यास रवि शास्त्री

दमोह (स्वतंत्र मत)। पितृ पक्ष में पितरों के निमित्त श्री देव जटाशंकर मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस कथा व्यास रवि शास्त्री ने भगवान श्रीहरि की भक्ति के साथ-साथ मनुष्य के कर्मों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए धुंधकारी की कथा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपने जीवन में जो शुभ अथवा अशुभ कर्म करता है, उसी के अनुरूप उसे सुख.दुःख का अनुभव करना पड़ता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को सदैव धर्मए सत्य, सेवा, सदाचार और परोपकार के मार्ग पर चलना चाहिए क्योंकि अशुभ कर्म अंततः दुःख का कारण बनते हैं। धुंधकारी की कथा सुनाते हुए बताया कि आत्मदेव नामक ब्राह्मण के पुत्र धुंधकारी ने अपने जीवन में सत्कर्मों और सदाचार का मार्ग छोड़कर दुष्कर्मों को अपना लिया। वह बुरी संगति में पड़ गया और माता-पिता के प्रति भी अनुचित व्यवहार करने लगा। धन, विषय वासनाओं और गलत संगति में आसक्त होकर उसने अनेक अशुभ कर्म किए। उसके जीवन में धर्म और विवेक का स्थान धीरे-धीरे समाप्त होता गया। यही कारण रहा कि मृत्यु के पश्चात भी उसे शांति प्राप्त नहीं हुई और वह प्रेतयोनि में भटकता रहा। उन्होंने कहा कि धुंधकारी की कथा केवल एक पौराणिक प्रसंग नहीं बल्कि प्रत्येक मनुष्य के लिए जीवन का महत्वपूर्ण संदेश है। मनुष्य जैसा कर्म करता है, उसी कर्म का परिणाम किसी न किसी रूप में उसे प्राप्त होता है। धन, पद, प्रतिष्ठा और सांसारिक सुख क्षणभंगुर हैं लेकिन कर्मों का प्रभाव जीवन की दिशा निर्धारित करता है। इसलिए माता-पिता का सम्मान, गुरुजनों की सेवा, जरूरतमंदों की सहायता, सत्य का पालनए भगवान का स्मरण और धर्मानुकूल आचरण ही मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाते हैं। श्रीमद्भागवत केवल कथा सुनने का ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य मार्गदर्शन है। धुंधकारी के जीवन से यह शिक्षा मिलती है कि बुरी संगति और अशुभ कर्म मनुष्य को पतन की ओर ले जाते हैं जबकि सत्संग, सदाचार और भगवान की भक्ति जीवन में शांति और सद्गति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि अपने कर्मों को शुद्ध रखें किसी का अहित न करें और जीवन में सदैव धर्म एवं मानवता का पालन करें। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया।

स्टेट बैंक सहित राष्ट्रीयकृत बैंकों में तीन दिवसीय हड़ताल शुरू

हटा (स्वतंत्र मत)। स्टेट बैंक सहित राष्ट्रीयकृत बैंकों के अधिकारी-कर्मचारी अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर रविवार से तीन दिवसीय हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल के चलते बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ने की संभावना है। बैंक अधिकारी-कर्मचारियों की पांच सूत्रीय मांगों में नए बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करना, सप्ताह में पांच दिन कार्य व्यवस्था लागू कर शनिवार को पूर्ण अवकाश देना, पेंशन पुनरीक्षण, पीएलआई प्रॉफिट लिंक्ड इंसेंटिव तथा सभी कर्मचारियों को समान इंसेंटिव देने की मांग शामिल है। बताया गया कि इन मांगों को लेकर इसके पूर्व 11 सितंबर को राष्ट्रव्यापी सांकेतिक हड़ताल भी की गई थी। अब तीन दिवसीय हड़ताल के बाद भी मांगों पर सहमति नहीं बनने की स्थिति में अक्टूबर माह में अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया जा सकता है। स्टेट बैंक अधिकारी-कर्मचारी संघ से जुड़े एक अधिकारी ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर बताया कि संघ की ओर से मांगों को लेकर सरकार के साथ लगातार चर्चा की जा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इन मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए समाधान की दिशा में कदम उठाएगी।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर संवाद कर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

दमोह (स्वतंत्र मत)। आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आंगन मिलन अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान 27 सितंबर से 27 अक्टूबर तक आंगनबाड़ी केंद्रों पर चलाया जाएगा। इसी क्रम में महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर संवाद कर वहां उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया तथा मिष्ठान का वितरण किया। गुरुनानक वार्ड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 21 में विधायक जयंत मलैया ने पहुंचकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया और मिष्ठान वितरित किया। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वर्षा रैकवार ने सिविल वार्ड 2 के आंगनबाड़ी केंद्र, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वर्षा रैकवार ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समाज की आधारभूत सेवा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे बच्चों के पोषणए स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा के साथ महिलाओं एवं परिवारों के बीच भी जागरूकता का कार्य करती हैं।

आंगन मिलन अभियान के माध्यम से महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर उनके कार्यों को सम्मान देने और आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं को समझने का प्रयास कर रहा है। अभियान के अंतर्गत सरस्वती उइके ने सिविल वार्ड 2, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मालती असाटी जिला सह कार्यालय मंत्री कुसुम खरे ने सिविल वार्ड 4, उमा लक्ष्मी सेन एवं सुनीता सेन ने केंद्र क्रमांक 4, एकता चौबे एवं यशोदा कटारया ने केंद्र क्रमांक 5, प्रतिभा सैनी एवं आशा पटेल ने केंद्र क्रमांक 6, रेनू रजक ने केंद्र क्रमांक 91, राधा सोनी ने केंद्र क्रमांक 48, गायत्री वंशवर्ती ने केंद्र क्रमांक 55 तथा शैलजा हजारीए नीतू दुबे एवं विनीता जड़िया ने विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया।

मयंक गार्डिया दिल्ली में सम्मानित

दमोह (स्वतंत्र मत)। सीएसआईआर वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद की स्थापना के 85 वी वर्षगांठ के अवसर पर मयंक गार्डिया पिता मधुरकांत गार्डिया निवासी दमोह द्वारा डाक टिकट की डिजाइन तैयार की गई जिसको संपूर्ण भारत के प्रतिभागियों की बनाई गई डिजाइनों में सर्वश्रेष्ठ डिजाइन घोषित किया गया और शुक्रवार को दिल्ली के एनएएससी कॉम्प्लेक्स के भारतरत्न सी सुब्रमणियम सभागार में डॉ जितेंद्र सिंह राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री केंद्र सरकार द्वारा टिकिट का विमोचन कर संपूर्ण देश में जारी की गई और डाक टिकट के डिजाइनर मयंक गार्डिया को मंच से सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि मयंक गार्डिया वर्तमान में आईआईसीबी कोलकाता से ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में पीएचडी कर रहे है। दमोह निवासी मधुरकांत गार्डिया के बेटे मयंक की उपलब्धि पर उनके प्रशंसकों ने उन्हें बधाई दी।

▶▶ सिविल लाईन थाना क्षेत्र में वारदात, आरोपियों की तलाश में पुलिस

झपट्टा मारकर राहगीर का मोबाइल ले उड़े बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सिविल लाईन थाने में विनीत गर्ग उम्र 21 वर्ष निवासी शेरगंज थाना सिविल लाईन सतना ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह एमपीएल एग्रो मार्केट में प्राईवेट काम करता है। वह सतना से जबलपुर मीटिंग के लिये आया था रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नम्बर 1 से पैदल एम्पायर की ओर जा रहा था। लवली होटल के पास पहुंचा तभी पीछे से काले रंग की स्पेलेण्डर मोटर साइकिल में 2 लड़के आये और झपट्टा मारते हुये उसके हाथ में रखा वीवो कम्पनी का मोबाइल लेकर भाग गये। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

▶▶ गोहलपुर थाने का मामला, जांच में जुटी पुलिस

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोहलपुर थाने में मेट्रो अस्पताल से सूचना मिली कि राजू गुप्ता उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम बरेला का 20 सितंबर को रात ग्राम धनपुरी बरेला में परिजनों बताये अनुसार सड़क दुर्घटना में घायल होने से उपचार हेतु भाई रवि कुमार द्वारा भर्ती कराया गया था । जहां पर उपचार के दौरान रविवार को सुबह लगभग 5 बजे राजू गुप्ता की मृत्यु हो गयी है। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु भिजवाते मर्ग कायम कर घटनास्थल थाना बरेला क्षेत्र का होने से अग्रिम जांच हेतु मर्ग डायरी थानाबरेला स्थानांतरित की जा रही है।

आज से हड़ताल पर रहेंगे शहर के 3 हजार आर्थिक सिपाही

30 सितंबर तक रहेगी बैंकों की हड़ताल, कामकाज रहेगा ठप्प

एआई फोटो

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

5 दिवसीय वर्किंग सहित अन्य मांगों को लेकर देशभर के बैंक कर्मचारी आज से 3 दिवसीय हड़ताल पर जा रहे है। इसी कड़ी में जबलपुर के अलग-अलग बैंकों में पदस्थ लगभग 3 हजार बैंक कर्मचारी भी आज से 3 दिनों की हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान जमा, निकासी सहित बैंक के सभी जरूरी कामों पर विराम रहेगा। जानकारी के मुताबिक यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के समर्थन में रविवार को जबलपुर में विभिन्न बैंकों के कर्मचारी एवं अधिकारी एकजुट हुए।

इन मांगों पर हुआ प्रदर्शन

हड़ताल से एक दिन पहले रविवार को सरदार वल्लभभाई पटेल उद्यान, विजय नगर, एसबीआई चौक के पास, आईसीआईसीआई बैंक के सामने प्रातः 10.00 बजे से जोरदार प्रदर्शन एवं नारेबाजी की गई। प्रदर्शन के दौरान पांच

दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने, इंडियन बैंक्स एसोसिएशन द्वारा दिए गए प्रस्तावित परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव में भेदभाव का विरोध तथा बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों से संबंधित विभिन्न लंबित मुद्दों के शीघ्र, सकारात्मक एवं न्यायसंगत निराकरण की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इस अवसर पर यूएफबीयू जबलपुर इकाई के संयोजक अभिषेक कुमार सिन्हा ने कहा कि बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी भारतीय अर्थव्यवस्था के आर्थिक सिपाही हैं। बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को देश के आम नागरिकों तक पहुंचाने में बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मांगे पूरी ना होने पर होगी अनिश्चितकालीन हड़ताल

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, मुद्रा ऋण योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, स्ट्रीट वेंडर्स के लिए ऋण योजनाओं सहित अनेक सरकारी योजनाओं एवं ऋण योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने का कार्य बैंकिंग तंत्र के माध्यम से किया जा रहा है। इसके अलावा कृषि, लघु उद्योग, स्वरोजगार एवं विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में भी बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। श्री सिन्हा ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने में बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इसके बावजूद बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे लंबे समय से लंबित हैं। इन मुद्दों के शीघ्र एवं सकारात्मक निराकरण की आवश्यकता है। यूएफबीयू के अनुसार, 28, 29 एवं 30 सितंबर को तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के पश्चात भी यदि लंबित मुद्दों का सकारात्मक एवं संतोषजनक निराकरण नहीं किया जाता है, तो 26 अक्टूबर से बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए बाध्य होंगे। रविवार को हुए प्रदर्शन में अभिषेक कुमार सिन्हा, प्रशांत खरे, चंदन कुमार, सुशील गुप्ता, प्रकाश रहंगडाले, दीपशिखा पटेल सहित विभिन्न बैंकों के कर्मचारी एवं अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अब बिना टोल दिए निकल सकेंगे वाहन, शहपुरा टोल प्लाजा में टोल वसूली पर लगा विराम

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दिए थे निर्देश, वाहन चालकों को राहत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर-हिरन नदी मार्ग के वाहन चालकों को राहत मिली है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के निर्देश पर एनएचएआई ने एनएच-45 स्थित शहपुरा टोल प्लाजा पर टोल वसूली 27 सितंबर दोपहर 12 बजे से कुछ समय के लिए रोक दी है। अब सभी गाड़ियां बिना टोल दिए निकल सकेंगी। शहपुरा रेलवे ओवरब्रिज के पास एप्रोच रोड खराब होने और निर्माण काम के कारण टोल वसूली रोकी गई है। वैकल्पिक रास्तों पर ट्रैफिक मोड़ने से यात्रियों को हो रही परेशानी और आर्थिक बोझ कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है। बतां दें कि मप्र रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन खराब एप्रोच रोड को ठीक कर रहा है। एनएचएआई ने साफ किया है कि ओवरब्रिज का काम पूरा होने और रास्ता ठीक होने तक टोल नहीं लिया जाएगा, जिसके बाद ही टोल टैक्स फिर से शुरू करने पर फैसला होगा। टोल वसूली बंद होने पर भी एनएचएआईटोल प्लाजा पर सभी जरूरी इंतजाम रखेगा। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए सीसीटीवी कैमरे, एनपीआर और लाइटिंग की देखभाल जारी रहेगी। सुरक्षित ट्रैफिक के लिए कर्मचारी भी रहेंगे।

टोलकर्मी का वीडियो हुआ था वायरल

उल्लेखनीय है कि विगत दिवस जबलपुर-भोपाल मार्ग के शहपुरा टोल प्लाजा पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के टोल बंद करने के निर्देश के बावजूद शनिवार को वाहन चालकों से शुल्क वसूला गया। जिसका एक वीडियो सामने आया था। इसमें टोलकर्मी कहता नजर आ रहा है कि जब तक उसे लिखित आदेश नहीं मिलता, तब तक किसी वाहन को टोल से छूट नहीं दी जाएगी और शुल्क लिया जाएगा।

सिविल न्यायालय सिहोरा में ई-सेवा केंद्र का शुभारंभ

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिविल न्यायालय सिहोरा परिसर में ई-सेवा केंद्र का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश कृष्णकांत मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर न्यायालय परिसर में पंचजन्य अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें न्यायालय के सभी माननीय न्यायाधीशों सहित उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों एवं अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने अपने-अपने नाम से एक-एक पौधे का रोपण किया। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता संघ की मांग पर न्यायाधीश संतोष कोल के विशेष प्रयासों से यूनियन बैंक सिहोरा के सहयोग से न्यायालय के मुख्य द्वार पर न्यायालय के नाम का बोर्ड लगवाया गया। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए अधिवक्ता संघ द्वारा जिला एवं सत्र न्यायाधीश कृष्णकांत मिश्रा का सम्मान कर आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में संतोष कोल, श्याम सुंदर झा, अजय ऊईके, विशाल रिछारिया, खालिदा तनवीर आदि उपस्थित रहे।

हिंदी पखवाड़ा में सजी काव्य-संवेदना की महफ़िल

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोरा में दिनांक 26 सितंबर को साहित्यिक गरिमा से परिपूर्ण काव्य-पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कविता के माध्यम से भाव, संवेदना, कल्पना और समकालीन जीवन के विविध सरोकारों को अभिव्यक्ति मिली। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध कवयित्री रंजना गौतम, चंदिया, उमरिया रहीं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी भावभूमि से जुड़ी विविध विषयों की कविताओं का प्रभावशाली काव्य-पाठ करते हुए अपनी सृजनात्मक प्रतिभा, कल्पनाशीलता, भाषिक दक्षता और मंचीय अभिव्यक्ति-कौशल का परिचय दिया।

लायंस क्लब रीजन-13 की प्रथम स्टाफ मीटिंग संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रीजन-13 के नेतृत्व में लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 सी के निर्देशानुसार होटल द अमृत में रीजन-13 की प्रथम रीजन जोन स्टाफ मीट पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन राजीव अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य, एमजेएफ लायन नरेन्द्र जैन पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के विशिष्ट अतिथि एवं डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी एमजेएफ लायन भरत अग्रहरि मुख्य वक्ता की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में रीजन के अंतर्गत आने वाले तीन जोन एवं 9 लायंस क्लबों की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी सेवा कार्यों, सदस्यता विस्तार एवं क्लब की रिपोर्टिंग को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। बैठक की

शुरुआत ध्वज वंदना के साथ हुई। इसके पश्चात उपस्थित पदाधिकारियों ने रीजन एवं क्लबों द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम के अतिथि गणों द्वारा 'मिशन 1.5 मेंबर्स ग्रोथ अभियान' के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए सदस्य संख्या बढ़ाने और नए सदस्यों को लायंस क्लब की सेवा गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया। रीजन चेयरमेन लायन नीलम खरे ने रीजन-13 के अंतर्गत आने वाले तीनों जोन चेयरपर्सन एवं 9 क्लबों के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्षों से जुलाई माह से सितंबर माह तक आयोजित किए गए विभिन्न सेवा एवं सामाजिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी ली। कार्यक्रम का समापन एमजेएफ लायन डॉ. संध्या जैन के आभार प्रदर्शन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में एमपी ट्रांसको हुआ पुरस्कृत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। 13वें राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में ऊर्जा विभाग के उपक्रम मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के स्टॉल को सरकारी क्षेत्र की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में 22 से 26 सितंबर तक आयोजित इस विज्ञान मेले में एनटीपीसी, भारत पेट्रोलियम की मप्र इकाई सहित विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने भी भाग लिया था। ट्रांसमिशन प्रणाली से संबंधित विविध तकनीकी मॉडलों, आधुनिक संचार एवं निगरानी व्यवस्थाओं तथा जानकारीपरक प्रदर्शनों के कारण एमपी ट्रांसको का स्टॉल मेले के दौरान आगंतुकों और विद्यार्थियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा। स्टॉल पर ट्रांसमिशन लाइनों के मॉडल के साथ गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन (जीआईएस), एयर इंसुलेटेड सबस्टेशन (एआईएस), ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, ओपीजीडब्ल्यू संचार प्रणाली, एसएलडीसी एवं स्काडा डिस्प्ले, रिमोट वीडियो सर्विलांस व्यवस्था, आयसोलेटर के रिमोट संचालन, फॉल्ट लोकेटर, भूमिगत केबल प्रणाली, पाइल फाउंडेशन, स्कैफोल्डिंग तथा आपातकालीन बहाली प्रणाली (ईआरएस) के मॉडल प्रदर्शित किए गए। चालू ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस में उपयोग किए जाने वाले हॉट सूट मॉडल ने भी आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

महिला की सोने की चैन लेकर फरार हुआ बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कोतवाली थाने में दीप्ति सुखात्मे उम्र 67 वर्ष निवासी पंजाब बैंक कालोनी चेरीताल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह अपने घर से लगभग 50 मीटर दूरी पर गयी थी। वहां पर परिजात के फूल पूजा के लिये बटोर रही थी तभी मोटरसाइकिल मे 30-32 वर्ष का व्यक्ति आया जो सिर में सफेद गमछा बांधा हुये था आकर उससे किराये से मकान लेने के लिये पूछा तो उसने कहा कि शिवनगर कॉलोनी तरफ देख लो। इतने में उसके गले की सोने की चेन जिसमें छोटा सा लाकेट लगा था झपट्टा मारते हुये लेकर तेजी से मोटर सायकल चलाते हुये भाग गया।

गड्ढे से बचने बाइक सवार ने दबाया ब्रेक, पीछे से आ रहे ट्रक ने रौंदा

कटंगी क्षेत्र में दर्दनाक हादसा, युवक की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कटंगी स्थित हिरन नदी के बड़े पुल पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां जबलपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा दूसरा युवक घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक कटंगी के पौड़ी गांव निवासी बृजेंद्र लोधी और बुद्धू ठाकुर एक ही बाइक पर सवार होकर कटंगी की ओर जा रहे थे। बाइक बृजेंद्र चला रहा था। हिरन नदी के बड़े पुल पर सड़क पर बने गड्ढे से बचने के दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बुद्ध ठाकुर सड़क की दूसरी ओर गिर गया, जिससे उसे मामूली चोटें आईं। वहीं बृजेंद्र सीधे ट्रक की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

आरोपी चालक हुआ फरार- इस घटना के बाद पुल पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही। सूचना मिलते ही कटंगी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात बहाल कराया। पुलिस ने शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। हादसा कारित करने के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी ट्रक चालक और वाहन की तलाश कर रही है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर जमकर हुआ प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा तथा निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर संयुक्त संघर्ष समिति ने मालवीय चौक पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच, स्क्रुक्र एवं मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाए गए पात्र मतदाताओं के नाम तत्काल जोड़ने तथा जांच में दोष प्रमाणित होने पर ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी की मांग की गई। प्रदर्शन में सुबोध रिछारिया, रामरतन यादव, रजनीश दुबे, घनश्याम यादव, राधेश्याम अग्रवाल, राजेश सोनकर, डॉ. बसंत अग्रवाल, नोके लाल प्रजा, सिद्धांत जैन आदि उपस्थित रहे। समिति ने बताया कि 28 सितंबर को ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर छोटा फुहारा मिलौनीगंज से बड़ा फुहारा तक पैदल मार्च निकाला जाएगा।

स्वाइन फ्लू का खौफ दिखाकर निजी अस्पतालों में अवैध वसूली का खेल!

जिले में पाए गए सभी 24 संदिग्ध मिले निगेटिव, स्वास्थ्य विभाग हुआ सख्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

खांसी, फेफड़ों के संक्रमण और सामान्य सर्दी से जूझ रहे मरीजों को स्वाइन फ्लू का खौफ दिखाकर कुछ निजी अस्पतालों द्वारा मनमाने इलाज और अवैध वसूली की लगातार आ रही शिकायतों पर स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी के अनुसार जिले में स्वाइन फ्लू की आशंका पर लगभग 24 संदिग्ध लोगों की पड़ताल कराई गई थी, जिनमें निजी अस्पतालों से रेफर होकर आए मरीज भी शामिल थे। विभाग ने इन सभी 24 व्यक्तियों के नमूने नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज की माइक्रोबायोलॉजी लैब में भेजे थे, जहां जांच के बाद प्रत्येक व्यक्ति का परीक्षण पूरी तरह निगेटिव निकला।

अपने स्तर पर जांच कर रहे निजी अस्पताल

इसके बाद सीएमएचओ ने साफ कर दिया कि किसी भी निजी अस्पताल अथवा लैब को इस संक्रामक बीमारी की पुष्टि करने की कानूनी मान्यता नहीं है। निर्धारित स्वास्थ्य गाइडलाइन के तहत यदि किसी व्यक्ति में संक्रमण के लक्षण दिखाई देते हैं, तो संबंधित चिकित्सक अथवा नर्सिंग होम प्रबंधन को सबसे पहले जिला स्वास्थ्य कार्यालय को सूचना देना अनिवार्य होता है।

इस सूचना के बाद सरकारी निगरानी तंत्र ही उस पीड़ित का नमूना सुरक्षित विधि से एकत्र करता है। इसके उपरांत ही वह सैंपल आईसीएमआर द्वारा पंजीकृत आधिकारिक प्रयोगशालाओं में परीक्षण के लिए भेजा जाता है। ऐसे स्पष्ट सरकारी प्रोटोकॉल के बावजूद कुछ नर्सिंग होम अपने स्तर पर जांच कर लोगों को पॉजिटिव बता रहे थे, जो कि कानून के विरुद्ध है।

घबराहट में आकर ना कराएं महंगी जांचें

इधर शहर में एक भी मरीज प्रमाणित न मिलने से यह साबित हो गया है कि जिले में कोई गंभीर संक्रमण नहीं फैला है। विभाग ने आम जनता को भरोसा दिलाया है कि वे घबराहट में आकर महंगे टेस्ट न कराएं। स्वास्थ्य अमला ऐसे गैर-जिम्मेदार संस्थानों की निरंतर पड़ताल कर रहा है ताकि मरीजों से अनुचित धन उगाही रोकी जा सके। लोगों को सलाह दी गई है कि वे केवल सरकारी तंत्र से जारी प्रमाणित रिपोर्ट पर ही भरोसा रखें और भयभीत हुए बिना सामान्य डॉक्टर की सलाह लें। नियम विरुद्ध काम करने वाले संस्थानों पर दंडात्मक कार्यवाही तय की जा रही है।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

RUBY - NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX

THE PARADISE (HINDI) (A-18+)	11:45 AM, 3:15 PM, 6:45 PM & 10:15 PM
DAAYRA (HINDI) (A-18+)	RUBY 4:15 PM & 7:00 PM
VIBE (HINDI)(A-18+)	9:00 AM | RUBY 12:15 PM
RESIDENT EVIL (HINDI/ENG) (A-18+)	RUBY HINDI-5:50 PM | ENG- 7:45 PM
MIRZAPUR (HINDI) (A-18+)	11:00 AM, 2:35 PM, 6:20 PM & 10:00 PM RUBY 9:30 PM
HANUMAN ANSH (HINDI)	9:30 AM, 12:30 PM, 3:30 PM, 6:30 PM & 9:30 PM RUBY 1:30 PM, 3:00 PM & 9:50 PM

@moviemagic_jbp MOVIE MAGIC now with 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE

Bulk Booking / Advertising 9425807507 | Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**